दैनिक
बढ़ता राजस्थान
संस्करण : जयपुर, टोंक, अलवर एवं कोटा
■ Since : 2004
/// कदम बढ़ाएं, सच के साथ
वर्ष : 15 | अंक : 200 | जयपुर | रविवार , 25 मई, 2025 | ज्येष्ठ, कृष्ण पक्ष त्रयोदर्शी संवत्-2082 | भारत व राज्य सरकार से विज्ञापनों के लिए स्वीकृत | मूल्य :₹5.00 | पृष्ठ : 12
www.badhatarajasthan.in badhatarajasthan@yahoo.com badhatarajasthan.dainik badtarajasthan

संक्षिप्त समाचार

देश में कोरोना के अबतक 350 एक्टिव मरीज

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कोरोना के मरीज लगातार बढ़ रहे हैं। शनिवार को महाराष्ट्र के ठाणे में 8, उत्तराखंड-हरियाणा में 3-3 और यूपी के नोएडा में एक मामला सामने आया है। ठाणे में शुक्रवार को 10 मामले सामने आए थे। 23 मई को अहमदाबाद में 20, यूपी में 4, हरियाणा में 5 और बेंगलुरु में 9 महीने का एक बच्चा कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। इस तरह देश में अब तक कोरोना के 350 एक्टिव केस हैं। 2 मौतें हो चुकी हैं। उधर, दिल्ली सरकार ने कोविड-19 को लेकर एडवाइजरी जारी की है। सरकार ने सभी अस्पतालों को कहा है कि वे बेड, ऑक्सीजन, दवाइयों और वैक्सीन की पूरी व्यवस्था रखें। दिल्ली के सभी अस्पतालों को निर्देश दिया गया है कि हर पॉजिटिव कोविड सैंपल को जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए लोक नायक अस्पताल भेजा जाए। सभी संस्थानों को अपनी रिपोर्ट दिल्ली हेल्थ पोर्टल पर रोज अपलोड करनी है। एडवाइजरी ऐसे समय आई है जब पाकिस्तान, चीन, थाईलैंड और सिंगापुर जैसे देशों में कोरोना मामलों में बढ़ोतरी हो रही है।

जैसलमेर में हिरण को बचाने निकले 4 लोगों की मौत

ट्रक और कैम्पर की भिड़ंत, बुरी तरह फंसे शवों को क्रेन की मदद से बाहर निकाला

बढ़ता राजस्थान

जैसलमेर। जैसलमेर में हुए भीषण सड़क हादसे में एक वनकर्मी सहित 4 लोगों की मौत हो गई। हिरण के शिकार की सूचना पर ये सभी लोग उसे बचाने निकले थे। लाठी थाना क्षेत्र में इन लोगों की कैम्पर गाड़ी की ट्रक से भिड़ंत हो गई। हादसे में गाड़ी बुरी तरह से पिचक गई और शव अंदर ही फंस गए। चारों शव बाहर निकालने के लिए क्रेन की मदद ली गई।

लाठी के जंगलों में थी शिकारी आने की सूचना-हादसे में वन प्रेमी राधेश्याम विश्नोई की भी मौत हुई है। शिकारियों को रोकने के लिए राधेश्याम अपने साथी श्याम प्रसाद पुत्र बगदूराम विश्नोई और कंवराज सिंह भाटी के साथ लाठी एरिया के जंगल में जा रहे थे। उनके साथ वन रक्षक सुरेंद्र चौधरी भी थे। लाठी में गैस एजेंसी के सामने उनकी गाड़ी का एक्सीडेंट हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने गाड़ी का अगला हिस्सा अलग कर क्रेन की मदद से शव निकाले। सभी बॉडी को पोकरण हॉस्पिटल में पहुंचाया गया।

राधेश्याम विश्नोई ने बचाए 1 हजार से ज्यादा हिरण-राधेश्याम विश्नोई (28) पुत्र खिंया राम लंबे समय वन्य जीव संरक्षण के क्षेत्र में काम कर रहे थे। उन्होंने 1 हजार से भी ज्यादा हिरणों को रेस्क्यू कर बचाया और उनका इलाज करवाया थे।

तय समय से 8 दिन पहले केरल पहुंचा मानसून

4 जून तक एमपी-यूपी पहुंचने की संभावना

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून शनिवार को केरल पहुंच गया। यह अपने तय समय से 8 दिन पहले पहुंचा है। मौसम विभाग के मुताबिक 16 साल में ऐसा पहली बार हुआ जब मानसून इतनी जल्दी आया है। 2009 में मानसून 9 दिन पहले पहुंचा था। वहीं, पिछले साल 30 मई को दस्तक थी।

मानसून चार दिन से देश से करीब 40-50 किलोमीटर दूर अटका था और शुक्रवार शाम आगे बढ़ा। इसके आज ही तमिलनाडु और कर्नाटक के कई इलाकों में भी पहुंचने की संभावना है। एक हफ्ते में देश के दक्षिणी और पूर्वोत्तर राज्यों जबकि 4 जून तक मध्य और पूर्वी भारत को कवर कर सकता है।

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में नीति आयोग की शासी परिषद की 10वीं बैठक

हमें टीम इंडिया की तरह काम करना होगा, राज्य विकसित, तभी भारत विकसित होगा : पीएम मोदी

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में नीति आयोग की 10वीं गवर्निंग कार्डसिल की बैठक की अध्यक्षता कर रहे हैं। पीएम ने कहा- हमें टीम इंडिया की तरह काम करना होगा। विकसित भारत हर भारतीय का लक्ष्य है। जब हर राज्य विकसित होगा, तो भारत विकसित होगा। इस बैठक में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री और उपराज्यपाल, केंद्रीय मंत्री और नीति आयोग के उपाध्यक्ष, सदस्य और सीईओ शामिल हुए।

नीति आयोग के स्टेटमेंट के मुताबिक, इस साल बैठक की थीम विकसित भारत के लिए विकसित राज्य है। बैठक में भारत को 2047 तक विकसित बनाने के लिए राज्यों की भूमिका पर जोर दिया जाएगा। केंद्र और राज्य सरकारों के बीच बेहतर समन्वय को लेकर भी चर्चा होगी। केंद्र सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को देश के सामने मौजूद विकास से जुड़ी चुनौतियों के बारे में बताया। इसके अलावा भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए राज्य किस तरह आधारशिला बन सकते हैं, यह भी बताया गया। बैठक में उद्यमिता, कौशल और देश भर में स्थायी रोजगार के अवसर बढ़ाने के उपायों पर भी चर्चा की गई।

मोदी ने कहा कि विकसित भारत हर भारतीय का लक्ष्य है। जब हर राज्य विकसित होगा, तो भारत भी विकसित होगा। यह 140 करोड़ नागरिकों की आकांक्षा है। उन्होंने कहा कि राज्यों को वैश्विक मानकों के अनुरूप तथा सभी सुविधाएं और बुनियादी ढांचा प्रदान करके प्रत्येक राज्य में कम से कम एक पर्यटन स्थल विकसित करना चाहिए। एक राज्य- एक वैश्विक गंतव्य। इससे पड़ोसी शहरों का भी पर्यटन स्थल के रूप में विकास होगा। उन्होंने कहा कि भारत में तेजी से शहरीकरण हो रहा है। हमें भविष्य के लिए तैयार शहरों की दिशा में काम करना चाहिए।

पीएम मोदी के मार्गदर्शन में विकसित राजस्थान का संकल्प हो रहा साकार : सीएम शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को नई दिल्ली के भारतमंडपम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की शासी परिषद की दसवीं बैठक में शामिल हुए। मुख्यमंत्री शर्मा ने बैठक में विकसित राजस्थान के संकल्प को पूरा करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की विस्तार से चर्चा की और प्रदेश में जल और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार से अधिक सहयोग का भी अनुरोध किया। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार विकसित राजस्थान का लक्ष्य हासिल करने के लिए हर पहलू पर तेजी से काम कर रही है। इसी दिशा में आर्थिक समृद्धि, सतत् विकास और समावेशी प्रगति को केन्द्र में रखते हुए नीति आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप 'विकसित राजस्थान/2047' विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया जा रहा है। उन्होंने रामजल सेतु लिंक परियोजना तथा यमुना जल समझौते को मूर्त रूप देने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ये जल परियोजनाएं विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने में अहम भूमिका निभाएंगी।

शर्मा ने कहा कि विकसित राजस्थान के पथ पर आगे बढ़ने के लिए प्रदेश में निवेश बहुत जरूरी है। इसके लिए हमारी सरकार ने अपने कार्यकाल के पहले ही साल में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का सफल आयोजन कर 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त किए हैं तथा इन प्रस्तावों में से सवा तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव धरातल पर प्रारम्भ हो चुके हैं।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने एक जिला एक उत्पाद नीति 2024, एमएसएमई पॉलिसी 2024, निर्यात प्रोत्साहन नीति 2024, एकीकृत क्लस्टर विकास योजना, टेक्सटाइल एवं अपैरल पॉलिसी 2025, लॉजिस्टिक पॉलिसी 2025, डाटा सेंटर पॉलिसी 2025 को तैयार करके राजस्थान में समावेशी विकास और रोजगार के अवसर सृजन करने की दिशा में उत्कृष्ट कार्य किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस आधारित इंडस्ट्रीयल पॉलिसी शीघ्र जारी की जाएगी। इस नीति के माध्यम से ग्रीन टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देने के लिए रिसर्च और डेवलपमेंट पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

जयपुर कमिश्नरेट में शुरू हुआ साइबर सपोर्ट सेंटर

साइबर क्राइम पीड़ितों की मदद और काउंसलिंग होगी, ट्रोमा से बाहर निकलने में मदद करेगा

जयपुर। बढ़ता राजस्थान

जयपुर कमिश्नरेट कार्यालय में शनिवार से साइबर सपोर्ट सेंटर शुरू किया गया है। इस सेंटर में साइबर ठगी के शिकार हुए लोगों की मदद की जाएगी। साइबर क्राइम से कई बार महिलाएं और बच्चे परेशान होकर अवसाद में चले जाते हैं। ऐसे में यह सेंटर इस तरह के पीड़ितों की काउंसलिंग करेगा। ट्रोमा से बाहर निकालने में मददगार साबित होगा।

राजस्थान पुलिस के डीजीपी यूआर साहू, डीजी साइबर क्राइम हेमंत प्रियदर्शी ने इस सेंटर की शुरुआत की है। यह सेन्टर मुम्बई स्थित एनजीओ रेस्पोंसिबल नेटिजन्स द्वारा संचालित किया जाएगा। कोगटा फाउण्डेशन इसमें आर्थिक सहयोग करेगा। यह सेंटर ऑनलाइन ठगी के शिकार हुए लोगों को मुकाबला करने, साइबर अपराधों के पीड़ितों को तत्काल सहायता प्रदान करने और #CyberSafe Jaipur अभियान के अंतर्गत साइबर वेलनेस को बढ़ावा देने के लिए स्थापित किया गया है।

साइबर अपराध से सबसे अधिक दो चार हो रहे हैं बच्चे : साइबर क्राइम और उससे जुड़े आंकड़ों पर काम कर रही टीम ने बताया- साइबर स्पेस का उपयोग करने वाले 3 में से 1 बच्चे को ऑनलाइन बुलिंग का सामना करना पड़ता है। 70 प्रतिशत बच्चों को साइबर खतरों का हर स्टेज पर सामना करना पड़ा है। साइबर अपराध के 30 प्रतिशत मामले महिलाओं को लक्षित करते हैं। एनसीआरबी. के आंकड़ों के अनुसार फाइनेंस साइबर अपराध के मामलों में 24.5 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। अकेले साइबर धोखाधड़ी के कारण 2024 में 2054 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ। राजस्थान में हर साल लगभग 3000 साइबर मामले दर्ज किए जा रहे हैं। इनमें से 47.25 प्रतिशत पैसों से जुड़ा

अपराध है। 30.16 प्रतिशत यूपीआई. घोटाले से सम्बन्धित है। 12 प्रतिशत सोशल मीडिया से सम्बन्धित है। 11 प्रतिशत यौन उत्पीड़न से सम्बन्धित है। साइबर अपराधों में लोगों ने पिछले तीन साल में 1581 करोड़ रुपए गवा दिए। समय पर हस्तक्षेप के कारण पुलिस 676 करोड़ रुपए होल्ड करा सकी है। साइबर हेल्पलाइन पर साइबर स्टॉकिंग, साइबर बुलिंग और अन्य प्रकार से परेशान किया जाता है। विशेष रूप से महिलाओं के शिकार होने के बारे में हर दिन लगभग 10/15 कॉल आते है।

एपल भारत में ही बनाएगी आईफोन, दावा- कंपनी अमेरिकी राष्ट्रपति के दबाव में नहीं आएगी, ट्रम्प ने धमकी दी थी- अमेरिका में बनें फोन

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की धमकी के बाद भी एपल भारत में ही आईफोन बनाएगी। सीएनएन की रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत में आईफोन के प्रोडक्शन से कंपनी को काफी फायदा होगा। इसीलिए कंपनी किसी राजनीतिक दबाव में कोई फैसला नहीं लेगी। मामले से जुड़े एक शीर्ष सरकारी अधिकारी ने बताया कि उन्हें पूरा विश्वास है कि एपल कंपनी ट्रम्प प्रशासन के किसी भी दबाव के बावजूद मुनाफे को तवज्जो देगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, कंपनी भारत में उपलब्ध टैलेंट और यहां बिजनेस के लिए उपलब्ध सुविधाओं पर ज्यादा फोकस कर रही है। डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को कहा था कि अमेरिका में बेचे जाने वाले आईफोन की मैन्युफैक्चरिंग भारत या किसी अन्य देश में नहीं, बल्कि अमेरिका में ही होनी चाहिए। उन्होंने एपल

के सीईओ टिम कुक को बता दिया है कि यदि एपल अमेरिका में आईफोन नहीं बनाएगा तो कंपनी पर कम से कम 25% का टैरिफ लगाया जाएगा।

सम्पादकीय कार्यालय:-डी-38,चौमू हाउस,सी-स्कीम,जयपुर(राज.) 302001, बून्दी, झालावाड़, बांरा,बहरोड़,,सुजानगढ़, रावतभाटा,अजमेर, भीलवाड़ा, सवाईमाधोपुर, सीकर, झुन्झुनू,खाटूश्याम जी, निम्बाहेड़ा, चूरू, धौलपुर, जौधपुर, उदयपुर, चाकसू,टोंक निवाई, पीपलू, मालपुरा, उनियारा, अलिगढ़, देवली, कोटपुतली, शाहपुरा, भरतपुर में प्रसारित

सरकारी हेड पंप पर दबंगों का कब्जा विरोध करने पर महिलाओं को पीटा

पीड़ित महिलाओं ने उपखंड अधिकारी से करी शिकायत, देवी लाल के अड्डा की घटना

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी (राजू शर्मा)। शहर में रेलवे स्टेशन के पास स्थित देवीलाल के अड्डा पर एक दबंग परिवार के द्वारा सरकारी हैंड पंप पर कब्जा करने की शिकायत सामने आई है जिसे लेकर परेशान लोगों ने उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा जिसमें बताया गया कि इलाके के दबंग परिवार के द्वारा सरकारी हेड पंप पर कब्जा कर लिया गया है जिसके चलते आसपास के लोगों के पशुओं को पीने तक के पानी की उपलब्धता नहीं हो रही है जब लोगों ने इसका विरोध किया तो दबंग परिवार ने पीड़ित महिलाओं की जमकर मारपीट की और वहां से भगा दिया । देवीलाल के अड्डा निवासी महिलाओं ने बताया कि उनके इलाके में एक सरकारी हेड पंप है जिसके माध्यम से वह अपने मवेशियों को पानी पिलाते हैं साथ ही घर की आवश्यकता के लिए भी पानी भरते हैं इस इलाके के रहने वाले किल्लू राम पुत्र शालिग्राम जाती कुशवाहा के द्वारा आए दिन उनके साथ मारपीट की जाती है कुछ दिन पूर्व इस हेडपंप के हत्या को खोलकर किल्लू राम ने अपने घर पर रख लिया इसके बाद स्थानीय महिलाओं ने कहा कि उन्हें पशुओं को पानी पिलाना है तो दबंग परिवार ने मिलकर महिलाओं की जमकर पिटाई कर दी जिसमें से एक पीड़ित महिला का गला दबाने की भी कोशिश की गई जिसके बाद पीड़ित महिलाएं एकत्रित होकर उपखंड अधिकारी के यहां पहुंची और आरोपियों के विरुद्ध कार्यवाही करने की मांग की जानकारी के मुताबिक महिलाओं के साथ मारपीट का मामला 15 मई को किया गया था जिसके बाद भी दबंग परिवार के द्वारा लगातार पीड़ितों को धमकाया जा रहा है उपखंड अधिकारी से शिकायत करने वालों में राजवीर वर्मा, लखन सिंह, विजेंद्र सिंह, राजेंद्र सिंह, लक्ष्मी, मनोज, सुनीता, जीतू, चंद्र सिंह, अनीता, सुमन, वैजयंती, गड्डी, जगदीश, गोरा, गुड़िया, रामदास सहित लगभग दो दर्जन महिलाएं एवं पुरुष शामिल रहे।

खबर का असर : नगरपालिका ने रास्ते में बना 25 फीट गहरा सोखता गड्ढा किया बंद

बढ़ता राजस्थान

पावटा (सुशील कुमार बंसल)। नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा में आंगनबाड़ी स्थित गोगाजी मंदिर के पास आम रास्ते पर 25 फीट गहरे सोखते गड्ढे की पट्टियों के टूटे होने की खबर 'बढ़ता राजस्थान' समाचार पत्र में प्रमुखता से प्रकाशित किये जाने के बाद पालिका प्रशासन हरकत में आया और उन्होंने इस खुले पड़े सोखते गड्ढे की टूटी पट्टियों को हटाकर उक्त गड्ढे को रोड़ी व क्रकींट की मदद से भर दिया है। इससे पहले यह सोखता गड्ढा जानलेवा साबित हो रहा था और कभी भी कोई हादसा हो सकता था। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से मांग की थी कि इस मामले में तुरंत संज्ञान लिया जाए और सोखते गड्ढे को ढकने या बंद करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। उन्होंने चेतावनी दी थी कि यदि इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा ने समाचार के प्रकाशन के बाद तुरंत कार्रवाई करते हुए सोखते गड्ढे को भर दिया है। इससे स्थानीय निवासियों को बड़ी राहत मिली है और अब उक्त गड्ढे से कोई हादसा होने की संभावना नहीं है।

स्थानीय निवासियों ने नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा की इस कार्रवाई के लिए आभार जताया है और कहा है कि इससे उनकी जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित हुई है। उन्होंने कहा कि नगरपालिका की इस कार्रवाई से यह साबित होता है कि वे जनता की समस्याओं को गंभीरता से लेते हैं और उनका समाधान करने के लिए तत्पर रहते हैं। नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा की इस कार्रवाई से स्थानीय निवासियों को बड़ी राहत मिली है और अब वे अपने दैनिक कार्यों को बिना किसी चिंता के कर सकते हैं। इससे पहले सोखते गड्ढे की वजह से उन्हें काफी परेशानी हो रही थी और वे हमेशा हादसे की आशंका से ग्रस्त रहते थे।

मेडिकल केम्प व रक्तदान शिविर आज, 200 से अधिक ने कराया पंजीयन

जांच एवं चयनित ऑपेरशन होंगे निःशुल्क, दवाएं भी मिलेगी निःशुल्क

बढ़ता राजस्थान

उदयपुर (नि.स.)। उदयपुर उदयपुर टेक्स बार एसोसिएशन,उदयपुर टेक्स बार चौरिटेबल सोसायटी व सुखलेचा चेरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में 25 मई को विशाल निःशुल्क चिकित्सा परामर्श, भर्ती एवं रक्तदान शिविर का सूरजपोल मेवाड़ मोटर्स गली श्री जिनदत सूरी जैन धर्मशाला वासुपूज्य कॉम्प्लेक्स में आयोजित होगा। जिसके लिये 200 से अधिक लोगों ने अब तक पंजीयन करा लिया है। उदयपुर टैक्स बार के अध्यक्ष एवं सुखलेचा चेरिटेबल ट्रस्ट के सचिव सीए गौतम सुखलेचा ने बताया कि अब तक 6 लोगों ने देहदान के लिये संकल्प पत्र भरा है। इसके अलावा 16 जनों ने रक्तदान करने की ईच्छा जताई है। कल मौके पर और रक्तदाता जरूरतमंदो के लिये रक्तदान करेंगे। सुखलेचा ने बताया कि शहर में विभिन्न स्थानों पर मेडिकल एवं ब्लड डोनेशन केम्प के होर्डिंग लगाये गये है।

सुखलेचा ने बताया कि शहर में विभिन्न स्थानों पर पेम्पलेट का वितरण किया जा रहा है ताकि जरूरमंद व्यक्ति एवं रोगी इस शिविर मैं पंजीयन करा कर इस शिविर का लाभ ले सकें। अंकुश जैन ने बताया कि शिविर में उपलब्ध नि:शुल्क सेवाएं उपलब्ध रहेगी। जिसमें रोगियों को परामर्श, ईसीजी, शुगर व ब्लड प्रेशर की जाँच चयनित रोगियों के लिए ईको, टीएमटी, सोनोग्राफी,एक्सरे, मेमोग्राफी, पैप स्मीयर व रक्त जांच की जायेगी। सभी रोगियों को शिविर में नि:शुल्क दवाइयाँ उपलब्ध करवाई जाएगी। उन्होंने बताया कि चयनित रोगियों हेतु विशेष नि:शुल्क सर्जिकल सेवाएँ एवं लैंस सहित मोतियाबिंद ऑपरेशन,हर्निया, अपेंडिक्स, नाक-कान गला के सामान्य ऑपरेशन,दंत चिकित्सा, दाँत निकालना, सफाई, भटराव आदि,विशेष खून की जांचे,शुगर, कोलेस्ट्रॉल, लीवर, किडनी, थायराइड, यूटिक एसिड, यूटिया सी.बी.सी. सीटम पी. एस. ए.. यूटीन आदि नि:शुल्क की जायेगी। आयोजकों की ओर से सभी तरह के सामान्य ऑपेरशन को लाने जाने की सुविधा नि:शुल्क रहेगी। ईको व टीएमटी, सोनोग्राफी,एक्सरे, पैप स्मीयर, नि:शुल्क सामान्य खून की जांचे शुगर, कोलेस्ट्रोल, लीवर,किडनी, थायराइड, यूटिक एसिड, यूरिया आदि की जाचें नि:शुल्क की जायेगी।

सम्राट पृथ्वीराज चौहान जयंती पर हवन, यज्ञ, दुग्धाभिषेक, ध्वजारोहण से पखवाड़े का शुभारंभ, सन्तो का लगा जमावड़ा

बढ़ता राजस्थान

ब्यावर (विष्णु दत्त धीमान)। 24 मई को ज्येष्ठ मास की कृष्ण पक्ष की द्वादश सम्राट पृथ्वीराज चौहान जन्मोत्सव पर शनिवार प्रात: आशापुरा माता धाम में सम्राट की प्रतिमा पर दुग्धाभिषेक, के पश्चात ध्वजारोहण और दिव्य मंत्रोच्चारण से राष्ट्र के शत्रुओं के विनाश हेतु एवं गृह समृद्धि हेतु यज्ञ हवन किया गया।

कार्यक्रम प्रमुख सूरज प्रताप सिंह राजियावास ने जानकारी देते हुए बताया कि आज जयंती के अवसर पर सम्राट की प्रतिमा पर दुग्धाभिषेक, ध्वजारोहण कार्यक्रम के पश्चात पुष्कर कपालेश्वर महादेव के पीठाधीश महंत श्री श्री 1008 सेवानंद गिरी महाराज और विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय मंत्री उमाशंकर के पावन सानिध्य में विवाह सम्मेलन समिति के अध्यक्ष नेम सिंह चौहान सहित 21 जोड़ो ने यज्ञ हवन में भाग लिया। समिति के सह संयोजक विक्रान्त सिंह रावत ने बताया कि सम्राट पृथ्वीराज चौहान जन्मोत्सव समारोह समिति के तत्वावधान में हर वर्ष के भांति इस वर्ष भी बड़ी धूमधाम मगरे क्षेत्र हर गांव ढाणी में मनाया जायेगा हैं। कल 25 मई रक्तदान सिटी डिस्पेंसरी में रक्तदान शिविर कार्यक्रम आयोजित होगा, आज 24 मई से ही ग्रामोत्सव के रूप में गांव ढाणी में जयंती कार्यक्रम शुभारम्भ हुआ। जिसके अंतर्गत लगभग 618 ग्रामों तक गांव गांव पृथ्वीराज चौहान का जीवन संदेश पहुंचाया जाएगा। 5 जून को समापन कार्यक्रम आशापुरा माता धाम में विशाल जनसभा एवं चीता मेहरात हिन्दू मेरवाड़ा महासभा के द्धारा विवाह सम्मेलन के रूप में होगा। जिसमें मुख्य अतिथि राजस्थान की कैबिनेट मंत्री दीया कुमारी, मुख्य वक्ता विश्व हिंदू परिषद के मंत्री सुंधाशु पटनायक, अध्यक्षता केंद्रीय मंत्री उमाशंकर, विशिष्ट अतिथि राजस्थान सरकार केबिनेट मंत्री सुरेश सिंह रावत, केबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत, राजसमन्द सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ सहित और ब्यावर विधायक शंकर सिंह रावत, मसूदा विधायक वीरेंद्र सिंह कानावत और भीम विधायक हरी सिंह रावत की गरिमामय में उपस्थित रहेगी रहेगी। मगरे के क्षेत्र प्रमुख संतजनों का आशीर्वाद जन मानस को प्राप्त होगा। इस अवसर पर समिति परियोजना प्रमुख लक्ष्मीनारायण, समिति के अध्यक्ष राम सिंह बुटीवास, सहसंयोजक श्रवण सिंह धोलादांता, चीता मेहरात हिन्दू महासभा के पूर्व अध्यक्ष छोटू सिंह कानाखेड़ा, अजमाल सिंह काठात, वीरेंद्र सिंह चौहान, सोहन सिंह चौहान शेखावास, महेन्द्र शिशोदिया, प्रेम सिंह चीता, सज्जन सिंह ,अशोक सिंह खरेकड़ी, सहित कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहें।

15 जून को फादर्स डे पर होगा लव यू पापा कार्यक्रम

बढ़ता राजस्थान

उदयपुर (नि.स.)। बी योर्स और मिताली इवेंट्स के सयुंक्त तत्वावधान में शहर के एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी ऑडिटोरियम में 15 जून 2025 को शाम छह बजे फादर्स डे को समर्पित होगा लव यू पापा कार्यक्रम। आयोजन निदेशक श्रीमती मिताली जैन ने बताया कि पिता के प्रति कृतज्ञता रूप यह कार्यक्रम छह प्रारूपों में ऑनलाइन और लाइव आयोजित होगा जिसका फिनाले ईव दिनांक 15 जून को होगा। उन्होंने बताया कि राहड़ा फाउंडेशन, अजब सेवा संस्थान, श्री सक्षम सोसाइटी, जे एस जी समता की साझेदारी में आयोजित इस मल्टी टास्किंग इवेंट में सभी तरह की प्रतियोगिताओं में प्रवेश नि:शुल्क रहेगा। जैन ने बताया कि पच्चीस मई 2025 तक सभी प्रतियोगिताओं के रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित करवाने होंगे, उसके बाद रजिस्ट्रेशन नहीं होंगे। उन्होंने बताया कि विभिन्न प्रतियोगिताओं के तहत पिता के साथ मनपसंद गाने पर डांस कम्पटीशन (ऑनलाइन) , पिता को समर्पित एक भावपूर्ण गीत प्रतियोगिता (ऑनलाइन) , पिता की एक खूबसूरत फोटोग्राफी चौलेंज (ऑनलाइन) , पिता को समर्पित इंस्टाग्राम रील मेकिंग चौलेंज (ऑनलाइन) ,सुपर सिक्स क्रिकेट(लाइव), और फायरलेस कुकिंग कम्पटीशन (लाइव) के सभी तीन चयनित विजेताओं को स्वयं की प्रतिभा से पंद्रह जून को फिनाले में परिचित कराने का स्वर्णिम अवसर मिलेगा।

श्याम मंदिर में अपरा एकादशी पर दर्शनों के लिए भक्तों की मंगला आरती में उमड़ी भीड़

बढ़ता राजस्थान

हिंडौन सिटी (अंशु गुप्ता)। श्री श्याम मंदिरसेवा धाम मोहन नगर में अपरा एकादशी पर भक्तों की भीड़ उमड़ी मंदिर में बाबा श्याम का कई प्रकार के फूलों की मालाओं से श्रृंगार किया। मंदिर में सुबह मंगला आरती के दौरान भी काफी भीड़ रही। दूरदराज क्षेत्रों से डीजे के साथ पदयात्रा पहुंची। मंदिर के प्रवेश और निकास के लिए द्वार पर मंदिर कमेटी द्वारा गुब्बारे से इत्र की वर्षा की गई और मंदिर परिषद में कुलर भी लगाए गए । इस दौरान मंदिर मे श्याम बाबा के जयकारों से गूंज उठा। मंदिर के सभी मार्गों पर शाम तक श्रद्धालुओं की चहल पहल बनी रही। मंदिर के बाहर खेल खिलौने, प्रसाद की दुकानों पर जमकर भीड़ रही। श्रद्धालुओं ने श्याम बाबा, गिर्राजधरण औरराधा कृष्ण की छवि के दर्शन कर खुशहाली की मनौती मांगी। माँदर परिसर फूलों से भर गया, सेवादार लगातार सफाई में जुटे रहे। श्याम बाबा की प्रतिमा को कृष्णा शास्त्री संदीप तिवारी मोहित संघई मनीष जोशी ने भिन्न-भिन्न रंग केपुष्पों की मालाओं से सजाया।

भावा के पास अनियंत्रित ट्रैवल्स बस पलटी हादसे से में तीन लोगो की हुई दर्दनाक मौत, दो दर्जन से अधिक यात्री हुए घायल

बढ़ता राजस्थान

राजसमंद(सुरेश बागोरा)। जिले के कांकरोली थाने के भावा कर पास स्थित एक निजी ट्रैवल्स बस अनियंत्रित होकर पलट गई थी घटना में तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई जबकि दो दर्जन से अधिक यात्री घायल हो गए यह बस अहमदाबाद से भीलवाड़ा जा रही थी इस हादसे में मृतकों में से दो पुरुष व एक महिला बताया जा रहा है। हादसे को लेकर अफरा तफरी मच गई सूचना पर पहुंचे कांकरोली थाने के सीआई हंसाराम मय पुलिस जाप्ते ने क्रेन की मदद से श्री देव ट्रेवल्स को खड़ी करवाई गई वहीं अंदर से घायलों को बाहर निकाल कर 108 की मदद से आर के अस्पताल पहुंचाया गया बताएं कि ट्रेवल्स बस पलटने का कारण ड्राइवर को नींद आने की बताया जा रहा है मौके से ड्राइवर फरार हो गया सूचना पर रुपाखेड़ा टोल नाका सहित पुलिस मौके पर पहुंचे और बड़ी मुश्किल के साथ घायलों को आर के चिकित्सालय पहुंच है वही तीनों शवो को आर के अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए गए हैं पुलिस मामले को लेकर जांच कर रही है वहीं घायलों का आर के अस्पताल में उपचार चल रहा है बताएं कि एक की हालत गंभीर होने से उन्हें उदयपुर रेफर कर दिया है और घटना को लेकर मौके पर कई लोगों की भीड़ लग गई है।

हिंडौन में चल रहे मेगा ट्रेड फेयर में उमड़ रहे लोग, स्वामी ने मेले का अवलोकन किया

बढ़ता राजस्थान

हिंडौन सिटी (अंशु गुप्ता)। शहर वासियों के लिए मेगा ट्रेड फेयर चौपड सर्कल के पास राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल में चल रहा है। ट्रेडफेयर को आकर्षक बनाने के लिए देशभर से स्टॉल लगाई गई हैं। मेला आयोजन से जुड़े प्रवीण कुमार व अशोक सिंह ने बताया कि मेले में में खाने-पीने व मनोरंजन के साथ बच्चों के लिए झूले भी लगवाए गए हैं। एक ही छत के नीचे शहरवासियों को खरीदारी, मनोरंजन, झूले व खाने-पीने का आनंद उठाने का अवसर मिलेगा। स्थानीय व्यापारियों के साथ देश भर के व्यापारी अपने उत्पादों को प्रदर्शित कर रहे हैं।जिसका अवलोकन हिण्डौन क्षेत्र के प्रमुख निर्मल संत हरिद्रानंद सरस्वती महाराज ध्रुवघटा वालों ने किया। इस मेले में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेल, झूले, खाने-पीने के स्टॉल्स और हस्तशिल्प की दुकानें हैं जो स्थानीय लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण मनोरंजन का स्रोत बना हुआ है।मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेल, झूले, खाने-पीने के स्टॉल्स और हस्तशिल्प की दुकानें शामिल हैं जिसमें कपड़े, गहने, खिलौने, आदिमेले में लोगों को मनोरंजन करने के लिए विभिन्न प्रकार के खेल और झूले लगाए गए हैं।मेले में हस्तशिल्प की दुकानें भी हैं, जहाँ लोग विभिन्न प्रकार के हस्तशिल्प उत्पादों को खरीद रहे हैं।मेला स्थानीय लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण मनोरंजन का क्षेत्र बना हुआ है जिसमें भारी संख्या में लोग भ्रमण कर आनंद ले रहे हैं।

महात्मा गॉधी राजकीय विद्यालय साहवा की छात्राओं का किया सम्मान, 12 वीं कला वर्ग का रहा उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम

बढ़ता राजस्थान

साहवा (कृष्ण कुमार)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर द्वारा हाल ही में घोषित परीक्षा परिणामों में साहवा स्थित महात्मा गॉधी राजकीय विद्यालय की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय और कस्बे का नाम रोशन किया है। इस शानदार उपलब्धि के उपलक्ष्य में विद्यालय परिसर में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। शनिवार को हुए सम्मान समारोह की जानकारी देते हुए विद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक राजेश कलिया ने बताया कि अंग्रेजी माध्यम में संचालित होने के बावजूद विद्यालय में ग्यारहवीं और बारहवीं कला वर्ग की कक्षाएं हिंदी माध्यम में संचालित होती हैं, और इनमें केवल छात्राएं ही अध्ययनरत हैं। दो दिन पूर्व घोषित हुए परीक्षा परिणामों में छात्राओं ने शत-प्रतिशत सफलता अर्जित की है। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि निशा सांडेला ने 89.20 प्रतिशत, डिम्पल सोनी ने 83.80 प्रतिशत और सुनीता मेघवाल ने 80.20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है। समारोह की अध्यक्षता करते हुए नगर पालिका के चेयरमैन कर्मचंद नैण ने सभी सफल छात्राओं को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। विद्यालय के प्राचार्य केदारमल आसेरी ने विद्यालय टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम के साथ-साथ अनुशासन और संस्कार भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इस अवसर पर रूपनाथ भाटी, माल्टा कुमारी, केसरीचंद सोनी और मनीष कुमार शर्मा ने भी छात्राओं को संबोधित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए मंगलकामनाएं प्रेषित कीं। इस अवसर पर गौरीशंकर धेतरवाल, दलिप कुमार सैनी, लांछा, सलमा मिरासी, पुनीता उपाध्याय सहित विद्यालय के समस्त कार्मिक और अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन वरिष्ठ अध्यापक राजेश कलिया ने किया।

12वीं बोर्ड परीक्षा में निक्की ने लहराया सफलता का परचम

बढ़ता राजस्थान

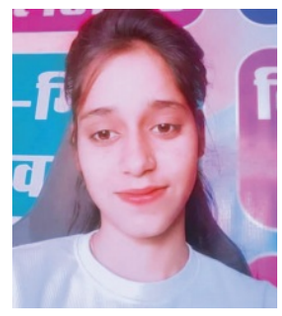

पावटा (सुशील कुमार बंसल)। हाल में आये कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के नतीजों में क्षेत्र के ग्राम सुजातनगर की ढाणी झालरावाली निवासी निक्की पुत्री राजेन्द्र यादव ने 92.40 प्रतिशत अंक हांसिल कर ना केवल सफलता का परचम लहराया है बल्कि अपने माता-पिता, गांव, परिवार, क्षेत्र व विधालय का नाम प्रदेश भर में रोशन किया है। निक्की ने यह सफलता गोवर्धनपुरा के एक निजी स्कूल में अध्ययन करते हुये प्राप्त की है। उनके पिता राजेन्द्र यादव एक सामान्य किसान, जबकि माँ सुभाषी देवी गृहणी हैं। अध्ययन के प्रति बेहद जुझारू निक्की का लक्ष्य भारतीय प्रशासनिक सेवाओं में जाना है। उन्होंने यह सफलता प्राप्त करने के लिये प्रतिदिन 3-4 घण्टे एवं परीक्षा के दिनों में 7-8 घण्टे अध्ययन किया। निक्की ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता व गुरूजनों समेत स्वयं द्वारा की गई मेहनत को देते हुये कहा कि विधार्थियों को बिना दबाव में आये लक्ष्य के प्रति ध्यान केन्द्रित कर प्रयास करने चाहिये। निक्की को अध्ययन के लिये हमेशा उनके माता-पिता ने प्रेरित किया और निरन्तर समर्पित रहकर मेहनत करने के लिये उत्साहवर्धन भी किया। निक्की की सफलता से उनके परिवार और गांव में खुशी की लहर है। निक्की की इस उपलब्धि ने साबित कर दिया है कि मेहनत और लगन से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। निक्की की सफलता आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणा का स्रोत होगी।

चूड़ सिद्ध महाराज की महिमा का गुणगान, प्रागपुरा में हवन पूजन और सत्संग का आयोजन

बढ़ता राजस्थान

पावटा (सुशील कुमार बंसल)। नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा क्षेत्र में पुलिस थाने स्थित प्रागपुरा में ज्येष्ठ कृष्ण की बारस के मौके पर जन जन की आस्था के प्रतिक चूडसिद्ध का हवन पूजन सत्संग का आयोजन हुआ। इस अवसर पर स्थानीय कलाकारों ने भगवान श्रीराम की महिमा का गुणगान किया और ग्रामीणों को उनकी दिव्य लीलाओं के बारे में बताया। कार्यक्रम संयोजक बाबूलाल सैनी ने बताया कि हवन में पूर्णाहुति के पश्चात बाबा के भोग लगाकर दोपहर में पंगत प्रसाद वितरण किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर पंगत प्रसाद ग्रहण किया। राजबाला सैनी ने बताया कि रात्रि में लोक कलाकारों द्वारा भगवान की प्रस्तुति कर विशाल जागरण और भजन कीर्तन का आयोजन किया गया। इस दौरान ग्रामीणों ने भगवान की भक्ति में लीन होकर भजन कीर्तन किया। इस धार्मिक आयोजन का उद्देश्य चूड़ सिद्ध महाराज की महिमा का गुणगान करना और ग्रामीणों को उनकी दिव्य लीलाओं के बारे में बताना था।

रात्रि चौपाल में हुआ आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर सांगानेर के अजयराजपुरा में हुआ आयोजन

बढ़ता राजस्थान

जयपुर,(का.स.)। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर जिले की सभी तहसीलों में रात्रि चौपालों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में सांगानेर के अजयराजपुरा में रात्रि चौपाल का आयोजन कर आमजन की परिवेदनाओं का प्रभावी एवं त्वरित निरस्तारण किया गया। इस दौरान 100 से अधिक धारा- 136 के तहत शुद्वि प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। अतिरिक्त जिला कलक्टर जयपुर प्रथम विनीता सिंह की अध्यक्षता में आयोजित रात्रि चौपाल कार्यक्रम में उपखण्ड अधिकारी सांगानेर श्री हिम्मत सिंह एवं पंचायती राज, विधुत विभाग, पीएचईडी, पीडब्ल्यूडी सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। रात्रि चौपाल में ग्राम पंचायत अजयराजपुरा के अलावा आस-पास के लगभग 10-12 गांव चिरोटा, जगन्नाथपुरा, भांकरोटा खुर्द इत्यादि के लगभग 250 से ज्यादा लोगों ने भाग लेकर अपनी पेयजल, विद्युत समस्या व अन्य समस्या बताई। पेयजल, विद्युत अन्य समस्याओं को संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर तुंरत समाधान करवाया गया।रात्रि चौपाल में मूल समस्या रिकॉर्ड शुद्धि को लेकर सामने आई जिसे लेकर काफी वर्षों से ग्रामीण लोग परेशान होते चले आ रहे थे। उक्त समस्याओं को मौके पर उपखण्ड अधिकारी श्री हिम्मत सिंह जी द्वारा सुना गया एवं 100 से अधिक धारा- 136 के तहत शुद्धि प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। ग्राम अजयराजपुरा से आये काश्तकार गोपाल पुत्र मोहरिया का जमाबंदी में नाम गलत नाम जिसे गोपाल पुत्र मोहरू कर तुरंत राहत प्रदान की साथ ही ग्राम जगन्नाथपुर के काश्तकार का नाम जमाबंदी में नाम सूरज करण पुत्र नाथू से सूरजमल पुत्र नाथूराम किया गया। मौके पर उपस्थित लोगों में रात्रि चौपाल को लेकर काफी हर्ष की लहर थी।रात्रि चौपाल में उपखण्ड अधिकारी श्री हिम्मत सिंह के साथ उप तहसीलदार बगरू, पटवारी, गिरदावर व अन्य पटवारीगण की टीम उपस्थित रही। उक्त रात्रि चौपाल कार्यक्रम में ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण की श्रीमती विनीता सिंह (एडीएम प्रथम) द्वारा उपखण्ड अधिकारी व उनकी टीम की सराहना की।

डीजे पर डांस कर हथियार लहराकर फायरिंग करने वाला अपराधी गिरफ्तार, फायरिंग में प्रयुक्त पिस्टल बरामद

बढ़ता राजस्थान

कोटपूतली (बिल्लूराम सैनी)। कोटपूतली के ग्राम पनियाला थाना पुलिस ने डीज पर डांस कर हथियार लहराकर फायरिंग करने वाले अपराधी को गिरफ्तार कर फायरिंग में प्रयुक्त पिस्टल को बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यन्त ने जानकारी देते हुये बताया कि पुलिस मुख्यालय व उच्चाधिकारियों द्वारा हथियार के साथ पोस्ट डालने, रील बनाकर आमजन में भय व्याप्त करने वाले अपराधियों के खिलाफ चलाये गये अभियान के तहत एएसपी वैभव शर्मा के सुपरविजन व डीएसपी राजेन्द्र कुमार बुरडक के निर्देशन में पनियाला थानाधिकारी मोहर सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन कर प्रकरण संख्या 162/2025 में वांछित मुल्जिम अशोक कुमार को जेल कोटपूतली से प्रोडक्शन वारण्ट प्राप्त कर पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर अनुसंधान किया गया। मुल्जिम के पास से डीजे पर डांस करते समय लहराने/फायरिंग करने में प्रयुक्त पिस्टल को भी बरामद किया गया।

उन्होंने बताया कि पनियाला में डीजे पर डांस करते समय आरोपी द्वारा हथियार (पिस्टल) लहराकर हवाई फायरिंग करने का एक विडियो वायरल होने पर आरोपी की पहचान कर थाना पनियाला पर 20 मई को प्रकरण सं. 162/2025 धारा 353 (1) (बी) बीएनएस व 25 (9), 5/25 आर्म्स एक्ट में पंजीबद्ध कर आरोपी अशोक कुमार (32) पुत्र अड़ीसाल गुर्जर निवासी पनियाला को गिरफ्तार किया गया।

हादसे के बाद जिला कलेक्टर के आदेश पर खनिज और परिवहन एवं पुलिस तीनों ने मिलकर जिले में एक मात्र ओवरलोडिग डंपर को किया जप्त

माइनिंग विभाग से आंख मिचोली करके निकल रहे हैं ट्रैक्टर

बढ़ता राजस्थान

राजसमंद (सुरेश बागोरा)। केलवा थाना क्षेत्र में बुधवार को ओवरलोडिंग मार्बल खंडो से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली पलटने से दो लोगों की मौत बाद प्रशासन हरकत में आया। वही जिले में चल रहे हैं अवैध खनन और ओवर लोडिंग वाहनों पर कलेक्टर जिला बालमुकुंद असावा ने अधिकारियों को फटकार के बाद खनिज और परिवहन विभाग ने क्षेत्र में ओवरलोडिग और बिना रॉयल्टी चलने वाले वाहनों पर कार्रवाई के लिए जगह-जगह नाकाबंदी की, लेकिन माफियों को भनक लगने से दिन भर सभी वाहन नदारद हो गए साथ ही केलवा चौपाटी पर सन्नाटा पसरा रहा। जहां जाम की स्थिति बनी रहती थी, वहां दो दिन से दिनभर सन्नाटा पसरा रहा। वही एक मात्र ओवरलोडिंग मार्बल ब्लॉक से भरे डंपर को खनिज विभाग ने पकड़कर चालान बनाया। वही कार्रवाई के बाद ट्रैक्टर और डंपर मालिकों में हड़कंप मच गया। कई व्यापारियों ने अपने भरे हुए वाहन संड़क किनारे खड़े कर करवा दिए। तो कई मालिकों ने कार्रवाई के डर से वाहन खाली करवा दिए।

गौरतलब है कि बुधवार सुबह11 बजे उमराया से उमठी मार्ग पर खनन क्षेत्र में मार्बल खड्डों से भरी ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से चालक सहित दो श्रमिकों की मौत हो गई। ओवरलोड ट्रैक्टर ट्रॉली ढलान पर अनियंत्रित होकर पलट गई थी वहीं राजस्थान पत्रिका ने 25 फरवरी को ओवरलोडिंग ट्रैक्टर ट्राली पलटी, एक युवक घायल बाइक क्षतिग्रस्त एवं सड़कों पर दौड़ रही मौत की खबर को प्रकाशित कर अधिकारियों को चेताया था। परंतु अधिकारियों ने अपनी जवाबदेही समझना उचित नहीं समझा।

सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज नही होता उत्पादन,परिवहन,एवं राजस्व : अवैध रूप से परिवहन होने वाले माल के उत्पादन एवं परिवहन सरकार के रिकॉर्ड में दर्ज नही होने से राजस्व का घाटा होने के साथ ही आगामी ठैका राशि का आंकलन भी प्रभावित होता हैं । साथ ही राजस्व के साथ डीएमएफटी,आरएसएमईटी फण्ड भी होता हैं ।

इनका कहना है

विभाग ने बिना रवन्ना के परिवहन करते हुए 15 मई को भी एक डम्पर को जब्त किया था वहीं 22 मई को ओवरलोडिंग डंपर को जप्त कर चालान काटा गया है। साथ ही ओवरलोडिंग वाहनों के खिलाफ अभियान चल रहा है।

ललित बाछरा एम ई खान एवं भू विज्ञान विभाग राजसमंद

अल्पर्ज़ क्लब की पहल : महिलाओं के उत्थान के लिए एप्प लॉन्च कर किया ब्यूटीफुल वॉक में नारी शक्ति का सम्मान

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। राजधानी जयपुर में एक यादगार शाम का अनुभव किया,जब अल्पर्ज़ क्लब का भव्य उद्घाटन समारोह उत्साह और गरिमा का आयोजन हुआ । इसमें अल्पर्ज़ क्लब का एप्प भी लॉन्च किया गया और प्रेजेंटेशन रोहन पूरी द्वारा दी गई। कार्यक्रम में सैकड़ों गणमान्य अतिथियों,फैशन और सामाजिक क्षेत्र की हस्तियों तथा उत्साही मेहमानों की उपस्थिति रही। इस आयोजन का नेतृत्व क्लब के संस्थापक किशोर गिठाला ने किया, जबकि आयोजन की संकल्पना और संचालन ताज़ा टॉक की सीईओ आंचल पुरी द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि पूनम खंगारोट और विशेष अतिथि %एनिमल% फेम अभिनेता केपी सिंह ने समारोह की गरिमा को चार चाँद लगाए। 'ब्यूटीफुल वॉक' में महिलाओं ने आत्मविश्वास, गरिमा और सुंदरता का प्रदर्शन कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह रैंप वॉक नारी सशक्तिकरण को समर्पित था और मदर्स डे को विशेष रूप से सम्मानित करने का माध्यम बना। जिसमें 31 महिलाओं को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में एसोसिएट पार्टनर शिवानी बैस, अनु गुप्ता, दीपक फ्लोरा और ब्रांड एम्बेसडर आस्था फ्लोरा (दिल्ली) एवं दीपम शर्मा (जयपुर) ने आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्पेशल गेस्ट के रूप में राज शर्मा, लता चटनानी, जागृति चटनानी, गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में अंजली सुनेजा, पूजा शर्मा, डॉ. प्रज्ञा, कविता शर्मा और रजनीश चोपड़ा मंच पर उपस्थित रहे, वहीं स्पेशल गेस्ट की सूची में गंगोत्री चौहान, वैभवी प्रकाश, मेजर ऋषि अग्रवाल, राधेश्याम गुप्ता, एम.एस. कुरैशी, नारायण लाल अग्रवाल, पवन गोयल, तारा शंकर गर्ग, चंद्रा और डॉ. पारस चौधरी जैसे प्रमुख नाम शामिल थे। इस सफल आयोजन में प्राची शर्मा, डॉ. श्रद्धा आर्या, आर्किटेक्ट दीपक रावत, अधिवक्ता अंजू खिरिया, डॉ. रचना सारस्वत , मीना व्यास, रेनू जिंदल और गुंजन भगवानी समेत अन्य विशिष्ट अतिथियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। यह आयोजन बड़े जोरों शोरों से किया गया और सभी तरीके के बिजनेस प्रसेंस इसमें सम्मिलित थे जैसे ताज़ा टॉकस , इमेजिका स्कूल , जय जननी संस्थान, चेतन एडवरटाइजिंग और आर एस सर्विसेस, आर सी बाजार एलीगेटर ने इस आयोजन को सशक्त समर्थन दिया। गिफ्टिंग पार्टनर इसमें रहे सुकू सेक्रेट्स वी के हैंडीक्राफ्ट्स! यह कार्यक्रम न केवल एक क्लब के उद्घाटन का अवसर था, बल्कि नारी शक्ति, सौंदर्य और सामाजिक एकजुटता का उत्सव भी था।अल्पर्ज़ क्लब ने इस आयोजन के माध्यम से यह स्पष्ट कर दिया है कि यह मंच आने वाले समय में सामाजिक, सांस्कृतिक और उद्यमिता के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

पुलिस कांस्टेबल ने दिया ईमानदारी का परिचय, जेवरात सहित नकदी से भरा गिरा पर्स महिला यात्री को लौटाया

महिला यात्री का भरा पर्स गांधी नगर रेलवे स्टेशन पर गिर गया था

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। बजाज नगर थाना इलाके में स्थित गांधी नगर रेलवे स्टेशन पर एक महिला यात्री का सोने—चांदी के जेवरात सहित नकदी से भरा पर्स गिर गया। प्लेटफॉर्म पर गश्त कर रहे पुलिस कांस्टेबल ने पर्स मिलने पर महिला यात्री को ढूंढकर ईमानदारी का परिचय दिया। महिला यात्री ने पर्स देने वाले जीआरपी थाने के कांस्टेबल का आभार जताया। एएसआई जगदीश चौधरी ने बताया कि गांधी नगर रेलवे स्टेशन पर भरतपुर निवासी सुनीता शर्मा शनिवार सुबह ट्रेन पकड़ने आई थी। जयपुर से भरतपुर जाने के लिए वह प्लेटफॉर्म पर बैठकर ट्रेन का इंतजार करने लगी। इस दौरान उनका सोने—चांदी के जेवरात सहित नकदी से भरा पर्स प्लेटफॉर्म पर गिर गया। प्लेटफॉर्म ड्यूटी पर गश्त कर रहे कांस्टेबल रामप्रसाद को लावारिस हालत में पर्स पड़ा मिला। जहां कांस्टेबल रामप्रसाद ने पर्स को चैक किया,जिसमें सोने के दो कड़े,दो झुमकियां, 5 हजार 700 रुपए,मोबाइल व दवाइयां रखी मिली। पर्स में रखे मोबाइल के जरिए सम्पर्क निकाल महिला यात्री को ढूंढकर पर्स लौटाया। पर्स मिलने पर महिला यात्री सुनीता ने कांस्टेबल रामप्रसाद की प्रशंसा करने के साथ ही धन्यवाद दिया।

सरपंच दस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की हनुमानगढ़ टीम ने शनिवार को कार्रवाई करते हुए ग्राम पंचायत मोकलसर पंचायत समिति सूरतगढ़ जिला श्रीगंगानगर के सरपंच गणेशाराम गोदारा को प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि स्वीकृत करवाने की एवज दस हजार रूपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि एसीबी हनुमानगढ़ टीम को परिवादी ने शिकायत दी कि उसके पिता के नाम प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि स्वीकृत करवाने की एवज में सरपंच गणेशाराम 12 हजार रूपये की रिश्वत की मांग रहा है। जिस पर एसीबी हनुमानगढ़ की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुधा पालावत के नेतृत्व में ट्रेप की कार्रवाई करते हुए सरपंच गणेशाराम गोदारा को दस हजार रूपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है।

आज होगा पूर्व सैनिकों की तिरंगा रैली का आयोजन

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। ऑपरेशन सिंदूर के उपलक्ष्य में सैनिक कल्याण विभाग की ओर से जयपुर में पूर्व सैनिकों की तिरंगा रैली का आयोजन किया जाएगा। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल जयदेव सिंह राठौड़ ने बताया कि रविवार को शाम 4 बजे से क्रींस रोड स्थित विजय द्वार से चित्रकूट तक आयोजित होने वाली तिरंगा रैली में हजारों की संख्या में गौरव सैनानी, पूर्व सैनिक एवं उनके परिजन शिरकत करेंगे।उन्होंने बताया कि सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़ सहित अन्य गणमान्य तिरंगा रैली के दौरान पूर्व सैनिकों का उत्साह बढ़ाएंगे।

आरआईएसई (रैपिड इम्यूनाईजेशन स्किल एनहंसमेंट) कार्यशाला का आयोजन

बढ़ता राजस्थान

कोटपूतली(बिल्लूराम सैनी)। कोटपूतली कस्बे के राजकीय सरदार जनाना अस्पताल में बीसीएमओ डॉ. पूरण चन्द गुर्जर के नेतृत्व में ब्लॉक स्तर पर आरआईएसई (रैपिड इम्यूनाईजेशन स्किल एनहंसमेंट) कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य टीकाकरण कार्यक्रम के कवरेज, समानता व गुणवत्ता में सुधार लाना है। इसमें वैक्सीन का रखरखाव किस तरीके से होता है, बच्चों के वैक्सीन कैसे लगाई जाती है, वैक्सीनेशन से पहले क्या तैयारियां की जाती है एवं अन्य सभी प्रकार के मॉडयूल एप पर उपलब्ध है। सीएमएचओ डॉ. आशीष सिंह शेखावत ने टीकाकरण की समीक्षा करते हुये बताया कि ब्लॉक कोटपूतली का टीकाकरण 82 प्रतिशत है जो कम से कम 95 प्रतिशत होना चाहिये। उन्होंने एनसीडी कार्यक्रम की प्रगति में सुधार करने के निर्देश प्रदान किये। जहां भी सुधार नहीं होगा उन अधिकारी/कर्मचारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश प्रदान किये। आरसीएचओ डॉ. अरविन्द अग्रवाल, डीएनओ रविकान्त जांगिड़ ने आरआईएसई एप के बारे में जानकारी दी। आरआईएसई एप का प्रशिक्षण चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. दिलीप पंवार व डॉ. अनिल यादव द्वारा दिया गया।

प्रशिक्षण में बताया कि आईआईएसई एप को प्ले स्टोर से डाउनलोड कर आई.डी. एवं पासवर्ड से लॉगिन करेंगे, उसके बाद मॉड्यूल स्टार्ट होंगे मॉडयूल को पढना है। विडियो को देखकर पूछे गये प्रश्न का जवाब देना होगा, यदि 70 प्रतिशत से कम अंक आने पर प्रमाण पत्र जारी नहीं होगा। ब्लॉक स्तर से बीपीओ विजय तिवाड़ी, बीएनओ प्रेम प्रकाश सैनी ने टीकाकरण, 12 सप्ताह में एएनसी पंजीकरण, एएनसी की चार जाँचे, शिशु मृत्यु एवं एनसीडी कार्यक्रम की समीक्षा की। इस दौरान ब्लॉक कोटपूतली के समस्त एमओआईसी, नर्सिंग स्टॉफ, एलएचवी, एएनएम, सीएचओ आदि मौजूद रहे।

समर कैंप में सिखाया जा रहा है छात्र-छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। राजधानी जयपुर में इन दिनों रोटरी क्लब जयपुर की ओर से कई विद्यालयों में समर कैंप का आयोजन कर छात्र —छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाया जा रहा है। जिसमे रोटेरियन डॉक्टर पल्लवी सिंघवी ,चेयरपर्सन,रोटरी सेल्फ डिफेंस अकादमी, शिहान हेमंत कुमार,सेंसई इंदिरा कुमारी और उनकी टीम ने बच्चों को शारीरिक एव गैर शारीरिक आत्मरक्षा तकनीकों के बारे में विस्तार से भी समझाया जा रहा है। क्लब अध्यक्ष रोटेरियन गिरधर माहेश्वरी ने बताया कि कार्यशाला में पल्लवी सिंघवी ने बच्चों को गुड टच -बेड टच के बारे में समझाते हुए कहा कि किस तरह उन्हें हमेशा हर जगह हर व्यक्ति के साथ हर परिस्थिति में सतर्क रहना चाहिए और चिल्लाते हुए वहां से भाग जाना चाहिए । वहीं सिहान हेमंत कुमार,सुंदर लाल एवं विकास जांगिड़ सहित उनकी टीम ने खुद की रक्षा करने के लिए सक्षम बनाए ।

ग्रीष्मकालीन कौशल विकास एवं अभिरुचि शिविर लगातार जारी

बढ़ता राजस्थान

कोटपूतली(बिल्लूराम सैनी)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट और गाइड स्थानीय संघ कोटपूतली के तत्वावधान में आयोजित ग्रीष्मकालीन कौशल विकास एवं अभिरुचि शिविर में शनिवार को ध्वजारोहण कर शिविर निदेशक मनोरमा यादव ने शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि कोटपूतली में स्काउट गाइड के तत्वावधान में आयोजित किये जा रहे अभिरुचि शिविर से बालकों को न केवल सीखने का मौका मिल रहा है बल्कि सर्वांगीण विकास हो रहा हैं बालक इस अभीरुचि शिविर के माध्यम से अपने कौशल का विकास कर रहे हैं । स्थानीय संघ के प्रभारी एडीसी एवम सीबीईओ भागीरथ सिंह मीणा ने बताया कि शिविर में 150 बालक बालिकाएं प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। अवकाश के समय का सदुपयोग करते हुए ये सभी बालक बालिकाएं अपनी अपनी अभिरुचियों को निखार रहे हैं। शिविर में इंग्लिश स्पोकन, पेंटिंग, हारमोनियम वादन, कम्प्यूटर, मेहंदी, सिलाई, ब्यूटीशियन, जूडो कराटे, योग आदि विषयों का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। शिविर निदेशक मनोरमा यादव ने 25 मई से आने वाले नौतपा को देखते हुए बालकों को इससे बचाव के तरीके बताए वहीं शिविर स्टाफ को भी शिविर समय में दोपहर 10.30 बजे तक बालकों को छोड़ने हेतु निर्देश दिए।

इस अवसर पर शिविर संचालक अतुल कुमार आर्य, जयसिंह , पप्पू यादव, दिग्विजय सिंह, देवराज कुमावत, संदीप जांगिड़ राजकुमार पालीवाल, सुरेंद्र सैनी, रजत सैनी , शबनम,फरीन, सहित दक्ष प्रशिक्षक उपस्थित रहे। मंच संचालन असिस्टेंट लीडर ट्रेनर स्काउट सीताराम गुप्ता ने किया।

OFFICE OF GRAM PANCHAYAT PALASARA P. S. PIPRALI (SIKAR)

No:Epro./18 Date: 19.05.2025

Notice Inviting Bid

Bids for Rate Contract for Supply of Construction Material for MGNREGA and other schemes in Gram Panchayat Palasara for the year 2025-26 are invited from interested bidders upto 02.06.2025 time 06.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in or https://eproc.rajasthan.gov.in) of the state.

NIB PIV2526A0043

UBN: PIV2526GLRC00044

Sarpanch Village Development Officer

G. P. Palasara G. P. Palasara

सम्पादकीय

छोटी कार की बड़ी समस्या

यात्री वाहन बाजार की बदलती तस्वीर इस बात का सटीक उदाहरण है कि कोविड के बाद देश में आर्थिक सुधार की प्रक्रिया दो एकदम विपरीत दिशाओं में चल रही है। अधिक महंगे और ज्यादा कर वाले स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल्स (एसयूवी) की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2024-25 में बिके कुल यात्री वाहनों में 50 फीसदी से अधिक रही। इनकी बिक्री और भी बढ़ने की संभावना है। मगर उस वित्त वर्ष में छोटी कारों की बिक्री केवल दो फीसदी बढ़ी। देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजूकी से भी संकेत लिया जा सकता है। वित्त वर्ष 2025 में कारों की देसी बिक्री 2.6 फीसदी बढ़ी मगर छोटी कार (जिनकी लंबाई 4 मीटर से कम होती है और इंजन 1,200 से 1,500 सीसी का होता है) की बिक्री 9 फीसदी घट गई। टाटा मोटर्स और ह्युंडै की छोटी कारें 3 फीसदी कम बिकीं। बाजार में इस बदलाव के अर्थव्यवस्था पर असर होंगे। वाहन उद्योग देश के विनिर्माण क्षेत्र के करीब आधे सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) और कुल जीडीपी के 7 फीसदी के बराबर योगदान करता है। यह बाजार आम तौर पर छोटी कारों से ही चलता है। कार बाजार के जानकारों का कहना है कि लोगों की आय ठहर जाने के कारण छोटी कारों की बिक्री घटी है। देश में सालाना 12 लाख रुपये से अधिक आय वाले केवल 12 फीसदी परिवार हैं। मारुति के चेयरमैन आर सी भार्गव कहते हैं कि 88 फीसदी परिवार कार बाजार से बाहर हैं। वह नियमों के कारण बढ़ते खर्च की बात भी करते हैं और कहते हैं कि छह एयरबैग लगाए जाने और कर बढ़ाए जाने से भी छोटी कार बाजार से बाहर हो रही हैं। वाकई आज ऐसी कोई छोटी कार नहीं है, जिसकी कीमत 3 लाख रुपये से कम हो और जिसे घर लाने के लिए 4 लाख रुपये के कम चुकाने पड़ते हों। बहरहाल कई कारक दबी मांग की ओर भी इशारा कर रहे हैं, जो कीमत और आय की बाड़ लांघ सकती है। सबसे पहले तो एसयूवी ग्राहकों में उनकी संख्या बढ़ रही है, जो पहली कार खरीदने आए। पहले ऐसे ग्राहक छोटी कार ही खरीदते थे। इससे पता चलता है कि छोटी कारें हमेशा से चली आ रही बढ़त खो रही हैं। दूसरी बात, पिछले वित्त वर्ष में दोपहिया वाहनों का बाजार बढ़ा, जिसका मतलब है कि वाहन खरीदने वाले अब भी कीमत को तवज्जो देते हैं। तीसरी बात, सेकंड हैंड कारों का बाजार भी तेज दौड़ रहा है, जहां छोटी कारों और सिडैन का बोलबाला है। इससे पता चलता है कि कार कंपनियां लंबे समय तक ऐसे बाजार में गाड़ी बेचती रहीं, जहां अधिक विकल्प ही नहीं थे। मगर अब ग्राहकों को छोटी कारों के बाजार तक लाने के लिए उन्हें कुछ नया सोचना होगा। सच में ह्युंडै के टॉल-बॉय मॉडल और टाटा मोटर्स की नैनो के अलावा इस बाजार में कुछ नया हुआ ही नहीं है। दूसरे उद्योगों से सीखना चाहिए। बेहद कम मार्जिन पर चलने वाले विमानन उद्योग ने बाजार बढ़ाने के लिए किफायती किराये और डायनैमिक प्राइसिंग का हुनर सीख लिया। उपभोक्ता उत्पाद कंपनियां समझ गईं कि छोटे पैक (जैसे शैंपू के सैशे) या कुछ नया मिलाने (आयोडीन युक्त नमक) से कम आय वाले उपभोक्ता आ सकते हैं, जो वैसे इन उत्पादों से दूर रहते। कॉल में प्रति सेकंड बिलिंग और कंपनी का कनेक्शन लेने पर साथ में मिल रहे हैंडसेट ने मोबाइल टेलीफोन की सूरत ही बदल दी। कार बाजार में बिल्कुल ऐसा दोहराना तो संभव नहीं है मगर वहां आ रही समस्याओं को चुस्ती से हल करें तो मांग में ठहराव की चिंता को दूर किया जा सकता है। इस लिहाज से करों के बारे में शिकायत में कुछ दम दिखता है। जिस उद्योग को प्रमुख आर्थिक संकेतक माना जाता है, उस उद्योग में छोटी कारों को विलासिता की वस्तु मानना और उन पर 29 से 31 फीसदी कर लगाना कहीं से भी सही नहीं है। कर में कमी से इस बाजार का ठहराव कम हो सकता है मगर कार निर्माताओं को अपनी नीतियों पर भी विचार करना होगा।

आज का इतिहास

बढ़ता राजस्थान

25 मई की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

- मुगल शासक जहांगीर ने 1611 में महरून्निसा से निकाह किया, बाद में इनका नाम नूरजहां पड़ा।
- यात्रियों को लेकर जा रहा स्टीमर 'सर जॉन लॉरेंस' 1877 में उड़ीसा तट के पास डूबा।
- जावा में 1919 में केलट ज्वालामुखी फटने से 16 हजार से भी अधिक लोगों की मौत हुई।
- अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ केनेडी ने 1961 में अंतरिक्ष अभियान शुरु करने के लिए वित्तीय मदद की घोषणा की।
- अफ्रीकी इतिहास में 1963 में पहली बार 32 अफ्रीकी देशों ने मिलकर अफ्रीकन यूनियन नाम संगठन बनाया।
- बोइंग कंप्यूटर सविर्स की स्थापना 1970 में की गई।
- बांग्लादेश में 1985 को आए तूफान में 10 हजार लोगों की मौत हुई।
- अमेरिकी वैज्ञानिकों को 1995 को पहली बार जीवित जीव के डी.एन.ए. को डीकोड करने में सफलता मिली।
- परमाणु परीक्षणों के कारण भारत पर 1998 में प्रतिबंध न लगाने के लिए यूरोपीय संघ के सभी 15 सदस्य देश सहमत।
- चिली ने 2003 में पहली बार विश्व कप टेनिस ख़िताब जीता।
- नासा ने जीओईएसएन नामक मौसम उपग्रह अंतरिक्ष में रवाना किया। संयुक्त राज्य अमेरिका ने पोत आधारित इंटरसेप्टर मिसाइल का सफल परीक्षण 2006 में किया।
- श्रीलंका की सरकार ने तमिल शरणार्थियों की नागरिकता पर 2007 में सैद्धांतिक अनुमति दी।
- अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के द्वारा भेजा गया एक रोबोट मंगल ग्रह पर 2008 में आज ही के दिन पहुंचा था।
- जापान के 80 वर्षीय युईशिरो मिउरा 2013 में माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाले दुनिया के सबसे अधिक उम्र के व्यक्ति बने।

25 मई को जन्मे व्यक्ति

- प्रसिद्ध उर्दू शायर दाग़ देहलवी का जन्म 1831 में हुआ।
- प्रख्यात वकील और शिक्षाविद रास बिहारी बोस का जन्म 1886 में हुआ।
- बंगाल के विद्रोही कवि काजी नजरूल इस्लाम का जन्म 1899 में हुआ।
- इतालवी राजनीतिज्ञ एनरिको बर्लिंगर का जन्म 1922 में हुआ।

25 मई को हुए निधन

- जाने-माने शिक्षाविद् और कलकत्ता विश्वविद्यालय के कुलपति आशुतोष मुखर्जी का निधन 1924 में हुआ।
- त्रिनिदाद और टोबैगो के पूर्व प्रधानमंत्री बासदियो पांडेय का निधन 1933 में हुआ।
- हिन्दी सिनेमा के प्रसिद्ध संगीतकार लक्ष्मीकांत का निधन 1998 में हुआ।
- हिन्दी फ़िल्म अभिनेता एवं राजनीतिज्ञ सुनील दत्त का निधन 2005 में हुआ।

विशेष आलेख

क्या शशि थरूर भी कॉन्ग्रेस को "बायबाय" कहने के लिए बाध्य होंगे?

गाँधी परिवार के वफ़ादार कॉन्ग्रेसी अब पार्टी के अंदर इस बात पर गुस्से का इजहार कर रहे हैं कि आखिर क्यों शशि थरूर को केन्द्र ने बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बनाया? शशि थरूर को केन्द्र सरकार ने विदेश भेजे जा रहे डेलिगेशन का नेतृत्व करने के लिए चुना है। उनका ग्रुप अमेरिका, पनामा, गुयाना, ब्राजील और कोलंबिया जाएगा। दरअसल, कॉन्ग्रेस के खफ़ा होने की वजह ये है कि बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल के लिए कॉन्ग्रेस पार्टी द्वारा सुझाए गए नामों में थरूर शामिल नहीं था। कॉन्ग्रेस ने आनंद शर्मा, गौरव गोगोई, नासिर हुसैन और राजा बरार के नाम भेजे थे।

रामस्वरूप रावतसरे

कॉन्ग्रेस सासद शाश थरूर अब कॉन्ग्रेस में बेवजह गुस्से का शिकार हैं। उनका अपराध यह है कि थरूर ने वैश्विक स्तर पर भारत के आतंकवाद विरोधी रुख को स्पष्ट करने और ऑपरेशन सिंदूर के बारे में बताने के लिए सांसदों के एक बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए मोदी सरकार के निमंत्रण को स्वीकार कर लिया।

कॉन्ग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 17 मई 2025 को कहा कि कॉन्ग्रेस पाकिस्तान से आतंकवाद पर भारत के रुख को स्पष्ट करने के लिए विदेश जा रहे सांसदों के रूप में अपने दिए गए चार सांसदों के नाम नहीं बदलने जा रही है। जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि औपचारिक रूप से चार नाम दिए जाने के बावजूद सरकार ने उनमें से अधिकांश को नजरअंदाज कर दिया, जिससे संसदीय परंपराओं, विपक्ष-सत्तारूढ़ दल के बीच विश्वास को ठेस पहुँचा। जानकारी के अनुसार केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने केंद्र सरकार की ओर से कॉन्ग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गाँधी से संपर्क किया और बहुदलीय संसदीय दल में शामिल होने के लिए पार्टी से चार नामों का अनुरोध किया। राहुल गाँधी ने उसी दिन दोपहर से पहले वरिष्ठ नेताओं आनंद शर्मा, गौरव गोगोई, नासिर हुसैन और राजा बरार का नाम भेजा। इस पर जयराम रमेश ने कहा, सरकार ने कॉन्ग्रेस द्वारा सुझाए गए नामों में से केवल आनंद शर्मा को चुना और मामले का राजनीतिकरण किया। शशि थरूर का पार्टी से पहले राष्ट्र को प्राथमिकता देना और स्वतंत्र राय रखना कॉन्ग्रेस पार्टी को नागवार गुजर रहा है। कॉन्ग्रेस पार्टी ने भले ही शशि थरूर पर सीधे तौर पर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की ओर झुकाव रखने का आरोप नहीं लगाया है, लेकिन भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) ने उन्हें 'बीजेपी स्लीपिंग सेल' कहा है। जानकारों की माने तो कॉन्ग्रेस हाईकमान थरूर को पार्टी से निकालने पर विचार कर रहा है। हालाँकि कॉन्ग्रेस ने इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। अब सवाल यह उठता है कि कॉन्ग्रेस पार्टी अपने उन नेताओं को क्यों नजरअंदाज करती है? जो मूल रूप से 'दरबारियों' की तरह काम नहीं करते हैं और बौद्धिक स्वतंत्रता बनाए रखना पसंद करते हैं। क्या यह इस डर की वजह से है कि ऐसे मजबूत नेता गाँधी परिवार को पीछे छोड़ सकते हैं या पार्टी में समानांतर सत्ता बना सकते हैं? शशि थरूर की जगह राहुल गाँधी के वफ़ादार गौरव गोगोई को चुनना, क्या उचित है? गाँधी परिवार के करीबी न होने के बावजूद शशि थरूर न केवल विदेशी मामलों में विशेषज्ञता रखने वाले अहम सासंद हैं, बल्कि संसद की विदेश मामलों की स्थायी समिति के अध्यक्ष भी हैं। कॉन्ग्रेस पार्टी द्वारा दरकिनार और अपमानित किए जाने के बावजूद शशि थरूर ने हार नहीं मानी। उन्होंने कहा कि वे अपनी सौंपी गई जिम्मेदारियों को पूरी लगन से निभाएँगे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पार्टी नेतृत्व को अपनी राय रखने का अधिकार है, लेकिन उनकी प्रतिबद्धता अटल है। कॉन्ग्रेस की अधीनता के बजाए थरूर ने राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देने का फैसला किया और संदेश दिया कि वह 'आसानी से अपमानित' नहीं होंगे। हालाँकि कॉन्ग्रेस ने थरूर का नाम नहीं भेजा, जबकि वे संयुक्त राष्ट्र के पूर्व राजनयिक हैं और इस कार्य में उनकी विशेषज्ञता है। यह स्पष्ट हो गया कि थरूर की बौद्धिकता, वाकपटुता और स्वतंत्र सोच पार्टी आलाकमान, खासकर गाँधी परिवार को पसंद नहीं है। पार्टी आलाकमान के करीबियों को ही यहाँ प्राथमिकता दी जाती है। कॉन्ग्रेस का ये दृष्टिकोण कोई नया नहीं है। कॉन्ग्रेस पार्टी में गाँधी परिवार के प्रति वफ़ादारी हमेशा योग्यता पर भारी रही है। कॉन्ग्रेस पार्टी के कई वरिष्ठ और मजबूत नेताओं को सिर्फ इसलिए हार का सामना करना पड़ा क्योंकि उन्होंने गाँधी परिवार की अवहेलना करने की जुर्रत की और विभिन्न मुद्दों पर स्वतंत्र राय व्यक्त करने का साहस किया। हाल के वर्षों में शशि थरूर को लगातार अपनी ही पार्टी द्वारा निशाना बनाया गया, दरकिनार किया गया और अपमानित किया गया। जानकारों की माने तो नवंबर 2022 में, थरूर को गुजरात और हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनावों के लिए स्टार प्रचारकों की सूची में जगह नहीं दी गई थी। लगभग उसी समय केरल कॉन्ग्रेस ने थरूर से खुद को दूर कर लिया था और कोझीकोड में एक आरएसएस विरोधी सेमिनार की मेजबानी करने से पीछे हट गई थी, जहाँ कॉन्ग्रेस सांसद को अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। उस समय ऐसी खबरें आई थीं कि कॉन्ग्रेस नेतृत्व ने पार्टी की स्थानीय इकाइयों को शशि थरूर का कोई भी कार्यक्रम आयोजित न करने का अनाधिकारिक आदेश दिया था। फरवरी 2025 में शशि थरूर ने पार्टी में अपनी भूमिका को लेकर असंतोष जताया था। उन्होंने पार्टी में दरकिनार किए जाने और संसद के अंदर प्रमुख बहसों में भाग लेने का अवसर न दिए जाने पर रोष व्यक्त करने के लिए राहुल गाँधी से मुलाकात की थी। हालाँकि, थरूर संतुष्ट नहीं हुए। थरूर का असंतोष ऑल इंडिया प्रोफेशनल कॉन्ग्रेस (एआईपीसी) के प्रभार से हटाए जाने से भी पैदा हुआ। कॉन्ग्रेस पार्टी भी थरूर से तब से नाराज है, जब उन्होंने पार्टी के आधिकारिक रुख से हटकर प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिका यात्रा की प्रशंसा की थी। पीएम मोदी की ट्रंप से मुलाकात के बारे में थरूर ने कहा, मुझे लगता है कि यह बहुत अच्छा नतीजा है, क्योंकि अन्यथा, डर था कि वाशिंगटन में जल्दबाजी में कुछ फैसले लिए जा सकते हैं, जिससे हमारे निर्यात पर असर पड़ता।

भर्ती में समानता की वापसी सामाजिक-आर्थिक बोनस अंकों पर हाईकोर्ट की सख्ती

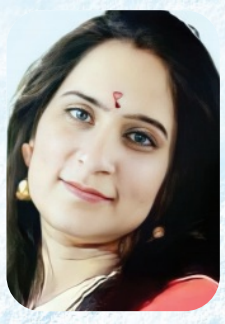

प्रियंका सौरभ

भारतीय लोकतंत्र का मूल मंत्र है - समान अवसर। लेकिन जब अवसरों की तुलना में विशेष सुविधाएं या बोनस अंक बांटे जाएं, तो यह उस मूल भावना को ही चोट पहुंचाता है। हाल ही में पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने एक ऐतिहासिक निर्णय में भर्ती प्रक्रियाओं में सामाजिक-आर्थिक आधार पर दिए जा रहे अतिरिक्त अंकों (बोनस मार्क्स) को अवैध ठहराया और उन्हें रद्द करने का आदेश दिया। यह फैसला केवल एक कानूनी निर्देश नहीं, बल्कि उन हजारों युवाओं की उम्मीदों का न्यायिक जवाब है जो केवल मेरिट के आधार पर अपना हक मांग रहे थे।

भारतीय प्रशासनिक ढांचे में सामाजिक न्याय को एक महत्वपूर्ण स्थान मिला है, लेकिन इसके नाम पर समय-समय पर ऐसे कदम उठाए जाते हैं जो समानता की भावना से टकराते हैं। हरियाणा सरकार द्वारा 2019 में सामाजिक-आर्थिक आधार पर 10 अतिरिक्त अंक देने की नीति इसी प्रकार का निर्णय था। यह नीति उन अभ्यर्थियों को लाभ देती थी जो या तो अनाथ हैं, विधवा मां के पुत्र हैं, परिवार में सरकारी नौकरी नहीं है आदि। यद्यपि यह नीति सहानुभूति के आधार पर प्रेरित थी, लेकिन इससे मेरिट के सिद्धांत को गहरी चोट पहुंची। कई योग्य अभ्यर्थी जिन्होंने परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था, वे इस बोनस सिस्टम के कारण बाहर हो गए।

संघर्ष की आवाज : जो गला फाड़कर भी सुना नहीं गया : जब कोई छात्र 90 में से 90 अंक लाकर भी चयन से वंचित रह जाए, तो यह सिर्फ परीक्षा की असफलता नहीं, सिस्टम की विफलता होती है। और जब यह गड़बड़ी साफ दिखती हो लेकिन सब चुप हों - तो यह चुप्पी भी अपराध की साझेदार होती है। उस समय बहुतों ने सवाल नहीं उठाए, लेकिन कुछ लोगों ने आवाज़ बुलंद की। मैंने बोल-बोलकर अपना गला फाड़ लिया था कि यह सामाजिक-आर्थिक बोनस अंक प्रणाली असंवैधानिक है, और यह फैसला एक दिन पलटेगा - और उस दिन हजारों ज़िंदगियाँ प्रभावित होंगी। लेकिन उस समय वोट बैंक की राजनीति ने सबकी आंखों पर पर्दा डाल दिया।

जो चयनित हुए, वे भी प्रताड़ित हुए, और जो नहीं हुए वे भी - सबको सज़ा मिली : मैंने सबसे पहले इस नीति पर संपादकीय लिखे। विरोध सहा, लेकिन बोलती रही। क्योंकि जानती थी - यह फैसला सबको ले डूबेगा। आज जब कोर्ट ने इस पर रोक लगाई है, तो वे बच्चे जीत गए हैं - जिन्होंने सालों तक नौकरी के अधिकार से वंचित होकर लड़ाई लड़ी। लेकिन जो चयनित होकर सेवा दे रहे थे - उनका क्या दोष? वे भी बलि चढ़ा दिए गए।

इस पूरी त्रासदी की जड़ है - वोट बैंक की घटिया राजनीति। पहले सहानुभूति के नाम पर नीतियां बनाईं, अब उनका खामियाज़ा भुगतने के लिए निर्दोष युवा छोड़ दिए। बागड़ बिल्लों का तो आज भी कुछ नहीं बिगड़ा - जो भी भुगते, सिर्फ आम छात्र। जो आज अधिकार लेकर खड़े हैं - उन्होंने वो अधिकार लड़कर लिया है, भीख में नहीं। अब सवाल यह है कि उन कर्मचारियों का क्या होगा जो कोर्ट के फैसले के कारण बाहर होंगे? क्या उन्हें कोई पुनर्वास मिलेगा? क्या यह सिस्टम उनसे माफी मांगेगा? गलत का परिणाम गलत ही होता है - और सही का सही। देर-सवेर ही सही। धिक्कार है ऐसी नीतियों पर, जिन्होंने हजारों को प्रताड़ित किया - और जिन्हें हक मिला, वह भी सिर्फ संघर्ष से मिला।

अदालत का हस्तक्षेप और स्पष्ट रुख : पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने इस नीति को संविधान की भावना के विपरीत बताया। अदालत ने आदेश दिया कि भविष्य में इस प्रकार के बोनस अंक नहीं दिए जाएंगे। जिन अभ्यर्थियों को इन अंकों के चलते नियुक्ति मिली, उन्हें वरिष्ठता सूची में नीचे किया जाएगा।

शख्सियत

बढ़ता राजस्थान

राजेश कुमार मीणा
(पुलिस इंस्पेक्टर.राज: पुलिस)

नमस्कार साथियों हमारी आज की शख्सियत कॉलम के स्टार हैं राजस्थान पुलिस के शानदार जानदार पुलिस निरीक्षक राजेश कुमार मीणा। माधोगढ़ तहसील तुंगा जिला जयपुर में सन 1980 को सुरजन लाल मीणा के घर में एक दीपक का जन्म हुआ नाम पड़ा राजेश। प्रारंभिक पढ़ाई गांव में ही हुई और ग्रामीण परिवेश में ही पले बड़े इसलिए आज भी ग्रामीण संस्कार पूरी तरह से धमनियों में रक्तप्रवाह के साथ दौड रहे हैं। उसके बाद राजस्थान कॉलेज जयपुर प्राथमिक शिक्षा के दौरान स्काउट गाइड में थे। सन 1999 में राजस्थान पुलिस में जॉइनिंग की लंबी पुलिस सेवा जिला पाली में रही। करीब 3 साल एटीएस पुलिस जयपुर में रही । 2015 में सब इंस्पेक्टर बने तब थानाधिकारी कल्याणपुर बाड़मेर,टी आई बालोतरा बाड़मेर, उसके बाद दो बार पुलिस थाना सेंदड़ा एसएचओ जिला पाली उसके बाद थाना रास एसएचओ जिला पाली उसके बाद थाना कोलवा जिला दौसा ,वर्ष 2019 में पुलिस इंस्पेक्टर बने सर्वप्रथम एसएचओ कोतवाली दौसा ,उसके बाद नसीराबाद जिला अजमेर, उसके बाद पुलिस थाना थानागाजी, अलवर बने । अब वर्तमान में पुलिस थाना राजगढ़ जिला अलवर में पोस्टिंग है। हर परिवादी की बात दिल से सुनना और दिल से ही उसका विधि अनुसार उसका समाधान करना हर प्रकरण में निष्पक्ष जांच करना इनकी पहली प्राथमिकता है। हर संभव पीडित को न्याय दिलाने की तमन्ना रही है। आम जन के साथ अपनी व्यवहारकुशलता व अपराधिक प्रवृति के लोगों के साथ खाकी का रिश्ता बखूबी निभात हैं। टीम बढ़ता राजस्थान इनके उज्जलव भविष्य की कामना करती है।

रूपक शर्मा

2025_023

बढ़ता राजस्थान

Ans_2025_022

Suduko

3		9					2	
	2		9	4		1		
	6			8	7			
		1				5		
5				1				9
		3				7		
			8	7			9	
		6		2	1		8	
	1					2		4

3	7	2	1	8	6	5	9	4
8	1	9	3	4	5	2	7	6
5	6	4	2	9	7	1	8	3
6	2	5	7	3	4	8	1	9
4	8	1	5	6	9	7	3	2
7	9	3	8	1	2	4	6	5
9	3	7	4	5	1	6	2	8
2	4	6	9	7	8	3	5	1
1	5	8	6	2	3	9	4	7

कैसे खेलें

वर्ग को 1 से 9 तक अंकों से ऐसे भरें कि आड़ी व खड़ी पंक्ति के साथ ही 3 गुणा 3 के बॉक्स में 1 से 9 तक अंक आएं। कोई अंक दुबारा नहीं आए।

आज का राशिफल

हमारे अनुभवी ज्योतिषियों की टीम के अनुसार आप कई विविध लक्ष्यों को पूरा करेंगे। क्या आप यह जानना चाहते है कि आपके जीवन के ऐसे कौनसे क्षेत्र है, जहां आपके सितारे बुलंद रहेंगे और दूसरी तरफ, आपको किस बातों से सावधान रहना चाहिए। हम न सिर्फ हमारे काम में और जटिल मुद्दों को सुलझाते वक्त सकारात्मक ऊर्जा को महसूस करेंगे, बल्कि पारम्परिक संबंधों में भी, जहां यह स्थानान्तरण हमें संताए और बातचीत में लाभ प्रदान करेगा

मेष

स्वभाव में उग्रता हो सकती है, इसलिए वाणी पर संयम रखें। दोपहर के बाद आप आप मनोरंजन की ओर ज्यादा बढ़ेंगे। मित्रों और स्नेहीजनों के साथ प्रवास या पर्यटन का योग है। शारीरिक और मानसिक रूप से आप स्वस्थ रह पाएंगे।

वृष

व्यापार में किसी तरह का लाभ होगा। शारीरिक और मानसिक रूप से स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। पूंजी निवेश में सावधानी बरतें। धार्मिक काम के पीछे धन खर्च हो सकता है। कोर्ट-कचहरी के विषय में संभलकर चलें।

मिथुन

आज का आपका दिन लाभकारी है। पारिवारिक और प्रोफेशनल दोनों ही क्षेत्रों में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-परिवार में आनंद का वातावरण आप को खुश रखेगा। बहुत दिनों से अटके सरकारी कामों में सफलता मिलेगी।

कर्क

सुबह का समय दोस्तों के साथ घूमने-फिरने, खान-पान एवं मनोरंजन में बीत सकता है। पार्टनरशिप काम में ध्यान रखें। व्यापार में ज्यादा लाभ की उम्मीद नहीं है। दोपहर के बाद आप को प्रतिकूलता का सामना करना पड़ सकता है। आज कोई महत्वपूर्ण डिसीजन आप ले पाएंगे।

सिंह

किसी तरह का आर्थिक लाभ भी हो सकता है। हालांकि, स्वास्थ्य को लेकर उतार-चढ़ाव बना रहेगा। गृह एवं संतान सम्बंधी शुभ समाचार आप को मिलेंगे। पुराने और बचपन के दोस्तों से मुलाकात हो सकती है।

कन्या

स्वास्थ्य का ध्यान रखें। दोपहर के बाद पारिवारिक जीवन में हर्षोल्लास का वातावरण बना रहेगा। आज कोई नया काम शुरू कर सकते हैं। पिता से आपको लाभ होगा। ज्योतिष और आध्यात्मिक विषयों में आपकी रुचि बनी रहेगी। दोस्तों के साथ मुलाकात होगी।

तुला

मानसिक रूप से आप में भावुकता की मात्रा अधिक रहेगी। किसी बात को लेकर ज्यादा विचलित ना हों। अपनी कल्पनाशक्ति से साहित्य-सृजन में आप नवीनता ला पाएंगे। सुख-शांति बनी रहेगी। व्यवसाय में सफलता प्राप्त होगी।

वृश्चिक

मित्रों का सहयोग भी आप को प्राप्त होगा। विरोधियों पर विजय प्राप्त होगी। पारिवारिक शांति बनाए रखने के लिए निरर्थक वाद-विवाद न करें। धन और प्रतिष्ठा में हानि हो सकती है। आप की रचनात्मकता में सकारात्मक वृद्धि होगी।

धनु

अपनी वाणी और व्यवहार को संयमित रखना आपके ही हित में रहेगा। आज आपकी नौकरी और व्यवसाय में रुचि बढ़ेगी। आज स्वास्थ्य का ध्यान रखें। साथी कर्मचारियों का साथ मिलेगा। संतान की चिंता आपको हो सकती है।

मकर

आज के दिन बौद्धिक काम, नए सृजन और साहित्यिक गतिविधि में आप उलझे रहेंगे। किसी धार्मिक यात्रा का आयोजन हो सकता है। व्यापार में लाभ का अवसर मिलेगा। आज आपको कार्यालय और व्यापार में थोड़ा संभलकर चलना होगा।

कुंभ

दवाई खरीदने या अस्पताल की फीस पर आकस्मिक खर्च हो सकता है। आज दृढ़ मनोबल और आत्मविश्वास के साथ हर काम को आसानी से बना पाएंगे। गृहस्थ जीवन में सुख और शांति बनी रहेगी। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा बना रहेगा।

मीन

आज वाणी पर संयम रखें. स्नेहीजनों के साथ किसी बात पर विवाद हो सकता है। आय की अपेक्षा व्यय अधिक रहेगा। किसी उलझन में दिन गुजरेगा। स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें। आप नए काम का आरंभ कर सकेंगे। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती कमलेश विजयवर्गीय द्वारा बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस,हमीदपुरा रोड खण्डवा,निवाई टोंक (राज.) से मुद्रित एवं 185/ 116 "प्रतीक्षा" सेक्टर-18, प्रताप नगर सांगानेर, जयपुर से प्रकाशित, संपादक-तनुजा पठान*। प्रधान संपादक-राम बिलास विजयवर्गीय मो.नं. 9414242258, 9214048888,जयपुर फोन नं.0141-2796794,795 टोंक कार्यालय-बाईपास निवाई, टोंक मो.नं.9414823448 अलवर कार्यालय-मेहताब सिंह का नोहरा,अलवर मो.नं. 7733000123,कोटा कार्यालय-छावनी मेन रोड,कोटा मो.नं.7023350734 । ई मेल-badhatarajasthan@yahoo.com *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार

खुशखबरी : रोड़वेज में 30 जून तक चलेगा खास अभियान, यात्रियों को मिलेंगी खास सुविधाएं

अभियान के तहत प्रत्येक डिपो में कार्यरत मैकेनिकों को बसों का समान रूप से आवंटन कर प्रभारी नियुक्त किया जाएगा

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। राजस्थान रोडवेज की बसों में यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और बसों की कार्य क्षमता व्यवस्था को सुधारने के उद्देश्य से राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम ने 'मेरी बस-मेरी जिम्मेदारी' विशेष अभियान शुरू किया है। अभियान के तहत डिपो स्तर पर सभी निगम बसों की भौतिक एवं यांत्रिक स्थिति को सुधारने के निर्देश जारी किए गए हैं। हर बस को अच्छी स्थिति में लाना इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है।

अभियान में ये कार्य होंगे

- बसों में बॉडी रिपेयर
- इलेक्ट्रिकल कार्य
- सुरक्षा उपकरणों की जांच
- सीटों की मरम्मत
- टायरों की स्थिति
- डीजल औसत सुधार जैसे तकनीकी कार्य

जवाबदेही सम्बंधित प्रभारी व पर्यवेक्षक की

चालक को प्रभारी का नाम व मोबाइल नंबर लिखना होगा। आदेश के अनुसार प्रत्येक बस के चालक को फाटक पर वाहन रखरखाव प्रभारी का नाम व मोबाइल नंबर अंकित करना होगा। इससे उत्तरदायित्व सुनिश्चित हो सकेगा। आगार प्रबंधक को यह सुनिश्चित करना होगा कि सभी वाहनों के लिए प्रभारी एवं पर्यवेक्षक नियुक्त हो जाएं। वाहनों की स्थिति में सुधार के लिए किए गए कार्यों की जवाबदेही पूर्णत संबंधित प्रभारी व पर्यवेक्षक की होगी। निरीक्षण के समय यदि किसी वाहन में कमी पाई जाती है तो संबंधित के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी

3 बसों की जिम्मेदारी हर प्रभारी को : अभियान के तहत प्रत्येक डिपो में कार्यरत मैकेनिकों को बसों का समान रूप से आवंटन कर उन्हें प्रभारी नियुक्त किया जाएगा। इसमें हर प्रभारी को तीन बसों की जिम्मेदारी दी जाएगी। नियुक्त किया जाएगा।

सभी आगारों में 15 से 30 जून तक पूरा हो जाए काम : सभी आगारों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उपलब्ध निगम वाहनों में से 50 प्रतिशत कार्य 15 जून तक तथा शेष कार्य 30 जून तक पूरा कर लिया जाए। प्रबंधक संचालन को इस पूरे अभियान की नियमित मॉनिटरिंग करनी होगी और पहले व बाद की फोटोग्राफी डिजिटल रूप से सुरक्षित रखनी होगी। मुख्य प्रबंधक प्रत्येक 15 दिन में अभियान की प्रगति रिपोर्ट मुख्यालय को भेजने के लिए उत्तरदायी होंगे

टीम वर्क से होगा काम

यात्रियों को बेहतर सुविधा देने व बसों की दशा सुधारने के लिए मेरी बस मेरी जिम्मेदारी अभियान चलाया जा रहा है। टीम वर्क के साथ अभियान की सफलता के लिए कार्य करेंगे।

- मुख्य प्रबंधक, रोडवेज डिपो

मालपुरा में आज गूजेगें सैना के शूरवीरो के तराने

निकलेगी विशाल तिरंगा यात्रा, जलदाय मंत्री कन्हैयालाल करेगें अगुवाई

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (कृष्णचन्द्र विजय)। भारतीय जनता पार्टी की ओर से आपरेशन सिंदूर की अपार सफलता के बाद देश की सेनाओं के शूरवीर सेनिको के शौर्य, साहस की गाथा जन जन तक पहुंचाने के उद्धेश्य को रविवार को विशाल एवं भव्य तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी।

भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष जिनेन्द मेन्दवास्या एवं तिरंगा यात्रा संयोजक डॉ. अकिंत जैन ने संयुक्त रूप से बताया कि भारत पाकिस्तान के तनाव के बीच भारत की सेनाओ ने आपरेशन सिंदूर में जो अपना शौर्य, साहस का परिचय देकर पाकिस्तान को करारी हार दी। भारतीय सेना की जीत व पाकिस्तान की हार के बारे में देशवासियो को जानकारी देने के उद्धेश्य से भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के निर्देशानुसार देश में तिरंगा यात्राए निकाली जा रही है। उन्होंने बताया कि इसी कड़ी में मालपुरा टोडारायसिंह विधानसभा स्तरीय तिरंगा यात्रा रविवार 25 मई को सुबह 8 बजे प्रदेश के जलदाय मंत्री एवं क्षैत्रीय विधायक कन्हैयालाल चौधरी की अगुवाई में पुरानी तहसील स्थित बारादरी बालाजी मन्दिर से प्रारम्भ होगी। तिरंगा यात्रा में शामिल संगठन पदाधिकारी, कार्यकर्ता व जनप्रतिनिधियो सहित भारी संख्या में शहरवासी हाथो में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा थाम पैदल रवाना होगें। यात्रा में शामिल होने वाले लोग भारत माता के जयकारो से शहर को गूंजायमान करते हुए व शूरवीर सैनिको की वीरगाथा गाते हुए शहर के सभी मुख्य बाजारो से गुजरेगें। यह यात्रा माणक चोक बाजार, बापू बाजार, आजाद चोक, खवास जी का कटला, ज्योति मार्केट, गांधी पार्क, नवीन मण्डी, सुभाष सर्किल से होते हुए व्यास सर्किल पहुंच कर विसर्जित होगी। भाजपा की तिरंगा यात्रा में मालपुरा टोडारायसिंह विधानसभा क्षैत्र के सभी मंडलो के पदाधिकारी , कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधियो सहित भारी संख्या में आम जन शामिल होकर सैनिको की वीरगाथा से शहर की गलियो को गूंजायमान करेगें। मंडल अध्यक्ष एवं यात्रा संयोजक ने क्षैत्र के आम जन से आव्हान करते हुए कहा है कि सैनिको का मान सम्मान बढ़ाने वाली इस यात्रा में बिना किसी दलगत राजनीति के भेदभाव के उपस्थित होकर सफल बनावें और भारतीय सेनाओं के सेनिको का मान सम्मान बढ़ावें।

नए सत्र से पहले राजस्थान के ये स्कूल होंगे बंद

शिक्षा विभाग ने मांगी सूचना

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर(राकेश शर्मा)। राजस्थान में कम नामांकन वाली सरकारी स्कूलों का फिर एकीकरण हो सकता है। इस शून्य से 10 तक नामांकन वाली प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्कूलों को नजदीकी स्कूलों में मर्ज करने की संभावना है। प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय के जिला शिक्षा विभाग को भेजे एक प्रपत्र से इसके कयास तेज हो गए हैं। इसमें शाला दर्पण के मुताबिक 10 तक नामांकन वाली सरकारी स्कूलों के नाम जारी कर उनकी नजदीकी स्कूलों की सूचना मांगी

गई है। ये जानकारी अवकाश में भी कार्य करते हुए 26 व 27 मई को व्यक्तिगत रूप से चाही गई है।

ऐसे में माना जा रहा है कि नए सत्र से पहले ही प्रदेश की हजारों स्कूलों को मर्ज के नाम पर बंद किया जा सकता है। शिक्षा निदेशालय ने प्रपत्र में शून्य से 10 नामांकन वाले स्कूलों के नाम पते सहित जारी कर उनसे उच्च स्तर की नजदीकी सरकारी स्कूलों की जानकारी मांगी है। इसमें नजदीकी स्कूल के भवन की स्थिति के साथ दोनों स्कूलों के बीच की दूरी पूछी गई है। दोनों के बीच आवाजाही में नेशनल या स्टेट हाइवे, नदी, नाला, रेलवे लाइन, पहाड़, जंगल क्षेत्र, दुर्गम रास्ता या अन्य बाधा हो तो उसकी भी सूचना चाही गई है। प्रपत्र के हिसाब से कम नामांकन वाले स्कूल संस्कृत, महात्मा गांधी व आवासीय स्कूलों को छोड़ सबसे नजदीकी सरकारी स्कूल में ही समायोजित होंगे। यदि एक से अधिक स्कूलों की दूरी बराबर है तो उच्चतम स्तर और उच्चतम स्तर के भी स्कूल समान दूरी पर है तो एक समान है तो सह शिक्षा वाले स्कूल का चयन किया जाएगा।

नए जिलों के हिसाब से मांगी सूचना : शिक्षा निदेशालय ने पूरे प्रपत्र की जानकारी नए जिलों के हिसाब से भेजने को कहा है। पत्र में लिखा है कि शाला दर्पण को नए जिले के हिसाब से अद्यतन किया जाने की वजह से उसी आधार पर स्कूलों की जानकारी जिला शिक्षा विभाग को भेजनी है।

बतौर उदाहरण सीकर में 219 स्कूल होंगे मर्ज : बतौर उदाहरण सीकर जिले में 0 से 10 नामांकन वाले प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्कूलों की संख्या 219 सामने आई है। यदि विभाग एकीकरण करता है तो ये सभी स्कूलें समायोजन के नाम पर बंद हो जाएगी।

इनका कहना है : प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय का प्रपत्र इस बात का साफ इशारा है कि 0 से 10 नामांकन वाले स्कूलों को नजदीकी स्कूलों में समायोजित किया जाएगा। संभव है कि नए सत्र से पहले ही इनका एकीकरण अधिशेष शिक्षकों को भी आवश्यकता वाले स्कूलों में पदस्थापित कर दिया जाए।

उपेंद्र शर्मा, प्रदेश महामंत्री, राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत।

सबसे अधिक टोल वसूलने वाली मेगा हाईवे की जुबानी में अपनी आत्मगाथा

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (कृष्णचन्द्र विजय)। मालपुरा से सांगानेर तक जाने वाले मुख्य मेगा सड़क मार्ग की बदहाल स्थिति के बारे में स्वयं सड़क ही बाल कर सुनाया जाना चर्चा का विषय बना हुआ है। मैं हु जयपुर सांगानेर मालपुरा केकड़ी भीलवाड़ा मेगा हाईवे या दूसरे शब्दो में यह सकते हैं कि मौत का हाईवे। आज तक मैं कही जिन्दगीयो को लील चुका हुँ। मेरे बारे में मैं ही कुछ जानकारी दे रहा हुँ। मैं सांगानेर से शुरू होकर रेनवाल, फागी, मालपुरा, केकड़ी से शाहपुरा होते हुए भीलवाड़ा जाता हुँ। देश के अन्य मेगा हाईवे की अपेक्षा मुझ पर चलने का सबसे अधिक टोल वसूला जा रहा है। लेकिन मेरी स्थिति बेहद खराब व चिन्ताजनक है। सर्वाधिक टोल के बावजूद सड़क ऐसी है कि देश के अन्य मेगा हाइवे की अपेक्षा मुझ पर सर्वाधिक दुर्घटनाऐं होने से कई अकाल मौते मुझ पर चलते समय हो चुंकी है। आए दिन मेरी सुर्खियां अखबारो में बनी रहती है। प्रतिदिन हजारो वाहनो के अलावा प्रदेश व देश के कई राजनेता, आला अफसर भी मुझ पर चलते हैं। लेकिन मेरी दूर्दशा की ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। प्रदेश कांग्रेस की सरकार हो या हो भाजपा की सरकार लेकिन कोई सरकार दूर्दशा नहीं सुधार सकी है। सड़क पर चलने वाले अपने गतंव्य तक पहंचेगें या नहीं यह उनके भाग्य पर निर्भर करता है। क्योंकि आए दिन होने वाली दूर्घटनाओं में कई अकाल मोते होती है। लेकिन मौत का शिकर होने वाले लोगो के परिवारजन 15 दिनो तक घरो पर बैठकर शोक मना कर वापस मुझ पर चलने के लिए आ जाते हैं। लोग दिन भर चाय की थड़ियो पर बैठकर तो मेरी दूर्दशा के बारे में बाते कर लेगें, सर्वाधिक टोल वसूल की बाते भी करेगें लेकिन एक भी आगे आकर मुरी दुर्दशा को सुधारने के लिए मजबूती से प्रयास नहीं करने के कारण मेरी स्थिति जस की तस बनी हुई है। मेरे पर पड़े गड्डो को भरने, टूटी फूटी सड़क की मरम्मत करवाने सहित सर्वाधिक टोल वसूलने के बावजूद चिन्ताजनक स्थिति को सुधारने के लिए बाते करते हैं लेकिन अथक प्रयास नहीं करने से मेरी स्थिति वैसी ही है जैसी पहले थी। लोग सुबह से शाम तक चौपाल पर अथवा चाय की थड़ियो पर बैठकर बाते तो कर लेगें लेकिन प्रयास नहीं करेगें। यदि वर्तमान स्थिति की बात की जाए तो वर्तमान में सड़क का टोल वसूलने का काम सरकारी एजेन्सी राजस्थान राज्य सड़क विकास निगम द्वारा किया जा रहा है। निगम सरकारी संस्था है लेकिन वह भी केवल टोल वसूलने के अलावा सड़क की दूर्दशा की ओर ध्यान नहीं दे रही है।

सड़क हादसे में दो युवकों की मौत, एक घायलःघायल को गंभीर हालत में जयपुर किया रेफर; ट्रैक्टर-ट्रॉली में पीछे से घुसी बाइक

बढ़ता राजस्थान

टोंक। टोंक-सवाई माधोपुर हाईवे पर उनियारा थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर घायल हो गया। गंभीर घायल युवक को टोंक के सआदत हॉस्पिटल में प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रेफर किया गया है। तीनों युवक बाइक से अलीगढ़ की ओर सरसों की तूड़ी भरने जा रहे थे।

उनियारा थाने के एसआई रतन लाल मीना ने बताया कि नगर फोर्ट थाना क्षेत्र के हमीरपुरा निवासी नरेंद्र सैनी, विष्णु सैनी और सुमन बाइक पर सवार होकर सुबह अलीगढ़ की ओर जा रहे थे। जैसे ही वे उनियारा बाईपास पर पहुंचे तो उनके आगे दौड़ रहे ट्रैक्टर-ट्रॉली के चालक ने अचानक ब्रेक लिया दिया। इससे इनकी बाइक ट्रॉली से जा टकराई। इससे तीनों गंभीर घायल हो गए।

बाद में लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों को 108 से टोंक भिजवाया। जहां उपचार के दौरान कुछ देर में ही नरेंद्र सैनी और विष्णु सैनी की मौत हो गई। तीसरे युवक सुमन की हालत गंभीर है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रेफर कर दिया गया है। पुलिस ने मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम करवा कर उन्हें परिजनों को सौंप दिया है।

भीषण गर्मी के दौरान मिलावटयुक्त फल सेवन में रखें सावधानी

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर(राकेश शर्मा)। जिले सहित प्रदेश भर में भीषण गर्मी का दौर जारी है। ऐसे में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा फलों के सेवन को लेकर एडवाइजरी जारी की गई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अनिल कुमार जैमिनी ने बताया कि गर्मी की लहर के दौरान कुछ फलों की खेपों में कृत्रिम पकाने या संरक्षण के लिए अनसेफ एवं नॉन परमिटेड रसायनों का उपयोग किया जा रहा है। इसलिए आम जन को कुछ चुनिंदा फलों की खरीद एवं सेवन करने में विशेष सावधानी रखनी चाहिए। इसके संबंध में आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रक राजस्थान एच गुईटे के द्वारा दिशा निर्देश प्रदान किये गए हैं।

आम जिन्हें कैल्शियम कार्बाइड से कृत्रिम रूप से पकाया गया हो। केले, जिनमें रसायनों द्वारा कृत्रिम पकने की आशंका हो। तरबूज एवं खरबूजे, जिनमें सिंथेटिक डाई या रासायनिक संरक्षक पाए गए हों। अंगूर एवं सेब, जिन पर अत्यधिक वैक्स कोटिंग या कीटनाशक अवशेष मौजूद हो सकते हैं। इस प्रकार के फलों के सेवन से श्वसन तंत्र में जलन, तंत्रिका तंत्र पर प्रभाव एवं दीर्घकालिक विषाक्तता जैसे गंभीर स्वास्थ्य जोखिम हो सकते हैं। इन दिशा-निर्देशों को जनस्वास्थ्य एवं सुरक्षा के हित में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम की धारा 16 (5) एवं धारा 29 के अंतर्गत जारी किया गया है।

तिलक स्कूल लगातार सातवें वर्ष भी रही अव्वल

- विज्ञान वर्ग नो छात्रो ने प्राप्त किए 90 प्रतिशत से अधिक अंक
- विद्यालय प्रशासन होनहार विद्यार्थियों के घर पहुंच कर किया अभिनन्दन

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (कृष्णचन्द्र विजय)। मालपुरा अजमेर रोड पर हाथकी मोड़ के आगे स्थित तिलक पब्लिक स्कूल की कक्षा 12 के विज्ञान वर्ग के नो छात्रो ने बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय, परिवार व क्षैत्र का गौरव बढ़ाया है। विद्यालय निदेशक आदित्य पाटनी ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से जारी कक्षा 12 के बोड्र परीक्षा परिणाम में तिलक पब्लिक स्कूल लगातार सातवें वर्ष अव्वल रहकर परचम लहराया है। पाटनी ने बताया कि विद्यालय की विज्ञान वर्ग की कक्षा 12 के छात्र पार्थ जैन ने 97 प्रतिशत, आशीष देवंदा ने 96.70 प्रतिशत, गर्वित गुप्ता ने 92.80 प्रतिशत, अनुराग शर्मा ने 92.60 प्रतिशत, जिज्ञासा जैन ने 92.60 प्रतिशत, साक्षी बावड़ी ने 92.20 प्रतिशत, क्रिश खटीक ने 91.80 प्रतिशत, सक्षम विजय ने 91.80 प्रतिशत, हरिओम धाकड़ ने 91.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यायल, अपने माता पिता, सभी परिवारजनो के साथ साथ सम्पूर्ण क्षैत्र का नाम रोशन किया है। प्रतिभावान विद्यार्थियों की इस श्रेष्ठ उपलब्धि पर निदेशक आदित्य पाटनी के नेतृत्व में प्रधानाध्यापक नवीन कुमार, विद्यालय स्टाफ महेन्द्र सैनी, सोनम शर्मा, ओमप्रकाश टेलर, शंकर सिंह, रामरतन जाट व तिलक बाल विद्यापीठ उमावि की निदेशक रेखा पाटनी व अन्य स्टाफ साथी प्रत्येक प्रतिभावान विद्यार्थियों के घरो पर पहुंच कर प्रतिभावान विद्यार्थियों का मालाऐं पहना कर व साफे बंधा कर स्वागत सम्मान व अभिनन्दन कर हौसला बढ़ाया। इन सभी प्रतिभावान विद्यार्थियों ने इस श्रेष्ठ उपलब्धि का श्रेय तिलक बाल विद्यापीठ शिक्षा समिति सचिव प्रकाशचन्द पाटनी, निदेशक रेखा पापटनी, तिलक पब्लिक स्कूल निदेशक आदित्य पाटनी सहित शाला परिवार के सभी शिक्षको के अलावा अपने माता पिता की प्रेरणा को दिया है। गौरतलब है कि विद्यालय लगातार सातवें वर्ष अव्वल रहकर अपना शीप्र स्थान बरकरार रखा है।

सेना के अदम्य साहस ने आपरेशन सिदूर को सफलता के शिखर पर पहुंचाया

महिला संगोष्ठी में मुख्य वक्ता ने किए विचार प्रकट

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (कृष्णचन्द्र विजय)। मालपुरा के दूदू रोड स्थित ग्रामीण बालिका छात्रावास परिसर में आपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना के अदम्य साहस व शौर्य के बारे में जानकारी दी गई।

शनिवार को आयोजित संगोष्ठी में मुख्य प्रवक्ता के रूप में विचार प्रकट करते हुए तनुष्का राजावत ने बताया कि सक्षम नेतृत्व एवं भारतीय सेनाओं के आदम्य साहस ने आपरेशन सिंदूर को सफलता तक पहुंचाया है। आपरेशन सिंदूर के माध्यम से समूचे संसार में भारतीय सेनाओ के पराक्रम और भारत की आधुनिक तकनीक का लोहा मनवाया है। उन्होंने भारत छेड़ता नहीं और यदि कोई छेड़ता है तो उसे छोड़ता नहीं। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अनुसार आपरेशन सिंदूर अभी जारी है केवल स्थगित किया है। स्थगित अवधि के दौरान भारत पाकिस्तान व आतंकवादियो की हर गतिविधि पर कड़ी नजर रख रहा है।

मुख्य वक्ता राजावत ने संगोष्ठी में मोजुद महिला शक्ति से आव्हान करते हुए कहा कि महिलाऐं अपने बच्चो, परिवारजनो, रिश्तेदारो सहित आसपास पड़ोस की महिलाओ को आपरेशन सिंदूर में भारतीय सेनाओं को मिली अपार सफलता के बारे में जानकारी दें। संगोष्ठी में एडवोकेट शशि जैन, संतोष कोठारी, अलका पारीक ने भी विचार प्रकट किए।

नौतपा आज से : राज्य में इस बार इसलिए नौतपा में होगी बारिश

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर(राकेश शर्मा)। नौतपा की शुरुआत 25 मई (रविवार) से होगी। इसकी अवधि 2 जून तक रहेगी। इस नौ दिन की अवधि में सूरज सर्वाधिक आग उगलता है। झुलसाने वाली धूप और लू चरम पर होती है। इस बार नौतपा में मौसम में कुछ तब्दीली होने के आसार हैं।

सूर्य के रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करने पर 25 मई से नौतपा की शुरुआत होगी। यह अवधि 2 जून तक रहेगी। यों तो नौतपा में सूरज प्रतिवर्ष जमकर आग उगलता है। पिछले साल 27 मई को तापमान 46.3 डिग्री

सेल्सियस तक पहुंच गया था। इस बार नौतपा में मौसम में बदलाव हो सकता है।

कई सिस्टम एक्टिवेट : मौसम विशेषज्ञों की मानें तो अभी कई छोटे सिस्टम एक्टिवेट हैं। अरब सागर के ऊपर एक ऊपरी हवा का घेरा बन रहा है। इसका मूवमेंट धीरे-धीरे उत्तर की तरफ बढ़ रहा है। इसके तहत वातावरण में बारीक धूल छाने, सतही हवाओं संग धूल उड़ने, बादल छितराने का दौर चलेगा। 24 से 27 मई के दौरान कई इलाकों में तेज गर्जना संग बरसात होने की संभावना है। इसके बाद तेज धूप-लू तो कभी हल्की धूल भरी हवा चल सकती है।

महिलाओं के सम्मान में सिंदूर यात्रा आज

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर(राकेश शर्मा)। आपरेशन सिंदूर के साथ नारी शक्ति के सम्मान में सिंदूर यात्रा निकाली जाएगी। जिला मीडिया प्रभारी सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि 25 मई को शाम 5 बजे सिंदूर यात्रा निकाली जाएगी! यात्रा की जिला संयोजक मीरा सैनी के अनुसार आज यात्रा शाम 5 बजे मुख्य बाजार स्थित सिद्धि विनायक गणेश मंदिर से शुरू होकर अबेडकर सर्किल तक जाएगी, जिसमें नगर में एवं आसपास के गांवों में रहने वाली सभी महिलाओं को बुलाया गया है।सिंदूर यात्रा में सवाई माधोपुर के विधायक एवं राज्य सरकार में कैबिनेट मंत्री डॉ किरोडी लाल मीणा एवं भाजपा जिला अध्यक्ष मानसिंह गुर्जर भी मौजूद रहेंगे।

दो दिवसीय पुरातन तालबंदी का 63वां शास्त्रीय संगीत दंगल समारोह 31 मई को

बढ़ता राजस्थान

रैणी/अलवर(राजकुमार गुप्ता)। उपखंड क्षेत्र के ग्राम पाटन में श्री हनुमान जी महाराज का विशाल मेला एवं दो दिवसीय पुरातन तालबंदी 63 वां शास्त्रीय संगीत दंगल समारोह का आयोजन 31 मई को होगा। डॉ कैलाश चंद शर्मा ने बताया कि 30 मई को श्रीराम चरित्र मानस पाठ का प्रारम्भ प्रात 8.15 बजे से होगा। वहीं 31मई को हवन पूजन तथा दोपहर 12 बजे से भंडारे का आयोजन होगा। उन्होंने बताया कि दो दिवसीय शास्त्रीय संगीत दंगल का उद्घाटन उसी दिन सायं 7.30 बजे से होगा तथा समापन 2 जून सोमवार को होगा। कार्यक्रम में जयसिंहपुरा, बड़ेर, सुल्तानगंज, सलोनी और लाका बैरावड़ा की पार्टीयां प्रस्तुतियां देंगी। यह जानकारी रामनिवास सैनी ने दी।

भगवान परशुराम की शोभायात्रा निकलेगी आज

बढ़ता राजस्थान

राजगढ़/अलवर (राजकुमार गुप्ता)। श्री ब्राह्मण समाज राजगढ़ द्वारा 25 मई रविवार को श्री परशुराम शोभायात्रा निकाली जाएगी। श्री ब्राह्मण समाज राजगढ़ के अध्यक्ष राजेश शर्मा ठेकेदार ने बताया कि 25 मई रविवार को सायंकाल 3ः00 बजे भगवान परशुराम शोभायात्रा श्री ब्राह्मण धर्मशाला परशुराम भवन से प्रारंभ होगी जो राजगढ़ के प्रमुख मार्गो से होती हुई पुनः ब्राह्मण धर्मशाला पहुंचेगी। ब्राह्मण समाज के सचिव मनोज जैमन ने शोभायात्रा को लेकर पूर्ण तैयारियां होने की बात कही और बताया कि गर्मी बहुत होने कि वजह से शोभायात्रा में पीने के पानी कि व्यवस्था पर पूरा ध्यान दिया गया है। शोभायात्रा में जिलेभर से विप्र बधु शामिल होंगे उनका स्वागत सम्मान समाज के अध्यक्ष राजेश शर्मा द्वारा किया जायेगा। यात्रा में भिन्न-भिन्न कलाकृतियों की झांकियां निकाली जाएगी। शोभायात्रा समापन के पश्चात् प्रसाद का वितरण किया जायेगा।

एमएलपी स्कूल के छात्रों ने सैनिक स्कूल परीक्षा में किया सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन

बढ़ता राजस्थान

तिजारा (नि.स.)। तिजारा के लुहादेरा रोड पर स्थित एमएलपी वर्ल्ड स्कूल के दो छात्रों चंद्रपाल कक्षा नौवीं तथा कुणाल कक्षा 6 ने सैनिक स्कूल की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपने माता-पिता, गुरुजनों एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इस अवसर पर विद्यालय अध्यक्ष एके शर्मा एवं मैनेजिंग डायरेक्टर डॉक्टर पीके शर्मा ने विद्यार्थियों, उनके माता-पिता एवं समस्त शाला स्टाफ को शुभकामनाएं देते हुए सभी को बताया कि एमएलपी के छात्रों ने सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा में शानदार रिजल्ट दिया है, और आगे भी इसे जारी रखेंगे। इस अवसर पर वॉइस चेयरमैन अजय भारद्वाज, सीजीएम श्रुति भारद्वाज, डिप्टी डायरेक्टर डॉ विजय भारद्वाज, एचआर हेड अंकुर वशिष्ठ, प्रिंसिपल नीतू परमार, बी सरिता, सनोज यादव, मैनेजर संतोष यादव, मनीष यादव, वॉइस प्रिंसिपल सुनीता शर्मा, इंदिरा शर्मा, को ऑर्डिनेटर पवन आर्य, अंजू यादव, दीप्ति शर्मा, पूनम वर्मा मौजूद रहे।

एनसीसी प्रशिक्षण में दी हथियार चलाने की जानकारी

बढ़ता राजस्थान

राजगढ़/अलवर (राजकुमार गुप्ता)। कस्बे के राजकीय महाविद्यालय कैम्पस में चल रहें 03 राज आर्म्डस स्क्राड्रन केडिट कोर का स्क्राड्रन वार्षिक कैम्प के तृतीय दिवस को प्रात:कालीन केडेट्स को पी.टी. परेड में 5 कि.मी दौड़, शारीरिक मापदण्ड एवं जूनियर केडेट्स को वॉक करवायी गयी। पी.टी समाप्ति के पश्चात ड्रिल परेड की गयी। जो कि अनुशासन की बुनियाद है। इसके बाद लिखित कक्षाएं चलाई गई। कैम्प कमाण्डर कर्नल राहुल शर्मा ने बताया कि प्रशिक्षण में हथियार चलाना, सामान्य फायरिंग प्रशिक्षण, फायरिंग रेंज पर फायरिंग करने का अभ्यास एवं अपने आप की सुरक्षा करना की जानकारी दी गई। इसके बाद वाद विवाद प्रतियोगिता आयोजित करवाई गई।जानकारी दी गयी। सांय को वॉलीवॉल, बास्केटबॉल, रस्सा कस्सी खो-खो आदि का आयोजन किया गया। इसके बाद रोलकॉल हुआ तथा सांय काल 7 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। ट्रेनिंग कैम्प में सीनियर जे.सी.ओ. सूबेदार नूर अहमद, ट्रेनिंग जे.सी.ओ. सूबेदार सुशील कुमार, बटालियन हवलदार मेजर प्रेमसिंह आदि मौजूद रहे।

भारती विद्या मंदिर के बच्चों ने बनाया कीर्तिमान, 98.80 प्रतिशत अंक लेकर अनन्या क्षेत्र में पहले स्थान पर

बढ़ता राजस्थान

भिवाड़ी (मुकेश शर्मा)। टपूकड़ा तहसील में स्थित जगमलहेडी के भारतीय विद्या मंदिर के छात्र छात्राओं ने 12वीं के आर्ट वर्ग की परीक्षा परिणाम में शानदार प्रदर्शन करते हुए अनन्या पुत्री हरीश कुमार ग्राम पाटन कला ने 98. 80 प्रतिशत अंक प्राप्त, अजय मीणा पुत्र नरेश कुमार ने 97 प्रतिशत, सिमरन पुत्री जयसिंह ने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपने माता-पिता, गुरु जनों एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया। इस अवसर पर विद्यालय डायरेक्टर मनीष यादव ने कहा कि हमारा प्रयास हमेशा ही अच्छे परिणाम देने का होता है एवं विद्यालय की गाइडेंस के साथ-साथ बच्चों को भी अपनी पढ़ाई पर ध्यान करना जरूरी है। शाला परिवार ने समस्त विद्यार्थियों अभिभावकों एवं स्कूल के समस्त स्टाफ को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की।

नेता प्रतिपक्ष जूली ने लगाया जनता दरबार, सुनी परिवेदनाएं

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। नेता प्रतिपक्ष एवं अलवर ग्रामीण विधायक टीकाराम जूली ने मोती डूंगरी स्थित कार्यालय पर शनिवार को जनसुनवाई की। भारतीय जनता पार्टी के राज में पानी बिजली जैसी अहम समस्याओं से त्रस्त जनता जूली के समक्ष अपनी परिवेदनाएं लेकर पहुंची। जूली ने जनसाधारण की समस्याओं के निराकरण के लिए उन्हें आश्वस्त करते हुए कहा कि पर्ची वाली सरकार के राज में पूरे प्रदेश में त्रासदी जैसा माहौल बन गया है। उन्होंने कहा कि सरकार और सरकार के मुखिया जनता की उपेक्षा कर मौन धारण किए हुए हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसी असंवेदनशील सरकार राजस्थान प्रदेश को कभी दोबारा नहीं मिले जो कि जनहित के मुद्दों पर बात ही नहीं करना चाहती। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के जनप्रतिनिधि जनसुनवाई के नाम पर केवल कोरी राजनीति कर रहे हैं धरातल पर जनता की समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है। जूली बोले यदि कोई अपनी समस्या लेकर जनप्रतिनिधि के पास जाता है तो वह अपने रुतबे का इस्तेमाल कर अधिकारियों से जनता को धक्का दिलवाने से भी गुरेज नहीं कर रहे हैं। अधिकारी ही नहीं बल्कि मंत्री तक यदि कोई अपनी समस्या लेकर पहुंचता है तो आम आदमी का फोन छीन लेते हैं। जूली बोले पूरे प्रदेश में हालात भयावह बने हुए हैं, उन्होंने कहा कि सरकार की असंवेदनशीलता से परेशान होकर विभिन्न मामलों में न्यायपालिका को हस्तक्षेप करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि अब तो राजस्थान प्रदेश की भाजपा सरकार न्यायालय की आदेशों की अवहेलना करने से भी नहीं हिचक रही है। जूली बोले राजस्थान प्रदेश में मानवता की सारी हदें पार कर दी गई है जिससे प्रदेशवासी शर्मसार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में माफियाओं और इंस्पेक्टर राज का बोलबाला हो गया है, मानवता को शर्मसार करने वाले कृत्य सारी हैवानियत की हद पार कर गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने आंखों पर सता की पट्टी बांध रखी है या सच में सरकार को कुछ दिखाई नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में अपराधियों को संरक्षण दे रही भारतीय जनता पार्टी की सरकार से प्रदेशवासी न्याय की गुहार कर रहे हैं।

नौतपा आज से, नौ दिन तक सूर्य उगलेगा आग, बरतें सावधानियां

बढ़ता राजस्थान

राजगढ़/अलवर (राजकुमार गुप्ता)। इस साल नौतपा रविवार से शुरु हो रहा हैं। नौतपा के दौरान सूर्यदेव अपने उग्र रूप में होते हैं, जिससे धरती पर गर्मी बढ़ जाती है। इन नौ दिनों तक सूर्य आग उगलता है। हिंदू कैलेंडर के अनुसार जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करता है, तो अगले 9 दिन तक तापमान चरम पर रहता है। ऐसे में गर्मी बहुत बढ़ जाती है। इस दौरान अपनी सेहत का खास ख्याल रखने की जरूरत है। क्योंकि सेहत के प्रति जरा सी लापरवाही आपकी तबीयत को खराब कर सकती है।

नौतपा का महत्व

ज्योतिषीय दृष्टि से नौतपा के नौ दिन धार्मिक कार्यों के लिए बेहद शुभ होते हैं। इस दौरान गर्मी बहुत अधिक होती है इसलिए जल, शरबत, ठंडी तासीर की चीजों का दान करना इस दौरान शुभ होता है। इसके साथ ही पंखा, मटका, छाता आदि भी आप दान कर सकते हैं। इससे कुंडली में सूर्य और चंद्रमा की स्थिति भी मजबूत होती है। इसके साथ ही माना जाता है कि नौतपा के दौरान अगर बारिश नहीं पड़ती तो नौतपा के बाद खूब बारिश होती है। वहीं नौतपा के दौरान बारिश गिर जाए तो आने वाले समय में बारिश की कमी हो सकती है।

नौतपा के दौरान क्या करें क्या न करें

नौतपा के दिनों में आपको तामसिक चीजों का सेवन करने से बचना चाहिए क्योंकि इससे आपका स्वास्थ्य खराब हो सकता है। इस दौरान लहसुन, प्याज, मदिरा आदि के सेवन से बचना चाहिए। इस दौरान सूर्य देव की आराधना करना शुभ होता है। इसके साथ ही तरल पदार्थों का दान और जरूरतमंदों की मदद करने से भी इस दौरान शुभ फलों की प्राप्ति आपको होती है।

पूनम यादव ने पुणे में आयोजित तीसरी कूड़ो राष्ट्रीय चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता

बढ़ता राजस्थान

भिवाड़ी (मुकेश शर्मा)। भिवाड़ी की हिल व्यू गार्डन त्रेहान सोसायटी निवासी पूनम यादव ने पुणे में आयोजित तीसरी कूड़ो राष्ट्रीय चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता।

कूड़ो इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित की गई थी। प्रतियोगिता में युवाओं ने भारत के हर राज्य से आकर भाग लिया था। जिसमें पूनम यादव पति प्रशांत यादव ने 30 से ज्यादा आयू वर्ग में गोल्ड मेडल प्राप्त किया। सोसायटी की आरडब्ल्यूए ने पूनम यादव का वापीस आने पर भव्य स्वागत किया। उन्हें साफा और माला पहनाकर व ढोल बजाकर सम्मानित किया गया। एक गृहिणी का राष्ट्रीय स्तर पर यह मुकाम हासिल करना पूरी सोसायटी के लिए गौरव की बात है और सभी युवाओं को आगे बढ़ने के लिए भी प्रेरित करती है। पूनम ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपनी सास प्रीति यादव और पति प्रशांत यादव को दिया। उन्होंने बताया कि सास ने उनकी प्रैक्टिस के दौरान स्वस्थ भोजन और समय प्रबंधन में मदद की। साथ ही उनका हौसला बढ़ाया। इस अवसर पर ससुर प्रवीन कुमार, पिता लक्ष्मण यादव, कोच सुनील कुमार सहित परिवार के सदस्यों एवं सोसाइटी के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बाबरिया के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ने जड़ा चौका

गरीब किसान की बेटी ने पाए 92प्रतिशत से ज्यादा अंक विद्यालय दे रहा लगातार सौ फीसदी परीक्षा परिणाम

बढ़ता राजस्थान

बानसूर (धीरज मौर्य)। विधानसभा क्षेत्र के उपखण्ड बानसूर की उप तहसील हरसौरा के गांव बाबरिया में स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय का कक्षा 12का परीक्षा परिणाम सौ फीसदी रहा। यह परीक्षा परिणाम रन नहीं चौका है! एक गरीब किसान की बेटी कक्षा 12 वीं में पढ़ने वाली छात्रा तनीषा पुत्री बलवंत यादव ने राजस्थान बोर्ड की कक्षा 12 वीं कला वर्ग में 92.60.ब अंक प्राप्त कर क्षेत्र सहित विधालय का नाम रोशन किया है। विद्यालय के प्राचार्य अशोक कुमार आर्य ने बताया की इस बार कक्षा 12 में 17 विद्यार्थियों का नामांकन हुआ था जिसमें से प्रथम श्रेणी से 16 तथा द्वितीय श्रेणी से 1 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुआ है। उन्होंने बताया कि विद्यालय का लगातार चार वर्षों से परीक्षा का परिणाम 100ब रहा है। प्रधानाचार्य अशोक कुमार आर्य ने बताया कि कुल 17विद्यार्थियों में से दो विद्यार्थियों ने 90ब से ज्यादा अंक प्राप्त किए हैं तो 9 विद्यार्थियों ने 80ब से ज्यादा अंक प्राप्त किए हैं। उन्होंने बताया कि कुल छात्र/छात्रा संख्या में से 16विद्यार्थी प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए हैं वहीं मात्र एक विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण हुआ है। यह उपलब्धि मेरी नहीं बल्कि उन अभिभावकों और विद्यार्थियों सहित समस्त स्टॉफ की है जो राजकीय विद्यालयों में विश्वास करते हैं। वैसे देखा जाए तो संपन्न लोग तो अपने बालकों को निजी विद्यालय में भेजते हैं पर दूसरों के बालकों को राजकीय विद्यालय में शिक्षा ग्रहण करवाने का भाषण झाड़ते हैं। यदि निजी विद्यालयों में अपने बेटे -बेटियों को पढ़ाने वाले अभिभावक यदि अपने बेटे -बेटियों को निजी विद्यालय की फीस का चौथा हिस्सा भी खर्च कर राजकीय विद्यालय पर ध्यान दें तो गरीब का बच्चा भी आगे बढ़ सकता है, और बिना भेदभाव के राष्ट्र और प्रगति कर सकता है। आजकल पैसों में मिलती हैं डिग्रियां यह हमने अनेकों बार समाचार पत्रों और टीवी चैनलों पर देखा है। जहाँ गाँव के लोगों ने प्रधानाचार्य अशोक कुमार आर्य को बधाई दी वहीं यह चर्चा आम हो गई है कि प्रधानाचार्य सहित समस्त स्टॉफ का सम्मान करो। वहीं देखा जाये तो निजी विद्यालयों की फीस को देखते हुए इस बार राजकीय विद्यालयों का परीक्षा परिणाम बेहतर रहा हैं जिसकी चर्चा क्षेत्र में जोरों से हो रही है।

सेवा के सम्मान में निकाली तिरंगा यात्रा

बढ़ता राजस्थान

बानसूर (धीरज मौर्य)। विधानसभा के रामपुर मंडल में आज विधायक देवीसिंह शेखावत के निर्देशानुसार सेना के सम्मान में ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं की ओर से तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा में सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण शामिल हुए और भारतीय सेना के जज्बे को सलाम किया। इस दौरान तिरंगा यात्रा शाम 5 बजे रामपुर कस्बे के मुख्य बस स्टैण्ड से शुरू होकर कस्बे के मुख्य मार्गो से होती हुई कल्याण की महाराज के मंदिर तक पहुंची । जहां यात्रा का समापन किया गया। इस दौरान भाजपा जिला उपाध्यक्ष शशिकांत बोहरा ने बताया कि यह यात्रा भारतीय सेना ने जिस तरह पाकिस्तान में घुसकर ऑपरेशन सिंदूर चलाया और पाकिस्तान को घुटनों के बल गिरा दिया। हमारी सेना के शौर्य को सभी देशवासी सलाम करते है। जिसको लेकर आज रामपुर मंडल में भारतीय सैनिकों के लिए सफल ऑपरेशन सिंदूर को लेकर यह तिरंगा यात्रा निकाली गई है। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा बानसूर विधानसभा के प्रत्येक मंडल स्तर, गांव और ढाणियों में निकाली जाएगी। उन्होंने कहा कि 'तिरंगा यात्रा' में सम्मिलित होकर देश के वीर सैनिकों के अदम्य साहस और पराक्रम को नमन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यह यात्रा राष्ट्र की एकता, अखंडता और संप्रभुता के प्रति जनआस्था तथा हमारे सशस्त्र बलों के प्रति अटूट सम्मान की जीवंत अभिव्यक्ति है। ऑपरेशन सिंदूर मात्र एक सैन्य अभियान नहीं, बल्कि यह भारत की नारीशक्ति के संकल्प और सिंदूर की रक्षा का साहसिक प्रतिशोध है। आज पूरा देश भारतीय सेना की वीरता, रणनीतिक दक्षता और आत्मबल को श्रद्धापूर्वक नमन कर रहा है। हमारे जवानों ने आतंकवाद के अड्डों को जिस संकल्प और सटीकता से ध्वस्त किया, उसने यह स्पष्ट कर दिया है कि नया भारत न तो अब चुप रहता है और न ही सहन करता है, बल्कि निर्णायक और साहसिक प्रतिकार करता है। यह तिरंगा अब हर हृदय में और अधिक गर्व से लहराएगा। हर दिशा में वीरता की गाथाएं गूंजेंगी और देश का प्रत्येक नागरिक अपने कर्तव्यों के प्रति और अधिक सजग, समर्पित और प्रेरित होगा।इस दौरान रामपुर सरपंच मुकेश जिलोवा, सबलपुरा सरपंच विजेन्द्र यादव, कल्याणपुरा सरपंच हरफूल मीणा, रामानंद दीक्षित, भूपेन्द्र चौहान, ओमपाल राज चौहान, दिनेश यादव , जितेंद्र सिंह चौहान, महेश सैनी,मंडल प्रतिनिधि कर्ण ओला, पीडी एडवोकेट, अमरनाथ मिश्रा सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ने संभाला पदभार

बढ़ता राजस्थान

बानसूर(धीरज मौर्य)। राजेंद्र प्रसाद शर्मा ने बानसूर के नए मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (सीबीईओ) राजेन्द्र प्रसाद शर्मा ने पदभार संभाल लिया है। बानसूर स्थित मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के कार्मिकों ने सीबीईओ साहब का माला व साफा पहनाकर कर भव्य सम्मान किया। इस दौरान राजीव गाँधी पंचायत राज संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष अजय सिंह यादव ने सीबीईओ राजेन्द्र प्रसाद शर्मा को भगवान श्री कृष्ण की प्रतिमा भेंट कर व माला-साफा पहनाकर सम्मान किया।इस मौके पर अजय सिंह यादव ,एसीबीईओ प्रथम राजेन्द्र मीणा, एसीबीईओ द्वितीय इंद्राज गुर्जर, प्रधानाचार्य रामावतार अरुण, सुभाष चंद्र यादव, राकेश यादव योगेश ढाचोलिया,संदीप यादव ,भानु प्रताप सिंह शेखावत ,ओम प्रकाश शर्मा ,ललित शर्मा ,सुरेन्द्र कवि ,रामानंद दीक्षित , एडवोकेट नवीन कुमार, संदीप शेखावत, सतवीर यादव, हितेश सैनी ,शैलेश कुमार, गिर्राज मीणा ,संकेत लाटा ,राकेश सिंगल, सहित सीबीईओ कार्यालय के कार्मिक उपस्थित रहे।

राजस्थान, भिवाड़ी के खिलाड़ी ने लहराया परचम

सेकिण्ड नेशनल इनडोर मार्शल आर्ट गेम 2025 कराटे चैंपियनशिप में दो गोल्ड एक ब्रॉन्ज मेडल आए

बढ़ता राजस्थान

भिवाड़ी (नि.स.)। आप सभी को जानकर खुशी होगी कि अपने क्षेत्र भिवाड़ी के खिलाड़ियों ने 23 मई 2025 दिन शुक्रवार को हुए खेल 2ठुस्र नेशनल मार्शल आर्ट गेम 2025 में बहुत अच्छे से राजस्थान राज्य के अपने प्रदेश का खेल में प्रतिनिधित्व किया , इसके लिए सभी को बहुत-बहुत बधाई हो, जिसमें कई राज्यों के खिलाड़ियों ने भाग लिया राजस्थान,हरियाणा ,पंजाब बंगाल,उत्तर प्रदेश,मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना , केरल, के 350 से अधिक खिलाड़ी आए थे जिसमें मोहित ने आयु वर्ग 13 साल और भार वर्ग 37 किलोग्राम में गोल्ड मेडल हासिल किया। कनिष्क यादव ने आयु वर्ग 13 साल और भार वर्ग 52 किलोग्राम में गोल्ड मेडल हासिल किया व विशाल सिंह ने आयु वर्ग 18 साल भार वर्ग 50 किलोग्राम में ब्रोंज मेडल हासिल किया । ज्ञात रहे कनिष्क यादव पूर्व में भी राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल जीत चुका हैं । सभी बच्चों ने अपने राज्य और क्षेत्र, समाज का नाम रोशन किया युवाओं का धीरे-धीरे खेल जगत में रुचि देखने को मिल रही है डॉक्टर संदीप कौर प्रेसिडेंट मार्शल आर्ट गेम फेडरेशन ऑफ़ इंडिया ,दीपक जैन वाइस प्रेसिडेंट ,दीपक अग्रवाल जनरल सेक्रेटरी, श्री रजनीश चौधरी ट्रेजरर जी ने भी बच्चों को आशीर्वाद दिया और प्रोत्साहन बढ़ाया इसके लिए उनका दिल से धन्यवाद, कोच हेमंत ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की भिवाड़ी पहुंचने पर सभी खिलाड़ियों का धूमधाम से स्वागत किया गया यादव समाज के पूर्व अध्यक्ष सुभाष यादव जी और गगन तंवर पार्षद, महेंद्र सिंह, प्यारे लाल, सुरेश कुमार, नवीन यादव, योगेंद्र सिंह, सुनीता यादव जी, सीमा यादव, रीना यादव, सुमन यादव, रवि कुमार जी,मौके पर मौजूद रहे ।

जिला कलक्टर ने तालेड़ा उपखंड में चल रहे विकास कार्यों का किया निरीक्षण

बढ़ता राजस्थान

बूंदी, (नि.स.)। जिला कलक्टर अक्षय गोदारा ने शुक्रवार को तालेड़ा उपखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों में संचालित विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जल शोधन संयंत्रों, पंप हाउस, निर्माणाधीन सामुदायिक भवन और सड़क निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।जिला कलक्टर ने मांगली स्थित पंप हाउस का निरीक्षण किया और पंपों की क्षमता के बारे में जानकारी लीं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुराने पंपों को बदलकर नए पंप स्थापित करने की प्रक्रिया को जल्द पूरा किया जाए। इसके बाद उन्होंने जाखमुंड में स्थित जल शोधन संयंत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने संयंत्र की कुल क्षमता की जानकारी ली और अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्लांट को पूरी क्षमता से चलाया जाए और संचालन में आने वाली अन्य समस्याओं को शीघ्र दूर किया जाए। उन्होंने वर्तमान में चल रहे निर्माण कार्यों को बेहतर कार्य योजना बनाकर तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए ताकि आमजन को पेयजल की समस्या का सामना न करना पड़ें। धनेश्वर में निर्माणाधीन सामुदायिक भवन का अवलोकन करते हुए जिला कलक्टर ने अब तक पूरे हो चुके निर्माण कार्य की समीक्षा की। उन्होंने कार्य आदेश, कुल लागत, भुगतान की वर्तमान स्थिति और कार्य पूर्णता आदि के बारे में जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। माडा योजना के तहत सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा कराए जा रहे सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण भी जिला कलक्टर द्वारा किया गया। इस दौरान वन विभाग की ओर से निर्माण कार्य में आ रही समस्याओं के संबंध में उन्होंने दोनों विभागों को आपसी समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर गोदारा ने विकास कार्यों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने पर जोर दिया। जिला कलक्टर ने डाबी स्थिति गौशाला का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने गौवंश के लिए चारे, पेयजल आदि की व्यवस्था देखी। साथ ही गोबर गैस प्लांट का अवलोकन कर आवश्यक जानकारी लीं। इसके बाद उन्होंने गणेशपुरा में पंप हाऊस का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि पेयजल आपूर्ति के समुचित प्रबंध रहें।

इस दौरान जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि वर्मा, तालेड़ा विकास अधिकारी नीता पारीक, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधीक्षण अभियंता सुनील कुमार शर्मा, आरयूआईडीपी की अधिशाषी अभियंता सोनम शर्मा, स्वच्छ भारत मिशन के जिला समन्वयक निजामुद्दीन व अन्य अधिकारी उपस्थित रहें।

अजमेर जिला ग्रामीण पत्रकार समिति के टेलर संरक्षक व राठौड़ अध्यक्ष किया मनोनीत

बढ़ता राजस्थान

अजमेर (घनश्याम दास)। अजमेर जिला ग्रामीण पत्रकार समिति का आज हुआ गठन, ग्रामीण पत्रकार से का आयोजन कार्यक्रम भिनाय उपखंड क्षेत्र के ग्राम नागोला में आज प्रदेश ग्रामीण पत्रकार समिति राजस्थान के अध्यक्ष

श्री विजय कुमार पाराशर व महासचिव श्री राजेश वर्मा के मुख्य आतिथ्य एवं अजमेर जिला अध्यक्ष श्री घनश्याम सिंह राठौड़ की अध्यक्षता में अजमेर जिला ग्रामीण पत्रकार समिति कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया।

जिसमें संरक्षक पद पर श्री राजेन्द्र टेलर भिनाय और अध्यक्ष - घनश्याम सिंह राठौड़ नागोला नियुक्त किया गया। इस दौरान उपाध्यक्ष - जितेन्द्र सिंह राठौड़ बनेवडा, महामंत्री- राजेश शर्मा अरांई, सचिव - ओम प्रकाश साहू नागोला,सह सचिव - राजेश गुलेनिया अरांई, कोषाध्यक्ष --

रितेश मिश्रा भिनाय, संगठन प्रभारी- घनश्याम दास कैरोट, प्रचार प्रसार प्रभारी - कमलेश उदय लोहरवाड़ा एवं कार्यकारिणी सदस्य - बाल किशन शर्मा (बड़लिया) व हीरा लाल नील को मनोनीत किया गया।

इसी क्रम में अजमेर जिले में ग्रामीण क्षेत्र में उपखंड स्तरीय अध्यक्षो की सूची तैयार की गयी। जिसमें भिनाय से ओम प्रकाश भट्ट, पीसांगन से अनिल कुमावत, नसीराबाद से मुकेश वैष्णव,अंराई से रणजीत सिंह धोलपुरिया , सरवाड़ से नाथू लाल जांगिड़ व केकड़ी से कमलेश कीर को पृथक पृथक उपखंड अध्यक्ष मनोनीत कर शीघ्र कार्यकारिणी गठित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में भीलवाड़ा जिलाध्यक्ष राजेश शर्मा व बांदनवाड़ा चंद्र प्रकाश टेलर,पूरण मल उदय आदि उपस्थित थे।

इस अवसर पर संरक्षक टेलर एवं अध्यक्ष राठौड़ ने बताया कि ग्रामीण पत्रकार आज भी अपने आपको ठगा सा महसूस करता है, जिनके सर्वांगीण विकास व उत्थान के लिए हम ओर हमारा संगठन हमेशा तत्पर है। तथा सरकार को भी हम मौका दर मौका अपने अधिकार के लिए याद दिलाएंगे।

नरेश के मामले में सारा राजस्थान आपकी और देख रहा है

जनप्रतिनिधियों बुजुर्गों सामाजिक लोगों से किए गए वादों को पूरा करने से लोकतंत्र होता है मजबूत : गुंजल

जनता का विश्वास बना रहे इसकी जिम्मेदारी शासन के मुखिया की

बढ़ता राजस्थान

कोटा (विनोद गौड़)। कोटा से लोकसभा प्रत्याशी रहे प्रहलाद गुंजल ने प्रदेश के मुखिया भजनलाल शर्मा को मार्मिक अपील करते हुए एक वीडियो जारी किया है। जिसमें उन्होंने संवाद से लोकतंत्र की परंपरा को जिंदा रखने की परम्परा का उदाहरण दिया। गुंजल ने कहा की सभी समाज के लोगों ने 25 फरवरी को विधानसभा घेराव का आवाह्न किया था। लेकिन नरेश मीणा के पिता ने आगे बढ़कर आपसे बात की और सार्वजनिक रूप से सरकार और मुख्यमंत्री पद के प्रति विश्वास जताते हुए लोगों से सौहार्द और शांति की अपील की।

आपने एक पिता,एक बुजुर्ग,एक सामाजिक प्रतिनिधि को वादा किया था । जिसे आपने अभी तक पूरा नहीं किया। जनता इस तरह के वादे करके भूलने वालों को माफ नहीं कर सकती । गुंजल यही नहीं रुके, मुख्यमंत्री को व्यक्तिगत रूप से निशाने पर लेते हुए गोपालगढ़ कांड की याद दिला दी। और कहा कि जब भाजपा सरकार आई तब आपको भी तो राहत मिली थी । व्यक्तिगत गुस्से गलती को राजनेतीक टकराव बनाने की भूल कर रहा है शासन सत्ता से राजनेताओं का और जनता का टकराव लोकतंत्र की परंपराएं हैं। सरकारें जनता में जन भावनाओं को देखते हुए कितनी ही बार इस तरह के मुकदमों को वापस लेती रही है। गुर्जर आंदोलन का उदाहरण देते हुए 302,जैसे गंभीर धाराओं में भी राज्य सरकारों ने राजकीय मुकदमे वापस लिए है,तो फिर ऐसी कौन सी मजबूरी है कि एक नौजवान के द्वारा गुस्से में कोई घटना घटित कर देने पर उसको इस तरह से शिकंजे में कस लिया गया है । आखिर लोकतांत्रिक मर्यादाओं को भी प्रदेश के मुखिया को ध्यान में रखना चाहिए। प्रदेश के मुख्य होने के नाते भजन लाल को एक उम्र दराज व्यक्ति से किए गए वादों पर कायम होना ही चाहिए। प्रदेश की जनता में आपके प्रति जो गलत संदेश जा रहा है । उससे केवल एक पार्टी के मुख्यमंत्री के राज की नहीं,,,बल्कि राजकीय-साख प्रभावित हो रही है।

जनता के सामने अच्छा दिखने की कोशिश : लोगों को अच्छा दिखाने के लिए करोड़ों रुपए की निजी संपत्ति का नुकसान होने के बावजूद भी थोड़ा सा मुआवजा देने से, घाव नहीं भरने वाले बड़ा दिल रखना पड़ेगा।

मुआवजा जनता के सामने अच्छा दिखाने की कोशिश : लोगों को अच्छा दिखाने के लिए करोड़ों रुपए की निजी संपत्ति का नुकसान होने के बावजूद भी थोड़ा सा मुआवजा देने से, घाव नहीं भरने वाले बड़ा दिल रखना पड़ेगा।

ट्रैक्टर की टक्कर से मोटरसाइकिल सवारमहिला, पुरुष की हुई मृत्यु

भिनाय से बान्दनवाडा रोड़ स्थित पांच दुकानों के पास की हैं घटना

बढ़ता राजस्थान

अजमेर (घनश्याम दास)। अजमेर जिले के भिनाय के निकटवर्ती ग्राम छछुंदरा भिनाय - बान्दनवाडा रोड़ स्थित पांच दुकानों के पास रविवार तड़के ट्रैक्टर की टक्कर से मोटरसाइकिल पर सवार एक महिला एक पुरुष की मृत्यु हो गई। वहीं एक व्यक्ति घायल हो गया। थानाधिकारी ओमप्रकाश ने बताया कि छछुंदरा निवासी रामदेव बैरवा ने रिपोर्ट दी कि दिनांक 24-05-25 को रात्रि में करीबन 1.00 बजे मेरी भोजाई मीरा की तबीयत खराब होने में मेरा भाई धर्मा पुत्र की पेमा, दीपक बैरवा मोटरसाईकिल पर मीरा को भिनाय अस्पताल लेकर जा रहे थे । तभी 5 दुकानो के पास भिनाय रोड़ पर पहुंचे कि पीछे से एक नीले रंग का ट्रेक्टर आया और ट्रैक्टर चालक ने मोटर साईकल चला रहे धर्मा की मोटर नाईकिल के पिछे जोरदार टक्कर मार दी। जिसके कारण तीनों के गम्भीर चोट आई । मीरा व दीपक के सिर में चोट आने से दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। बांदनवाड़ा की तरफ से आ रहे कानसिंह रावत निवासी गोवर्धनपुरा वाला ने सम्भाला और 108 एम्बुल में मेरे भाई धर्मा को अजमेर रैफर कर दिया जहां उसका ईलाज चल रहा है। मौके से ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर को लेकर फरार ही गया। पुलिस ने शिवराज पुत्र रामदेव निवासी छछुन्दरा की ओर से रिपोर्ट दर्ज कर दोनों मृतकों केशव विनायक चिकित्सालय के चीरघर में पहुंचा है तथा शनिवार सुबह पंचायत नामा करवा कर शव परिजनों के सुपुर्द किए।

फुलिया कला पुलिस पर रिपोर्ट दर्ज नहीं करने का गंभीर आरोप

निर्माणाधीन दीवार ढहाने के मामले में एडीएसपी से लगाई न्याय की गुहार

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा/ ग्रामीण (के एम कुरेशी)। जिले के शाहपुरा के खामोर में गत दिवस निर्माणाधीन दीवार ढहाने के उलाहने के बाद हुए विवाद के मामले में फूलिया कलां पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज नही करने, गिरफ्तार करने व झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देने के खिलाफ दूसरे पक्ष के प्रहलाद पुत्र हीरा बलाई एवं गोदी पुत्र नंदा बलाई निवासी खामोर ने पुलिस अधीक्षक के नाम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश आर्य शाहपुरा कार्यालय पर रीडर को परिवाद प्रस्तुत किया। जानकारी के अनुसार परिवाद में प्रहलाद ने बताया कि वह अपने हिस्से के मकान में वर्षों से परिवार सहित रह रहा है। जर्जर होने से उसका पुन: निर्माण करवा रहा हैं।गत दिवस आरोपी रामरतन पुत्र बद्री बलाई, राम लक्ष्मण पुत्र बद्री बलाई, डाली, बाली पुत्री लादू बलाई, लादू पुत्र उदा बलाई, कमला पत्नी लादू बलाई, कमला पत्नी बद्री बलाई ने निर्माणाधीन दीवार को बार-बार ढहा देते हैं।जिसकी रिपोर्ट 21 मई को पुलिस थाना फूलिया कलां में दी।इससे बावजूद गुस्साए आरोपियों ने गैंती, फावड़ा, सरिए, कुल्हाड़ी से हमला कर दिया।आरोपी रामरतन और रामलखन ने मेरी बहन अन्नू से छीना-झपटी की और सोने की रामनामी एवं सोने का मांदलिया छीन लिए। रामरतन ने कुल्हाड़ी से अन्नू के सिर पर वार किया जिससे गहरा घाव हो गया और वह बेहोश हो गई। उसके चिल्लाने की आवाज पर मां गुमानी देवी आई तो लादू, कमला पत्नी लादू एवं कमला पत्नी बद्री ने मां पर लकड़ी से वार किया तथा ईट मारी जिससे मां बहोश हो गई।मां की सोने की नथ बाली एवं लादू छीनकर ले गए।प्रहलाद ने रिपोर्ट में कहा कि पुलिस ने उसकी रिपोर्ट पर कोई कार्यवाही नहीं की।उल्टा मेरे भाई एवं हमें गिरफ्तार करने,झूठे मुकदमें में फंसाने की धमकी दे रहे हैं।उसने परिवाद देकर कानूनी कार्यवाही की मांग की। जानकारी के अनुसार फुलिया कलां पुलिस की कार्यशेली को लेकर कई बार सवालों के घेरे में आ चुकी थी।

त्रिशूल दीक्षा,धर्म सभा एंव भजन संध्या नैनवां में आज डॉ तोगड़िया एंव संत प्रकाश दास होगें चीफ गेस्ट

बढ़ता राजस्थान

नैनवां, (टी.आर सैनी)। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के संस्थापक अध्यक्ष डॉक्टर प्रवीण भाई तोगड़िया रविवार को नैनवां प्रवास पर रहेंगे। सीताराम सैनी विभाग उपाध्यक्ष राष्ट्रीय बजरंग दल ने बताया कि डॉक्टर तोगड़िया जयपुर से सड़क मार्ग से सायं 4बजे नैनवां पहुंचेंगे। नैनवां आगमन पर तोगड़िया का भव्य स्वागत किया जायेगा। सायं 5.00बजे श्री गोपाल गौशाला में आयोजित त्रिशूल दीक्षा एवं धर्म सभा में मुख्य वक्ता होंगे। त्रिशूल दीक्षा एवं धर्म सभा कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बूंदी एवं टोंक जिले के संगठन के कार्यकर्ताओं के साथ साधु संत,किसान, गौ सेवक, व्यापारी, एवं युवा भाग लेंगे। धर्म सभा के पश्चात भजन संध्या का आयोजन होगा। जिसमें संत प्रकाशदास अपने भजनों की प्रस्तुतियां देंगे। कार्यक्रम प्रभारी उमेश बजरंगी, अरविंद जांगिड़, राष्ट्रीय बजरंग दल तहसील अध्यक्ष उत्तम पांचाल,नगर अध्यक्ष रवि सिंह शक्तावत, संगठन मंत्री बालकृष्ण गुर्जर, मुकेश कुमार, छोटू लाल नागर, चैतन नामा, अशोक आदि कार्यकर्ता कार्यक्रम स्थल पर व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे रहे हैं।

कार्यक्रम स्थल का पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने निरीक्षण कर कार्यकर्ताओं से कार्यक्रम संबंधित जानकारी ली। श्री गोपाल गौ शाला में आयोजित कार्यक्रम को लेकर विशाल पाण्डाल बनाया गया है। कार्यक्रम में आने वाले अतिथियो के लिए अलग अलग व्यवस्था की गई है।

कोटा में मनाया गया स्वतंत्रता सेनानी का जयंती महोत्सव कुंवर प्रताप सिंह बारहठ के बलिदान पर डाला गया प्रकाश

बढ़ता राजस्थान

कोटा (विनोद गौड़)। स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहूति देने वाले क्रांतिकारी केसरीसिंह बारहठ के पुत्र अमर शहीद कुंवर प्रतापसिंह बारहठ की जयन्ति का समारोह आज कोटा में आयोजित हुआ। धरोहर प्राधिकरण अध्यक्ष ओंकारसिंह लखावत समारोह के मुख्य अतिथि रहे जबकि मुख्य वक्ता के रुप में कोचिंग गुरु और मोटिवेशनल स्पीकर राजवीर सिंह चलकोई ने प्रतापसिंह बारहठ के क्रांति कर्म पर भाषण देते हुये रासबिहारी बोस और सचीन्द्र नाथ सान्याल के साथ वीर प्रताप की क्रांतिकारी गतिविधियां और चांदनी चौक में लॉर्ड हॉर्डिग्ज पर बम फेंकने से लेकर बरेली जेल में यातनाएं सहते हुये दम तोडने तक प्रताप के पूरे जीवन पर प्रकाश डाला। इस दौरान कोटा संभागीय आयुक्त राजेन्द्रसिंह शेखावत,भाजपा विधायक संदीप शर्मा,पूर्व महापौर महेश विजय,डेयरी अध्यक्ष चैन सिंह राठौड़,पूर्व कुलपति प्रो. हाकमदान और और खादीबोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष पंकज मेहता भी मंच पर मौजूद रहे..समारोह के दौरान 3 श्रेणियों में वीर माता माणिक कंवर नारीशक्ति वन्दन सम्मान उमा रत्नू को,प्रतापसिंह बारहठ स्वाभिमान सम्मान सतना,मध्यप्रदेश के शहीद कर्णवीर सिंह को,जोरावरसिंह बारहठ पराक्रम सम्मान ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुये शहीद सुरेन्द्रसिंह मोगा को प्रदान किया गया।

'मेहनत की मिसाल : शानू ने विज्ञान वर्ग में 95.20प्रतिशत अंक हासिल कर किया सपनों को साकार

बढ़ता राजस्थान

कोटा (विनोद गौड़)। गुरुवार को जारी राजस्थान शिक्षा बोर्ड के 12वीं विज्ञान के परिणाम घोषित किए गए नान्ता के गौत्तम बाल विद्यालय मे पढ़ने वाली बालिका ने 95.20 प्रतिशत के साथ पूरे नदी पार क्षेत्र का नाम रोशन कर दिया। सामान्य परिवार से शानू ने जैसे ही प्रथम श्रेणी में विज्ञान वर्ग के 95.20 अंक प्राप्त करने की सूचना जैसे ही क्षेत्र में फैली लोगों व बधाई देने वालों का ताता लग गया। पायनियर कोचिंग क्लासेज के निदेशक मुकेश गुर्जर ने बताया कि छात्र बहुत ही मेहनती और लग्नशील है। छात्र का परिवार सामान्य है एवं पिता चाय का ठेला लगाते हैं हमारे कोचिंग में भी बालिका का हर टेस्ट में प्रदर्शन रहता था हमें विश्वास था की बालिका शानु जरूर टॉप करेगी।

भयंकर गर्मी में चोरो की मौज, परिवार सो रहा था,चोर ले उड़े माल भँवरलाल का जागरण में जाना, पीछे से चोर आना बना हुआ है, पहेली

बढ़ता राजस्थान

नैनवां,(टी.आर सैनी)। भयंकर गर्मी के इस सीजन में चोरो ने लोगो की नींद उड़ा रखी है। क्षेत्र में लगातार हो रही चोरिया से लोगो में डर पैदा हो गया है। पुलिस के लम्बे हाथ चोरो को पकड़ने में नाकाम हो रहे है। शनिवार की अलसुबह खानपुरा गांव के पास मानपुरा गांव में चोरी की वारदात को लेकर लोगो की भीड़ जमा हो गई। मौके पर मौजूद लोगो ने पुलिस को सुचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुँच कर चोरी की घटना का जायजा लिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार खेड़ा मानपुरा में शुक्रवार रात्रि को भँवरलाल के घर पर अज्ञात चोर मौका देख कर करीब एक लाख 45 हजार नगदी के साथ सोने चांदी के गहने चोरी करके फरार हो गया। पीड़ित पक्ष भँवरलाल ने पुलिस को दी गई रिर्पोट में बताया कि वह शुक्रवार रात्रि को जागरण में गया हुआ था। परिवारजन के लोग घर के बाहर सो रहे थे। अज्ञात चोरो ने मौके का फायदा उठाते हुए घर में घुसकर चोरी को अंजाम दिया। चोर 30ग्रांम सोने का हार,5 ग्रांम सोने के टॉफिस, 500 ग्रांम चांदी के पायजेब,250ग्रांम बच्चो के चांदी के जेवर चोरी एंव 145000 नगद रूपये चोरी करके ले गये। सवेरे देखा तो मकान के अंदर कपड़े फैले हुए थे।

93.60 अंक प्राप्त कर तस्मिया हलसोरी ने स्कूल का नाम किया रोशन

बढ़ता राजस्थान

सरवाड़-अजमेर। तस्मिया हलसोरी ने 12वीं साइंस बायोलॉजी 93.60% अंक प्राप्त कर सीनियर हायर सेकेंडरी स्कूल में पहला स्थान हासिल कर तस्मिया हलसोरी ने अपने स्कूल के साथ साथ अपने माता-पिता का नाम गौरवित किया है। तस्मिया के पिता जमील अहमद मोटर पार्ट्स की दुकान करते व माता एक गृहणी है। परिणाम आने के बाद तस्मिया हलसोरी को मोहल्ले वाले व रिश्तेदार द्वारा सोशल मीडिया पर बधाई देने का दौरा जारी है।वही तस्मिया हलसोरी के रिश्तेदारो उसका मुंह मीठा करा कर उसे बधाई देकर हौसला अफजाई किया है।जहा पहले देशवाली समाज शिक्षा के क्षेत्र में काफी पिछड़ा हुआ था। लेकिन इन दस सालों में सरवाड़ के देशवाली समाज की लड़कियां टॉपर की लिस्ट में अपना नाम लगातार लाकर यह साबित कर दिया है।

ऑपरेशन सिंदूर के तहत अजमेर में कल महिलाओं द्वारा निकाली जाएगी सिंदूर यात्रा

यात्रा में सिंदूर के कलर का रखा गया है महिला का ड्रेस कोड

बढ़ता राजस्थान

अजमेर (घनश्याम दास)। अजमेर दक्षिण से भाजपा विधायक अनिता भदेल को मिली संयोजक की जिम्मेदारी, जिसपर कई अन्य संगठन व समाज होंगे यात्रा में शामिल, , सभी को लाल रंग की ड्रेस पहनने का किया आग्रह, कल शाम 5 बजे आयोजित होगी यात्रा, यात्रा के माध्यम से ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए भारतीय सेना का जताया जाएगा आभार।

प्रशासन मौन : कालीबंगा पीलीबंगा में बेखौफ हैं खनन माफिया, धड़ल्ले से हो रहा मिट्टी का धंधा

- जिले में खनन माफियाओं के हौसले बुलंद दिन हो या रात बेखौफ खोद कर ले जा रहे घग्घर नदी से मिट्टी
- खननमाफियाओं के हौसले दिनों दिन बढ़ रहे हैं, खनन विभाग मूकदर्शक बनकर यह सब देख रहा है

बढ़ता राजस्थान

हनुमानगढ़ (राजेश खारडू)। जिले के ईंट भट्ठे के संचालको द्वारा घग्घर नदी से प्रतिदिन 700 से 800 ट्रक व ट्रॉली से मिट्टी जेसीबी मशीन से खुदाई कर मंगाई जा रही है। इस कार्य में 50 के करीब ट्रैक्टर-ट्रॉलियां व इतने ही डम्पर ट्रक लगे हुए हैं, जो दिनभर नदी से मिट्टी की अवैध ढुलाई कर रहे हैं। ऐसा नहीं है कि धड़ल्ले से चल रहे अवैध खनन की प्रशासन को खबर तक नहीं है। ऐसे में प्रशासन की भूमिका मिलिभगत सामने दिखाई दे रही है। खनन माफिया द्वारा न तो जिला कलेक्टर के आदेशों की बल्कि राजस्थान सरकार के कम भजनलाल शर्मा के आदेशों की भी धज्जियां सरेआम उड़ाई जा रही है एक तरफ तो राजस्थान सरकार ने खनन माफिया पर लगाम लगाने के लिए इन पर ठोस कार्रवाई करने के आदेश जारी किए हुए हैं लेकिन हनुमानगढ़ जिले में राजस्थान सरकार के आदेशों को हवा में उड़ा रखा है मीडिया के माध्यम से एवं समाचार पत्रों के माध्यम से भी आवाज़ उठती रही है कि घग्गर नदी के अस्तित्व को बचाया जा सके लेकिन पीलीबंगा शहर के निकटवर्ती कालीबंगा के पास घग्गर नदी में से लंबे समय से मिट्टी का अवैध खनन किया जा रहा है लेकिन संबंधित विभाग ने आज तक इन खनन माफिया के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। खनन माफिया पर लगाम लगाने के लिए राजस्थान सरकार के सीएम भजनलाल शर्मा ने खनन माफिया पर सक्त कार्रवाई करने के आदेश फरमाए हुए हैं लेकिन इन आदेशों को हवा में उड़ा खनन माफिया बैखौफ होकर घग्घर नदी से अवैध मिट्टी खनन कर रहे हैं। जिले में कुछ दिन पूर्व में घग्गर नदी से अवैध मिट्टी खनन रोकने के लिए जिला कलेक्टर ने एक बैठक आयोजित कर टीम गठित की थी ओर अब अवैध खनन पर रोक लगाने के लिए बना कानून खनन माफियाओं के आगे दम तोड़ता साफ दिख रहा है। घग्गर नदी का सीना छलनी कर रहे इन माफियाओं पर सख्ती से रोक लगाने के लिए खनन विभाग के पास ऐसा कोई कानून नहीं है, जिसका भय दिखाकर इन पर सख्ती बरती जा सके। जिला प्रशासन अधिकारी के आदेशों के बावजूद भी घग्गर नदी से खनन माफिया बैखौफ होकर रात दिन मिट्टी निकाल रहे हैं। जिले के उपखंड क्षेत्र के घग्गर नदी किनारे लगभग आधा दर्जन गांवों में मिट्टी का अवैध उत्खनन और परिवहन धड़ल्ले से जारी है। मिट्टी माफिया बेखौफ होकर दिन-रात 'हनुमानगढ़ की जीवन दायनी' कही जाने वाले घग्गर नदी से बेहिसाब मिट्टी निकाल कर नदी के अस्तित्व को खतरे में डाल रहे हैं। पीलीबंगा से महज 3 से 4 किलोमीटर दूर गांव कालीबंगा, पीलीबंगा गाँव व कालीबंगा कैंची से रावतसर सड़क सहित घग्गर नदी के किनारे स्थित अनेक गांवों में मिट्टी का अवैध उत्खनन जारी है। लेकिन राजस्थान खनिज विभाग और स्थानीय प्रशासन की नजर इस पर नहीं जा रही।

सूत्रों के अनुसार, इन जगहों पर राजनीतिक और प्रशासनिक संरक्षण के कारण कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। लगता है खनिज विभाग की टीम भी बेबस और लाचार नजर आ रही है। जब सूत्रों द्वारा अवैध मिट्टी खनन का जायजा लिया तो यहां माफिया पर नकेल कसने के दावे बेअसर प्रतीत हुए। प्रशासनिक छत्र छाया का इतना असर जरूर है कि दिन में खनन कम होता है लेकिन रात को बदस्तूर जारी हो जाता है। लोग बताते हैं कि खनन माफिया की नेताओं से सांठगांठ व संरक्षण से इनके हौसले बुलंद हैं। अवैध खनन से छलनी हुई खड्डों के साथ लगती किसानों की उपजाऊ भूमि भूकटाव से बह रही है। कुछ क्षेत्रों में तो खनन माफिया ने किसानों की भूमि को भी निशाना बनाने में कोई कसर नहीं रखी है। और ये अवैध मिट्टी खनन कर यहा से ओवरलोडिंग ट्रेक्टर ट्राली, डम्पर, व ट्रकों में लोड होकर ईंट भट्टो पर सोने के भाव बैची जा रही। अब सवाल तो यही उठता है कि क्या खनन माफियाओं पर संबंधित विभाग आखिर क्यों नहीं कार्रवाई करना चाहते हैं, क्या कही राजकोष को हानी पहुंचा अधिकारी गुलाबी गुलदस्ते के चक्कर में तो नही है?

कंचनपुर के मुरावली में प्रशासन ने खाली करवाई 14 बीघा भूमि

राजस्व विभाग की टीम ने पीला पंजा और ट्रैक्टर चलाकर पुलिस के सहयोग से दिया अंजाम

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी (राजू शर्मा)। उपखंड के कंचनपुर थाना क्षेत्र के मुरावली गांव में प्रशासन और राजस्व विभाग की टीम ने कंचनपुर पुलिस के सहयोग से 14 बीघा भूमि से अतिक्रमण हटाया है। ट्रैक्टर और जेसीबी चलाकर उक्त कार्रवाई को अंजाम दिया गया है। उक्त मामले की शिकायत ग्रामीण विधाराम पुत्र जंडेल सिंह ने मुख्यमंत्री कार्यालय और गूगल ड्राइव पर की थी। जिस पर धौलपुर कलेक्टर श्रीनिधि बीटी के निर्देश पर बाड़ी एसडीएम भगवत शरण त्यागी के सुपरविजन में बाड़ी तहसीलदार उत्तमचंद बंसल ने टीम गठित कर कार्रवाई की है।

राजस्व टीम का नेतृत्व कर रहे भू अभिलेख निरीक्षक हरवेंद्र सिंह ने बताया 6 मई को उनके नेतृत्व में भू अभिलेख निरीक्षक अमरकांत त्यागी,पटवारी सतीश सोलंकी,जितेंद्र मौर्य,दीपक गौड़,रामनिवास भोंदू और महावीर सिंह की टीम का गठन किया गया था। टीम द्वारा मौके पर पहुच पैमाइश और जांच की गई। जहां अतिक्रमण पाए जाने पर प्रशासन को अवगत कराया गया। ऐसे में तहसीलदार उत्तमचंद बंसल के निर्देशन में कंचनपुर पुलिस के सहयोग से आज अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की है। जिसमे जेसीबी और ट्रैक्टर चलाकर करीब 14 बीघा भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया है।

उक्त अतिक्रमण की शिकायत पीड़ित काश्तकार विद्याराम पुत्र जंडेल सिंह ने मुख्यमंत्री कार्यालय और गूगल ड्राइव पर की थी।

श्योरानी में रात्रि चौपाल; जिला कलेक्टर ने सुनी 42 से अधिक परिवेदनाए, पेयजल, बिजली और सड़कों से जुड़े रहे प्रमुख मुद्दे

'मैं आईएएस बनना चाहती हूं, आपकी तरह' - श्योरानी की एकता ने जिला कलेक्टर से कही दिल की बात

बढ़ता राजस्थान

हनुमानगढ़ (राजेश खारडू)। नोहर ब्लॉक की श्योराणी ग्राम पंचायत में शुक्रवार को आयोजित रात्रि चौपाल में एक विशेष दृश्य देखने को मिला, जब 12वीं कला वर्ग में 93.20 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाली छात्रा एकता ने जिला कलेक्टर श्री काना राम से कहा— मैं आईएएस बनना चाहती हूं, आपकी तरह। इस प्रेरणादायक पल ने न केवल उपस्थित जनसमूह को भावुक किया, बल्कि छात्राओं में आत्मविश्वास और बढ़ाया। दरअसल जिला कलेक्टर श्री काना राम शुक्रवार को रात्रि चौपाल के लिए श्योराणी पहुंचे थे। चौपाल में उन्होंने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, श्योराणी के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। इस मौके पर एकता, समेस्ता, पुष्पा, अंकिता, अखिल और पूजा को विशेष रूप से सम्मानित किया गया, जिन्होंने 90 फीसदी से अधिक अंक प्राप्त किए थे। जिला कलेक्टर ने होनहार छात्राओं के अभिभावकों को बच्चियों की

पढ़ाई जारी रखने हेतु प्रेरित किया। रात्रि चौपाल के अवसर पर 'मानस नशा मुक्त भारत अभियान' के अंतर्गत कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिला कलेक्टर ने विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया।

42 से अधिक परिवेदनाओं की सुनवाई, पेयजल, बिजली और सड़कों से जुड़े रहे प्रमुख मुद्दे : चौपाल में जिला कलेक्टर ने ग्रामीणों से 42 से अधिक परिवेदनाएं प्राप्त की। विद्युत पोल सुधार, जल जीवन मिशन के तहत ढाणियों में पेयजल कनेक्शन, हड्डरोडी के लिए भूमि आवंटन, केटल शेड स्वीकृति, इंटरलॉक सड़क निर्माण, पीएम आवास योजना के तहत मकान निर्माण, तथा रातूसर में उपस्वास्थ्य केंद्र स्वीकृति जैसे मुख्य मुद्दे शामिल रहे। ललानिया पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि श्री सुभाष डूडी ने गांवों को जोड़ने हेतु ग्रेवल सड़कों की स्वीकृति का ज्ञापन सौंपा।

जिला कलेक्टर ने कहा कि इस ग्राम पंचायत में अभी तक चिट्टा व अन्य मेडिकेटेड नशा नहीं फैला है, परन्तु सतर्कता बरतना अत्यंत आवश्यक है।

इस मौके पर जिला कलेक्टर सहित नोहर एडीएम श्रीमती संजू पारीक, एसडीएम श्री पंकज गढ़वाल, पंचायत समिति प्रधान श्री सोहन ढील, एसीईओ श्री देशराज बिश्नोई, श्योराणी सरपंच श्री रमेश सहारण, ललानिया के सरपंच प्रतिनिधि श्री सुभाष डूडी, तहसीलदार श्री बजरंग लाल, बीडीओ सहित जिला स्तरीय अधिकारी और ग्रामीण मौजूद रहें।

नगरपरिषद ने चलाया निराश्रित पशुओं को पकड़ने का अभियान, खुले में घूमते 113 पशु किए जब्त

बढ़ता राजस्थान

हनुमानगढ़ (राजेश खारडू)। नगरपरिषद हनुमानगढ़ की टीम द्वारा इस सप्ताह टाउन एवं जंक्शन क्षेत्र में निराश्रित एवं दुधारू पशुओं को पकड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। यह अभियान उन पशुओं के विरुद्ध था जो आम सड़कों पर खुले में घूमते हुए आवागमन में बाधा उत्पन्न कर रहे थे।

अभियान के तहत 23 व 24 मई को टाउन क्षेत्र के भट्टा बस्ती, अम्बेडकर चौक, सिविल लाइन, चुना फाटक एवं गांधी नगर इलाकों से 80 पशुओं को तथा जंक्शन बाजार क्षेत्र से 33 पशुओं को पकड़ा गया। इन सभी को नंदी शाला, बाजार क्षेत्र गौशाला एवं कैनाल कॉलोनी गौशाला में सुरक्षित रूप से अवरोधित किया गया। इस दौरान स्वच्छता निरीक्षक श्रीमती रमनदीप कौर द्वारा आमजन को समझाइश की गई कि वे अपने पशुओं को खुले में छोड़ने के बजाय बाड़े में ही रखें। अभियान की कार्रवाई हल्का इंचार्ज श्री विनोद कण्डा एवं श्री बलवंत कुमार के सहयोग से संपन्न की गई। नगरपरिषद हनुमानगढ़ ने

पशुपालकों से अपील की है कि वे अपने पशुओं को सड़कों पर न छोड़ें। खुले में छोड़े गए पशुओं को जब्त कर लिया जाएगा एवं उनके विरुद्ध चालान की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, जब्ती एवं देखरेख से संबंधित समस्त हर्जे-खर्चे की जिम्मेदारी पशुपालक की होगी।

बिजौली के अटल सेवा केंद्र पर आयोजित हुई रात्रि चौपाल धौलपुर एडीएम सहित उपखण्ड के सभी अधिकारी रहे मौजूद

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी (राजू शर्मा)। उपखण्ड की बिजौली ग्राम पंचायत के अटल सेवा केंद्र पर शुक्रवार की रात एडीएम हरिराम मीणा की मौजूदगी में रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामीणों ने बिजली,पानी सहित 08 परिवाद प्रशासन के सामने रखे। एडीएम हरिराम मीणा ने मौके पर आई सभी समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए। बाड़ी एसडीएम भगवत शरण त्यागी ने बताया कि शुक्रवार की रात रात्रि चौपाल बिजौली के अटल सेवा केंद्र पर

आयोजित हुई। जिसमें ग्रामीणों ने बिजली बिल ज्यादा आने,जल जीवन मिशन के अंतर्गत लगाए गए नल कनेक्शन में पानी नहीं आने के साथ गांव में खुदी पड़ी सड़क की शिकायत की साथ में गांव में नया आंगनबाड़ी केंद्र खोलने, गांव के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय की चारदीवारी कराने की मांग की गई। वही भीषण गर्मी के दौर में ग्रामीणों को पानी की समस्या को देखते हुए हेडपंप लगाने की भी मांग की गई है। उक्त समस्याओं के समाधान को लेकर संबंधित विभागों की अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

रात्रि चौपाल के दौरान बाड़ी तहसीलदार उत्तम चंद बंसल, बिजली विभाग के एईएन आरडी मीना,जेईएन कुलदीप शर्मा,जलदाय विभाग के एक्सईएन देशराज गुर्जर,एईएन चेतन सिंह,महिला एवं बाल विकास विभाग के सीडीपीओ अर्पित श्रीवास्तव,बाड़ी ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कल्याण प्रसाद मीणा और पीडब्ल्यूडी एईएन नागेंद्र सिंह परिहार मौजूद रहे।

बाड़ी में अवैध खनन को लेकर चलेगा विशेष अभियान : एसडीएम की वन विभाग और राजस्व विभाग के साथ बैठक, संयुक्त कार्रवाई की तैयारी

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी (राजू शर्मा)। बाड़ी में अवैध खनन रोकने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। कलेक्टर ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सभी एसडीएम, तहसीलदार, सीओ और खनिज विभाग एवं वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए। इसी क्रम में बाड़ी एसडीएम भगवत शरण त्यागी ने आज अपने कार्यालय में बैठक आयोजित की। बैठक में आधा दर्जन थानों के एसएचओ, बाड़ी सीओ, वन विभाग और राजस्व विभाग के अधिकारी शामिल हुए। एसडीएम त्यागी ने सभी विभागों को संयुक्त कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभागों को आपसी समन्वय से काम करना होगा। एसडीएम ने बताया कि धौलपुर जिले में डांग इलाके में चंबल किनारे और सरमथुरा क्षेत्र में सबसे ज्यादा अवैध खनन होता है। अवैध खनन रोकने के साथ ही अवैध परिवहन पर भी कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए परिवहन विभाग को विशेष जिम्मेदारी दी गई है।बैठक में कोतवाली, सदर, बसई डांग, सोने का गुर्जा, कंचनपुर और आंगई थाने के थाना अधिकारी मौजूद थे। इनके अलावा बाड़ी सीओ महेंद्र कुमार, तहसीलदारउत्तम चंद्र बंसल, वन विभाग रेंजर दीपक मीणा और चंबल घड़ियाल परियोजना के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

केंट्रा से टकराने के बाद ट्रक में लगी आग दोनों के चालक परिचालको कराया अस्पताल में भर्ती

बढ़ता राजस्थान

भुसावर (यतेन्द्र पाण्डेय) । भुसावर उपखंड क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 21 के थाना खेडली मोड क्षेत्र में थाने के सामने एक केंद्रा और ट्रक आपस में टकरा गए। टकराने के बाद ट्रक में आग लग गई। मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ियां द्वारा आज पर काबू पाया गया।

ओवरटेक करने के दौरान हुआ हादसा

खेड़ली मोड़ थाना अधिकारी राम निवास मीणा ने बताया- घटना देर रात करीब 1.30 बजे हुई। एक केंट्रा जयपुर की तरफ जा रहा था। जयपुर की तरफ से तरबूज से भरा ट्रक आ रहा था। तभी एक वैन ने ट्रक को ओवरटेक किया। इस दौरान ट्रक के ड्राइवर ने वैन को बचाने की कोशिश की और ड्राइवर ने ट्रक को रॉन्ग साइड ले लिया। सामने से केंट्रा आ रहा था। दोनों आपस में टकरा गए।

4 घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया

टक्कर इतनी थी कि टकराते ही जोरदार आवाज हुई और ट्रक में आग लग गई। घटना थाने के पास की थी। तुरंत पुलिस मौके पर पहुंची और दमकल की गाड़ी को मौके पर बुलाया गया। जिसके बाद ट्रक में लगी आग को बुझाया जा सका। घटना 4 लोग घायल हुए हैं। इनमें दोनों गाड़ियों के ड्राइवर और दोनों के परिचालकों हैं। जिन्हें इलाज के लिए भुसावर अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

29 मई को महाराणा प्रताप जयंती पर निकाली जाएगी वाहन रैली

बढ़ता राजस्थान

हनुमानगढ़ । महाराणा प्रताप जयंती समारोह में 29 मई गुरुवार को मनाया जाएगा। यह आयोजन मेवाड़ी परंपरा और भारतीय संस्कृति के अनुरूप होगा। इसमें सर्व समाज,राजपूत क्षत्रिय समाज की सहभागिता रहेगी। हर वर्ष ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष तृतीया को यह आयोजन होता है। महाराणा प्रताप की वीरता, शौर्य और युद्ध कौशल आज भी देशभक्ति की प्रेरणा देता है महाराणा प्रताप मेवाड़ राजवंश के महाराणा उदय सिंह और महारानी जयवन्ता बाई के जेष्ठ पुत्र थे। वे सूर्यवंशी क्षत्रिय थे। उनके कुल को प्रभु श्रीराम का वंशज होने का गौरव प्राप्त है। जब भारत पर आक्रांताओं के हमले हो रहे थे, तब आबू, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, मालवा जैसे कई राज्य अकबर की अधीनता स्वीकार कर चुके थे। ऐसे समय में महाराणा प्रताप ही थे, जिन्होंने झुकने से इनकार किया। उनके नाम से ही अकबर की सेना कांप उठती थी। वहीं एडवोकेट करणी सिंह शेखावत ने बताया कि महाराणा प्रताप के जन्म दिवस के उपलक्ष में हनुमानगढ़ में एक विराट वाहन रैली का आयोजन किया गया है राजपूत समाज के द्वारा और सर्व समाज के द्वारा सम्मिलित रूप से एक विराट कार्यक्रम किया जा रहा है 29 तारीख को यह कार्यक्रम होना है इस लिए हमने आज 26 एसटीजी पीलीबंगा में पोस्टर विमोचन कर निमंत्रण देने के लिए आज ठाकुर जी के मंदिर में आयोजन करता निमंत्रण देने के लिए पधारे और हमे निमंत्रण दिया और पीलीबंगा से राजपूत समाज जाने के लिए तत्पर और अतुल है 29 तारीख को बड़ी संख्या में हनुमानगढ़ पहुंचेंगे।

मेवाड़ के प्रसिद्ध श्री शनिमहाराज आली तीर्थ स्थल पर विशाल कलश यात्रा का आयोजन

आज से श्रीमद भागवत कथा का होगा प्रारंभ

बढ़ता राजस्थान

कपासन(नि.स.)। मेवाड़ के प्रसिद्ध शनिधाम श्री शनि महाराज आली तीर्थ स्थल पर आज रविवार से आयोजित होने वाली श्रीमद् भागवत कथा के भव्य आयोजन को श्रद्धालुओं द्वारा विशाल कलश का आयोजन किया गया। जानकारी अनुसार उपखंड क्षेत्र कपासन के आली ग्राम स्थित मेवाड़ के प्रसिद्ध शनिधाम श्री शनिमहाराज आली तीर्थ स्थल पर प्रबंधकारिणी कमेटी श्री शनिमहाराज आली एवं महंत परिवार के संयुक्त तत्वावधान में श्रीमद भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का 24 से 31 मई तक आयोजन किया जा रहा है।जिसके अंतर्गत शनिवार को श्रद्धालुओं द्वारा विविध धार्मिक अनुष्ठानों सहित विशाल कलश यात्रा का आयोजन किया गया।जिसमे बड़ी संख्या में भक्तों एवं श्रद्धालुओं ने धार्मिक गीत एवं भजनों पर झूमते- नाचते उत्साहपूर्वक भाग लिया।यात्रा की

अगुवाई ध्वज वाहक श्रद्धालुओं द्वारा की गयी।साथ ही दीपक कुमार शर्मा श्रीमद् भागवत ग्रंथ को सिर पर धारण कर चल रहे थे।विशाल कलश यात्रा मुख्य मार्गो से मंदिर परिसर पहुंचने पर विधि-विधान से व्यास पूजन किया गया। श्री शनिमहाराज आली मंदिर प्रबंध कार्यकारिणी कमेटी सचिव कालू सिंह ने बताया कि उक्त सात दिवसीय श्रीमद भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ कथा का प्रतिदिन सांय चार से रात्रि आठ बजे तक आयोजन होगा।कार्यक्रम में कथा वाचक ऋषि शास्त्री,कमेटी अध्यक्ष नरेंद्रपाल सिंह,उपाध्यक्ष माधुलाल जाट,मंत्री छगनलाल गुर्जर सहित आयोजक सदस्य लखन शर्मा, चतुर्भुज शर्मा,वनमाली प्रसाद शर्मा,पवन सांखला, गोपालकृष्ण शर्मा,कालूलाल किर,रामेश्वर सुथार,मदन सिंह राणावत ,रूपलाल गाडरी,भैरूलाल जाट आदि मंदिर कार्मिक उपस्थित रहे। उक्त भागवत कथा कार्यक्रम में 24 मई शनिवार को श्री गणेश पूजन एवं कलश यात्रा तथा श्री व्यासजी पूजन,25 मई रविवार से श्रीमद भागवत कथा प्रारंभ, 26 मई सोमवार राजा परीक्षित-शुक्र देव चरित्र-पृथ्वी धर्म संवाद,27 मई श्रृष्टि वर्णन-सती चरित्र,28 मई समुद्र मंथन-बामन अवतार-श्रीराम एवं कृष्ण जन्मोत्सव,29 मई गुरुवार श्रीकृष्ण बाल लीला-श्री गोवर्धन पूजा,30 मई शुक्रवार रास पांचध्यायी-कंश वध-रुक्मणि मंगल,31 मई शनिवार श्रीकृष्ण सुदामा चरित्र-परीक्षित मोक्ष एवं कथा विश्राम,1जून रविवार को हवन पूर्णाहुति एवं गणेश पूजन होगा।

शिक्षकों ने शैक्षणिक नवाचारों के लिए विद्यालय को भेंट किए लेपटॉप

बढ़ता राजस्थान

निवाई (का.स.)। ग्राम पंचायत राहोली में नवीन शिक्षा सत्र-2025-26 में राहोली के शिक्षक एजुकेशन को डिजिटल प्लेटफार्म पर उतारने का सपना साकार करते दिखाई दे रहे है। पीईईओ व प्रधानाचार्य डॉ.योगेन्द्र सिंह नरूका की प्रेरणा से शिक्षक गौरीशंकर चौधरी, गुलाबचन्द वर्मा व विनय वर्मा ने विद्यालय के शैक्षणिक नवाचारों के लिए तीन लेपटॉप विद्यालय को भेंट किए हैं।इससे पूर्व शिक्षक राजूलाल बैरवा व संजय व्यास ने कलर प्रिन्टर व शिक्षक गौरीशंकर चौधरी ने लेजर प्रिन्टर भेंट किया था। विद्यालय के पूर्व छात्र भी दो टीवी विद्यालय को भेंट कर चुके हैं। इसके साथ ही विद्यालय को समग्र शिक्षा राजस्थान द्वारा दिए गए इन्टरेक्टिव टीवी पैनल से पहले से ही ऑनलाइन डिजिटल कक्षाओं का संचालन हो रहा है। वहीं नवीन सत्र में विद्यार्थियों की उपस्थिति भी ऑनलाइन ऐप के द्वारा होगी। इसके साथ ही विद्यालय सोशियल मीडिया के सभी प्लेटफार्म फेसबुक, एक्स, यूट्यूब, इन्स्टाग्राम पर पहले से ही अपनी उपस्थिति दर्ज करवा रहा है।

विहिप केंद्रीय संयुक्त महामंत्री डॉ. सुरेन्द्र जैन का आह्वान, जागरूक रहें और जड़ों से जुड़े रहें

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा (अमित शर्मा)। विश्व हिंदू परिषद की दुर्गावाहिनी शौर्य प्रशिक्षण वर्ग का समापन समारोह आदर्श विद्या मंदिर, शास्त्री नगर विद्यालय में संपन्न हुआ। महानगर प्रचार-प्रसार प्रमुख विराट सोनी ने बताया कि कार्यक्रम में हनुमान टेकरी के काठिया बाबा महंत बनवारी शरण महाराज, विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय संयुक्त महामंत्री डॉ. सुरेन्द्र जैन, दुर्गावाहिनी की प्रांत सह-संयोजिका स्वीटी शर्मा, वर्ग प्रमुख प्रीति साहू, प्रांत पालक ओमप्रकाश बुलिया, प्रांत सत्संग प्रमुख रामरतन जोशी, अखिल भारतीय महिला माहेश्वरी समाज से ममता मोदानी और विद्या कॉलेज की निदेशक गीता चौधरी मंचासीन रहे। महानगर से यशोदा मंडोवरा, शिप्रा सोनी, सोनाली जांगिड़, वैदेही विजयवर्गीय, शारीरिक प्रमुख लोपामुद्रा जोशी, नहल, आयुषी, गुनगुन, तनिषा, कशिश, प्रेक्षा और आस्था आदि बहनों ने श्रीफल और दुपट्टा भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया। मंच संचालन महानगर संयोजिका यशोदा मंडोवरा ने किया।

मुख्य वक्ता डॉ. सुरेन्द्र जैन ने राष्ट्रवाद और हिंदुत्व के सर्वांगीण विकास पर उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि समर्थ हिंदू नारी ही इस देश के उत्थान का आधार बनेगी। उन्होंने कहा कि सीमा पर हमारे सैनिक लड़ लेंगे, लेकिन देश के भीतर सुरक्षा की जिम्मेदारी समाज की है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से सेना के शौर्य की सराहना करते हुए कहा कि राष्ट्र के अंदर जो हालात हैं, उनमें समाज को स्वयं जिम्मेदारी निभानी होगी। डॉ. जैन ने कहा कि दुर्गावाहिनी के इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविर आज की आवश्यकता हैं, क्योंकि विजयनगर, ब्यावर और भीलवाड़ा जैसे क्षेत्रों में लव जिहाद की घटनाएं लगातार हो रही हैं। उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों में भीलवाड़ा में 15 लड़कियों को जिहादी चंगुल से मुक्त कराया गया है। उन्होंने कहा कि बेटियों को न केवल जागरूक करना आवश्यक है, बल्कि उन्हें अपने समाज की सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ना भी उतना ही जरूरी है। समापन पर धन्यवाद ज्ञापन महानगर सह-संयोजिका शिप्रा सोनी ने किया।

गुलाबपुरा में मोटरसाइकिल चोरी की वारदातों का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार, पांच वाहन बरामद

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा / गुलाबपुरा (अमित शर्मा) । धर्मेन्द्र सिंह, जिला पुलिस अधीक्षक भीलवाड़ा के निर्देश पर संपत्ति से जुड़े अपराधों की रोकथाम हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहपुरा राजेश आर्य और वृत्ताधिकारी गुलाबपुरा जितेन्द्र सिंह के पर्यवेक्षण में, थानाधिकारी गुलाबपुरा हनुमानसिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। 2 मई 2025 को गोविन्द मारू, निवासी गुलाबपुरा ने रिपोर्ट दी कि 27 अप्रैल को उनकी मोटरसाइकिल श्यामा प्रसाद मुखर्जी उद्यान से चोरी हो गई। जांच के दौरान पता चला कि इसी स्थान और आसपास से अन्य तीन मोटरसाइकिलें भी चोरी हुई हैं। इन मामलों पर प्रकरण संख्या 158/2025 धारा 303(2) बीएनएस में मामला दर्ज किया गया। 19 मई को शाहिद लौहार ने भी इसी उद्यान से मोटरसाइकिल चोरी की रिपोर्ट दी, जिस पर प्रकरण संख्या 189/2025 दर्ज किया गया। टीम ने कार्रवाई करते हुए करण जाट, निवासी प्रतापपुरा से एक चोरीशुदा मोटरसाइकिल जब्त कर उसे गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने वाहन दिलीप और देवराज बैरवा से खरीदना स्वीकार किया। इसके आधार पर दिलीप बैरवा से एक और मोटरसाइकिल बरामद की गई, जिसने गुलाबपुरा व बिजयनगर क्षेत्र से कई वाहन चोरी करना स्वीकार किया। इसी क्रम में सांवरा वैष्णव से भी एक चोरीशुदा मोटरसाइकिल जब्त कर उसे गिरफ्तार किया गया। पुलिस टीम में हनुमानसिंह- थानाधिकारी, दिपेन्द्र सिंह, जगपाल सिंह, रमेश, कमल, बाबूलाल और रामजस शामिल थे।

चन्द्रशेखर आजाद नगर में गड्ढे और गंदगी को लेकर आम आदमी पार्टी ने उठाई आवाज

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा (अमित शर्मा)। चन्द्रशेखर आजाद नगर, वार्ड नंबर 23 के मैन चौराहे पर लंबे समय से बने गहरे गड्ढे और चारों ओर फैली गंदगी को लेकर आम आदमी पार्टी ने नाराजगी जताई है। क्षेत्र में आवागमन बेहद कठिन हो गया है और किसी बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि तीन स्तर की सरकार होने के बावजूद भी मूलभूत समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है। आम आदमी पार्टी भीलवाड़ा के प्रतिनिधि राकेश पाल ने बताया कि प्रशासन और नगर परिषद को कई बार शिकायत देने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। पाल ने प्रशासन से मांग की कि चन्द्रशेखर आजाद नगर वार्ड 23 में चौराहे पर बने गड्ढे को शीघ्र दुरुस्त किया जाए और क्षेत्र की सफाई व्यवस्था में सुधार लाया जाए, ताकि आमजन को राहत मिल सके।

भीलवाड़ा की बेटी शकीना पठान ने किया कमाल, 12वीं बोर्ड में 94.20% अंक लाकर किया पूरे परिवार और मोहल्ले का नाम रोशन

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा (अमित शर्मा)। गुलमंडी स्थित सीनियर सेकेंडरी गर्ल्स स्कूल की होनहार छात्रा शकीना पठान ने 12वीं कक्षा में 94.20प्रतिशत अंक प्राप्त कर न केवल अपने स्कूल का, बल्कि पूरे शहर और परिवार का नाम गर्व से ऊँचा कर दिया है। शकीना बानु, आबिदा बानो की लाडली बेटी हैं। वह अपने नाना-नानी के पास गुल अली नगरी, पारीक छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर रही थीं। शकीना साबिर भाई पठान की नवासी और शाहिद खान की भांजी हैं, जिन्होंने अपनी मेहनत और लगन से नाना और मामा का सपना साकार कर दिखाया। बचपन से ही शकीना शिक्षा को अपना हथियार मानकर आगे बढ़ती रही हैं। कठिन परिस्थितियों में भी हार न मानते हुए उन्होंने नाना-नानी के आशीर्वाद और मामा के मार्गदर्शन से यह मुकाम हासिल किया। उनकी इस शानदार उपलब्धि पर परिवार और मोहल्ले में खुशी की लहर दौड़ गई। मोहल्ले वालों ने मिठाइयां बांटकर अपनी खुशी का इज़हार किया। यह सफलता न सिर्फ शकीना की है, बल्कि उनके पूरे परिवार की मेहनत, समर्पण और आशीर्वाद का परिणाम है।शकीना का सपना है कि वे आगे चलकर एक प्रतिष्ठित पद पर कार्य कर अपने नाना-नानी और मामा का नाम पूरे राजस्थान में रोशन करें।

पेंशनर समाज उप शाखा गंगधार-चौमहला का जिला स्तरीय स्नेह मिलन समारोह आयोजित

बढ़ता राजस्थान

चौमहला(आबिद हुसैन)। राजस्थान पेंशनर समाज उप शाखा गंगधार-चौमहला का जिला स्तरीय स्नेह मिलन समारोह शनिवार को अग्रवाल धर्मशाला में आयोजित किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में जिले के पेंशनरों ने भाग लिया। समारोह में पेंशनर समाज की समस्याओं पर चर्चा की गई एवं 80 साल व इससे अधिक आयु के पेंशनरों का सम्मान किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि राजस्थान पेंशनर समाज के प्रदेशाध्यक्ष शंकर सिंह मनोहर, विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक सिंह चंदेल, जिला कोषाधिकारी ओमप्रकाश शर्मा, प्रदेश मंत्री नारायण सिंह भाटी, जिलाध्यक्ष भंवर सिंह राजावत रहे। अध्यक्षता स्थानीय उप शाखा अध्यक्ष रामगोपाल शर्मा ने की। प्रदेशाध्यक्ष शंकर सिंह मनोहर ने अपने उद्बोधन में कहा कि पेंशनर समाज राजस्थान का सबसे बड़ा संगठन है। सेवानिवृत्ति के बाद हमारा दायित्व और बढ़ जाता है। हमे देश व समाज के हित में अच्छे कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार की आरजेएचएस योजना पेंशनरों के लिए

कल्याणकारी योजना है। इसका लाभ ले, इसका दुरुपयोग नहीं होने दे। इसके फर्जीवाड़े को रोके उस पर ध्यान दे।

आप लोग सजग रहे। आपकी सभी समस्याओं के समाधान लिए प्रदेश नेतृत्व सदैव तत्पर है। प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक सिंह चंदेल ने पेंशनरों को उनके अधिकारों और परेशानियों के बारे में जानकारी दी। साथ ही उनके समाधान के बारे में भी बताया। समारोह में चिकित्साधिकारी डॉ राजकुमार बाघेला, स्थानीय उप शाखा के पेंशनर रमेशचंद निगम, नरपत सिंह भाटी, बद्रीदास बैरागी, रमेशचंद शर्मा, अनवर अली, पुरणमल शर्मा, मोहनलाल शर्मा, प्रेमबल्लभ भारद्वाज, श्यामसुंदर जोशी, हेमप्रकाश टेलर, विनोद निगम, दिलीप निगम आदि सहित जिले की करीब एक दर्जन उप शाखाओं के अध्यक्ष एवं सदस्य उपस्थित रहे। आभार उप शाखा अध्यक्ष रामगोपाल शर्मा ने एवं मंच संचालन प्रधानाध्यापक कुमोद शर्मा ने किया।

राष्ट्र के पराक्रमी सैनिकों के सम्मान में शहर की रैगर बस्ती से 'सिंदूर यात्रा' का आगाज हुआ

बढ़ता राजस्थान

बूंदी (अनन्त दाधीच)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रव्यापी आह्वान के तहत ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के उपलक्ष्य में राष्ट्र के पराक्रमी सैनिकों के सम्मान में शहर की रैगर बस्ती से सिंदूर यात्रा का आगाज हुआ। जिसमे महिलाओं सहित युवतियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शनिवार को रामदेव मंदिर पर आयोजित कार्यक्रम में सिंदूर यात्रा की जिला संयोजक डॉ. बृजबाला गुप्ता ने उपस्थित मातृशक्ति से कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का विजयोत्सव है सिंदूर यात्रा। यह सिंदूर यात्रा नारी शक्ति और मातृभूमि के प्रति समर्पण का प्रतीक हैं। महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष नूपुर मालव ने कहा कि यह ऑपरेशन नए भारत की अदम्य शक्ति, अटूट संकल्प और मातृशक्ति की रक्षा के प्रति समस्त भारतवासियों के सामूहिक

संकल्प शक्ति का परिणाम है। पूर्व उप जिला प्रमुख आशा मीणा ने कहा कि सिंदूर भारत की सांस्कृतिक एकता का परिचायक है। सिंदूर की रक्षा के लिए ऑपरेशन सिंदूर से आज प्रत्येक नारी स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रही हैं। इस दौरान सभापति सरोज अग्रवाल, महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष अर्चना कंवर हाड़ा, पूर्व जिलाध्यक्ष मीनू शर्मा व ललिता नुवाल, भाजपा नेत्री साधना श्रृंगी, रजनी छाबड़ा, कुसुम महावर, संतोष कंवर सहित मोहल्ले की निवासी जानकी बाई, मंजू बाई, उषा बाई सहित कई महिलाएं एवं पूर्व पालिकाध्यक्ष मोडू लाल वर्मा, पार्षद कमलेश वर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम स्थल पर नारी सुहाग के प्रतीक लाल सिंदूर सुसज्जित कलश में समर्पित कर आतंक के खिलाफ खड़े रहने की प्रतिबद्धता दोहराई। इस अवसर पर उपस्थित महिलाओं ने कहा कि महिला नेतृत्व वाली सिंदूर यात्रा में सम्मिलित होकर गर्व और सम्मान की अनुभूति हुई हैं। कार्यक्रम की शुरुआत रामदेव मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद राष्ट्र भक्ति गीत से हुई।

शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर विशाल कलश यात्रा निकाली

बढ़ता राजस्थान

चौमहला(आबिद हुसैन)। झालावाड़ जिले के चौमहला कस्बे के श्री राम हनुमान मंदिर परिसर में नव निर्मित मंदिर में शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर पांच दिवसीय कार्यक्रम की शुरुवात शनिवार से हुई प्रथम दिन कस्बे में विशाल कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा प्रात:8 .30 बजे सत्यनारायण मंदिर से प्रारंभ हुई जो नगर के मुख्य मार्गों से होती हुई राम हनुमान मंदिर पहुंची कलश यात्रा का विभिन्न धार्मिक सामाजिक संगठनों ने जगह जगह पुष्प वर्षा जलपान कर स्वागत किया। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में नागरिकों व्यापारियों धर्मप्रेमी बंधु मौजूद रहे।पंच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा को लेकर कस्बे व मंदिर परिसर में आकर्षक सजावट की गई जगह जगह स्वागत द्वार बनाए गए। कार्यक्रम के अंतर्गत 25 मई रविवार से 28 मई बुधवार तक

मंदिर परिसर में यज्ञाचार्य पंडित महेंद्र पुरोहित के सानिध्य में यज्ञ होगा,27 मई को शिव परिवार का नगर भ्रमण होगा,27 मई की रात्रि को भव्य सुंदर कांड राष्ट्रीय संत मिथलेश नागर द्वारा किया जाएगा,28 मई बुधवार को शुभ मुहूर्त में प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी शाम 4 बजे से भोजन प्रसादी का आयोजन होगा। प्राण प्रतिष्ठा को लेकर लाभार्थी परिवार प्रभुलाल राठौर ,कालूराम राठौर, ईश्वर राठौर द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां की गई है।

27 मई जयपुर पैदल मार्च की व्यापक तैयारियों को लेकर राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत की वर्चुअल बैठक का आयोजन

शिक्षकों के वाहन जत्थों का 26 मई नावा नागौर में समागम होगा

बढ़ता राजस्थान

कपासन(सुनील कुमार डभाड़ीया)। राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत के संयोजन में शिक्षकों की विभिन्न मांगों के समाधान तथा 27 मई प्रदेश मुख्यालय जयपुर में आयोजित होने पैदल मार्च की व्यापक तैयारियों को लेकर शनिवार को वर्चुअल बैठक का आयोजन किया गया।

शिक्षक संघ शेखावत चित्तौड़गढ़ जिलामंत्री सुरेश कुमार एवं जिला संयुक्त मंत्री प्रदीप चौधरी ने बताया कि शिक्षक स्थानांतरण,राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 निरस्तीकरण,शिक्षक पदोन्नति,गैर-शैक्षणिक कार्यों से मुक्ति,शिक्षक वेतन विसंगतियां आदि मुद्दों को लेकर 21 से 26 मई तक अजमेर,जोधपुर,नागौर,डूंगरपुर एवं उदयपुर संभाग क्षेत्र के शिक्षक के वाहन जत्थे परिवर्तित स्थान नावा नागौर में एकत्रित होकर 27 मई प्रात: 7 बजे शिक्षकों का जयपुर पैदल मार्च प्रारंभ होगा। राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत चित्तौड़गढ़ जिलाध्यक्ष जयपाल बुरडक ने बताया कि जोधपुर,अजमेर एवं उदयपुर संभाग का पैदल जत्था पहले किशनगढ आना निर्धारित था।मगर नागौर जिला कार्यकारिणी द्वारा कार्यक्रम की मेजबानी एवं नेतृत्व करने की मंशा व्यक्त करने से उक्त जत्थे नावा नागौर से जयपुर प्रस्थान करेंगे।संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष भंवर कला एवं नागौर जिलाध्यक्ष अर्जुन लोमरोड़ की अध्यक्षता में आयोजित वर्चुअल बैठक में उक्त प्रस्ताव राज्य समिति द्वारा स्वीकार किया गया। शिक्षक संघ कपासन ब्लॉक अध्यक्ष शंकरलाल चौधरी ने बताया जयपुर हेतु 27 मई प्रात: 7 बजे पैदल कूच यात्रा नावा नागौर से प्रारंभ होगी तथा पूर्व निर्धारित समय 2 जून को शहीद स्मारक जयपुर पहुंचेगी। इस बैठक में शिक्षक संघ शेखावत प्रदेश अध्यक्ष महावीर सिहाग एवं महामंत्री उपेंद्र शर्मा द्वारा नावा नागौर एवं समीपवर्ती कार्यरत शिक्षकों से 27 मई जयपुर पैदल मार्च में बढ़चढकर भाग लेने का आग्रह किया गया। ब्लॉक मंत्री कपासन राजेंद्र यादव एवं ब्लॉक अध्यक्ष निंबाहेड़ा सचिन मान ने बताया कि उक्त पैदल यात्रा में खाने-पीने,ठहरने,मेडिकल सुविधा आदि व्यवस्थाओं का प्रबंध संगठन द्वारा की जायेगी।ब्लॉक मंत्री निंबाहेड़ा विजेंद्र अवाना ने बताया कि चित्तौड़गढ़ सहित उदयपुर संभाग क्षेत्र के जिलों से बड़ी संख्या में शिक्षक वर्ग आंदोलन में भाग लेगा।

नवनियुक्त भाजपा मंडल अध्यक्षों ने विधायक रामसहाय वर्मा का जताया आभार, 101 किलो की माला पहनाई

बढ़ता राजस्थान

निवाई (का.स.)। भाजपा मंडल के नवनियुक्त अध्यक्षों ने सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ ढोल नगाड़ों के साथ महावीर कॉलोनी स्थित विधायक निवास पहुंचे। जहां पर भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष नितिन जैन छाबड़ा, डांगरथल मंडल अध्यक्ष केदार चौधरी व पीपलू मंडल अध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा के नेतृत्व में सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं ने विधायक रामसहाय वर्मा का 101 किलो फूलों से बनी हुई माला और साफा पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान मंडल अध्यक्षों ने विधायक को स्मृति चिन्ह भी भेंट किया। शहर मंडल अध्यक्ष नितिन छाबड़ा ने कहा कि भाजपा के शीर्ष नेताओं व निवाई पीपलू विधायक रामसहाय वर्मा, जिला अध्यक्ष चंद्रवीरसिंह चौहान, नगर पालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि एक आम कार्यकर्ता को इतनी बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। पार्टी के प्रति आने वाले निकाय चुनाव व पंचायत चुनाव में निस्वार्थ पारदर्शी रूप से क्षेत्र में फिर से भाजपा का परचम लहराने के लिए सभी मंडल अध्यक्ष सदैव तत्पर रहेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आम जन के लिए जो योजनाएं लागू कर रखी हैं उनका घर-घर जाकर प्रचार प्रसार किया जाएगा। केंद्र और राज्य सरकार द्वारा दी जाने वाली योजनाओं को अधिक से अधिक आम जनता तक लाभ दिलवाया जाएगा। इस अवसर पर विधायक वर्मा ने कार्यालय पर कार्यकर्ताओं का लड्डू खिला कर मुंह मीठा करवाया। इस दौरान जिला मंत्री अंकुर गुप्ता, जयपुर नगर निगम पार्षद अंकित वर्मा, मोहित चंवरिया, सियाराम शर्मा, संजय अग्रवाल, जितेंद्र धारवाल, जीतू विजयवर्गीय, पार्षद रामविलास बलाई, रामनारायण कुमावत, संजय सिरस, राजू मालावत, बिट्टू बना, आशु गोड, सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खून की कमी (एनीमिया) होने पर इन तरीकों से खाएं मुनक्का, हीमोग्लोबिन भी बढ़ेगा

अगर आपको अकसर थकान या कमजोरी रहती है, तो यह एनीमिया के लक्षण हो सकते हैं। एनीमिया एक ब्लड डिसऑर्डर है, जिसमें लाल रक्त कोशिकाएं सामान्य स्तर से कम हो जाती हैं। इसकी वजह से शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर भी कम होने लगता है। आपको बता दें कि एनीमिया एक ऐसी स्थिति है, जिसमें शरीर में खून की कमी होने लगती है। यह समस्या पुरुषों की तुलना में महिलाओं में ज्यादा देखने को मिलती है। एनीमिया में आयरन का स्तर कम होने लगता है। इसलिए इस स्थिति में अकसर आयरन सप्लीमेंट दिए जाते हैं। इसके अलावा, कुछ लोग एनीमिया होने पर घरेलू उपायों का भी सहारा लेते हैं। इसके लिए मुनक्का एक अच्छा उपाय साबित हो सकता है। मुनक्का में आयरन समेत कई पोषक तत्व होते हैं, जो शरीर के लिए जरूरी होते हैं। अगर आप नियमित रूप से मुनक्का का सेवन करेंगे, तो इससे आप सेहतमंद रह सकते हैं।

दूध के साथ खाएं मुनक्का

मुनक्के को दूध के साथ खाना भी फायदेमंद होता है। दरअसल, मुनक्का की तरह ही दूध में भी कई जरूरी विटामिन्स और मिनरल्स होते हैं, जो शरीर की कमजोरी दूर करते हैं। एनीमिया होने पर आप मुनक्का को दूध में उबालकर खा सकते हैं। इसके लिए आप एक गिलास दूध में 3-5 मुनक्का डालें। इसे अच्छी तरह से उबालें, फिर छानकर दूध पी लें। आप चाहें तो मुनक्का भी चबाकर खा सकते हैं। रोज रात को मुनक्का वाला दूध पीने से एनीमिया के लक्षणों को कम करने में मदद मिल सकती है। इससे आपको ताकत मिलेगी और आप एनर्जेटिक महसूस करेंगे।

शहद के साथ खाएं मुनक्का

एनीमिया की समस्या होने पर आप मुनक्का को शहद के साथ मिलाकर खा सकते हैं। मुनक्का और शहद, दोनों पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। अगर आप इन दोनों को एक साथ खाएंगे, तो इससे शरीर को पर्याप्त पोषण मिलेगा। आपको बता दें कि मुनक्का और शहद, कैल्शियम, आयरन और कई अन्य मिनरल्स का अच्छा सोर्स होते हैं। इन दोनों को एक साथ खाने से सर्दी-जुकाम से बचा जा सकता है। इससे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। साथ ही, रोजाना मुनक्का और शहद खाने से खून की कमी भी दूर होती है। मुनक्का और शहद हीमोग्लोबिन के स्तर को बढ़ाने में मदद करते हैं। इसके लिए आप मुनक्का को रातभर भिगोकर रख दें। सुबह शहद के साथ इनका सेवन करें।

अंजीर के साथ खाएं मुनक्का

अगर एनीमिया की वजह से आपको अकसर कमजोरी का अनुभव होता है, तो मुनक्का और अंजीर का सेवन करें। मुनक्का और अंजीर खाने से खून की कमी को दूर किया जा सकता है। अंजीर में भी आयरन की मात्रा अधिक होती है। ऐसे में अगर आप रोजाना मुनक्का और अंजीर का सेवन करेंगे, तो हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ सकता है। इसके लिए आप अंजीर और मुनक्का को रातभर दूध या पानी में भिगोकर रख दें। सुबह इसका पानी उबाल लें और फिर छानकर पी लें। आप अंजीर और मुनक्का भी चबाकर खा सकते हैं।

भीगे हुए मुनक्का खाएं

अगर आप चाहें तो रोजाना सिर्फ 5-6 मुनक्का खाकर भी एनीमिया से लड़ सकते हैं। इसके लिए आप रातभर मुनक्का को पानी में भिगोकर रख दें। सुबह खाली पेट मुनक्का खाली पेट खा लें। इससे आपकी इम्यूनिटी बूस्ट होगी। साथ ही, पाचन तंत्र भी दुरुस्त रहेगा। रोजाना भीगे हुए मुनक्का खाने से आपके आयरन की जरूरत पूरी होगी। इससे लाल रक्त कोशिकाएं और हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ेगा। इससे आपको एनीमिया के लक्षणों को कम करने में मदद मिल सकती है।

खो गई है त्वचा की चमक तो लगाएं हल्दी के यह उबटन

चेहरे को चमकाने के लिए, तो लोग कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन कई बार लगातार धूप में रहने की वजह से शरीर की चमक चली जाती है। जिससे शरीर की स्किन काफी बुझी लगती है। ऐसे में स्किन को ग्लोइंग बनाने के लिए हल्दी के उबटन का इस्तेमाल किया जा सकता हैं। हल्दी के उबटन शरीर पर लगाने से स्किन की कई समस्याएं आसानी से दूर होती हैं। कई लोग शरीर की चमक को बढ़ाने के लिए ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। ये ब्यूटी प्रोडक्ट्स महंगे होने के साथ नियमित इनके इस्तेमाल से स्किन को नुकसान भी हो सकता हैं। हल्दी के ये उबटन लगाने से शरीर चमकदार बनने के साथ स्किन का कालापन भी दूर होगा।

हल्दी और बेसन का उबटन

सामग्री :

- 2 चम्मच- हल्दी
- 1 चम्मच- गुलाबजल
- 2 चम्मच- दूध
- 1 चम्मच- बादाम पाउडर
- 2 चम्मच- बेसन

उबटन बनाने का तरीका

हल्दी और बेसन का उबटन बनाने के लिए सभी सामग्री को मिलाकर पेस्ट तैयार करें। अब इस पेस्ट को शरीर पर लगाकर हल्के हाथ से मसाज करें। 10 से 15 मिनट तक इस उबटन को शरीर पर लगा रहने दें। उसके बाद शरीर को नॉर्मल पानी से वॉश करें। ध्यान रखें उबटन लगाने के बाद साबुन का इस्तेमाल न करें। इस उबटन को लगाने से शरीर की रंगत में निखार आएगा और टैनिंग भी दूर होगी।

हल्दी और नींबू का रस का उबटन

सामग्री :

- 2 चम्मच- हल्दी पाउडर
- 2 चम्मच- नींबू का रस
- 2 चम्मच- दूध
- 1 चम्मच- गुलाबजल
- 2 चम्मच- बेसन

उबटन बनाने का तरीका

हल्दी और नींबू के रस का उबटन बनाने के लिए सभी चीजों को मिलाकर मिश्रण तैयार करें। अब इस मिश्रण को शरीर पर 10 से 15 मिनट के लिए लगा के रखें। उसके बाद शरीर पर उबटन हटाने से पहले हल्के हाथ से मसाज करें। उसके बाद गुनगुने पानी से नहा लें। ये उबटन लगाने से शरीर अंदरूनी तौर पर साफ होता है और स्किन को पोषण भी मिलता है।

हल्दी और चंदन पाउडर का उबटन

सामग्री :

- 2 चम्मच- चंदन पाउडर
- 2 चम्मच- गुलाबजल
- 2 चम्मच- हल्दी
- 2 चम्मच- दूध

उबटन बनाने का तरीका

हल्दी और चंदन पाउडर का उबटन बनाने के लिए सभी सामग्री को मिलाकर पेस्ट तैयार करें। अब इस पेस्ट को शरीर पर 15 से 20 मिनट के लिए लगा रहने दें औप हल्के हाथ से मसाज भी करें। इस तरह से उबटन लगाने से शरीर की रंगत में निखार आता है और त्वचा में ग्लोइंग भी बनती है।

ब्लड कैंसर के मरीजों के लिए रामबाण है स्टेम सेल ट्रांसप्लांट

कैंसर एक खतरनाक और जानलेवा बीमारी है। इस बीमारी में सही समय पर ठीक इलाज मिलने से मरीज की जान बचाई जा सकती है। कैंसर कई तरह का होता है और इसका ही एक प्रकार है ब्लड कैंसर। ब्लड कैंसर का इलाज सामान्य कैंसर की तुलना में ज्यादा मुश्किल माना जाता है। इस गंभीर बीमारी के इलाज में आखिरी उम्मीद स्टेम सेल ट्रांसप्लांट है।

क्या है स्टेम सेल ट्रांसप्लांट : स्टेम सेल ट्रांसप्लांट ब्लड कैंसर का आखिरी इलाज माना जाता है। इस इलाज में डॉक्टर मरीज के स्टेम सेल की पहचान करने के बाद डोनर के स्टेम सेल से इसे मैच करते हैं। स्टेम सेल मैच करने के बाद डोनर के ब्लड से एफेरेसिस तकनीक से इसे अलग किया जाता है। ब्लड कैंसर को लेकर जागरूकता की कमी के कारण इस इलाज के बारे में ज्यादा लोगों को जानकारी नहीं है और आसानी से डोनर भी नहीं मिल पाते हैं। डीकेएमएस बीएमएसटी फाउंडेशन इंडिया के सीईओ पैट्रिक पॉल कहते हैं कि स्टेम सेल ट्रांसप्लांट के जरिए न सिर्फ ब्लड कैंसर बल्कि कई अन्य गंभीर बीमारियों का इलाज किया जा सकता है। इस इलाज में मरीज के शरीर में मौजूद खराब स्टेम सेल्स को निकालकर हेल्दी स्टेम सेल्स डाले जाते हैं। स्टेम सेल ट्रांसप्लांट तभी ठीक हो सकता है, जब डोनर का एचएलए टाइप मरीज के एचएलए टाइप से मैच करता हो।

स्टेम सेल क्या होता है : स्टेम सेल ब्लड में मौजूद एक सेल है। यह बोन मैरो, ब्लड समेत कई अन्य अंगों में पाया जाता है। मरीज और डोनर का स्टेम सेल मैच करने के बाद ही डॉक्टर मरीजों में स्टेल सेल ट्रांसप्लांट या स्टेम सेल थेरेपी करते हैं। समान टिश्यू टाइप या एक जैसे स्टेम सेल को खोजना आसान नहीं होता है। मरीज के रिश्तेदारों में भी 30 प्रतिशत मरीजों को अपने मैच का स्टेम सेल मिल पाता है। परफेक्ट डोनर मिलने के बाद यह इलाज आसान हो जाता है।

कितना सुरक्षित है स्टेम सेल डोनेशन : स्टेम सेल डोनेशन पूरी तरह से सुरक्षित होता है। यह ब्लड डोनेशन की तरह ही होता है। स्टेम सेल डोनेट करने के बाद शरीर पर कोई गंभीर प्रभाव नहीं पड़ता है। जानकारी और जागरूकता की कमी के कारण लोगों में इसको लेकर कयी तरह की भ्रांतियां हैं। लेकिन यह डोनेशन पूरी तरह से सुरक्षित होता है। स्टेम सेल डोनेट करने के बाद किसी तरह के नुकसान का खतरा नहीं रहता है।

कच्चा कटहल या पका हुआ, किस तरह से खाना है हेल्थ के लिए ज्यादा फायदेमंद?

कटहल की सब्जी को अक्सर लोग नॉनवेज का सब्सटीट्यूड मानते हैं। ढेर सारे मसालों में लिपटे कटहल को काफी पसंद किया जाता है। गर्मियों में ज्यादातर मिलने वाले कटहल को सब्जी बनाकर खाना उत्तर भारत में लोग पसंद करते हैं। वहीं साउथ इंडिया में पके हुए कटहल को लोग खाना चाहते हैं। ऐसे में मन में सवाल उठता है कि आखिर कच्चा या पका, किस तरह का कटहल खाने से फायदा होता है।

कटहल है न्यूट्रिशन का भंडार : कटहल में विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट ढेर सारे पाए जाते हैं। मीठे से लेकर स्पाइसी हर तरह से कटहल को खाया जा सकता है। जैकफ्रूट में विटामिन सी की अच्छी खासी मात्रा होती है। वहीं फाइबर के मामले में ये अमरूद और केला से भी ज्यादा फायदेमंद है।

कच्चा या पका कौन सा कटहल है ज्यादा फायदेमंद : स्टडीज के मुताबिक कच्चे कटहल में प्रोटीन और फाइबर की मात्रा पके कटहल की तुलना में ज्यादा होती है। वहीं कार्बोहाइट्रेड की मात्रा पके कटहल की तुलना में कम होती है। ऐसे में कच्चा कटहल सेहत के लिए ज्यादा फायदेमंद हो सकता है।

ब्लड शुगर करे कंट्रोल : कटहल में लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है। जो ब्लड शुगर को खाने के बाद बढ़ने से रोकने में मदद करता है। डायबिटीज के पेशेंट कटहल को आसानी से खा सकते हैं। ये ब्लड शुगर को कंट्रोल करता है।

एनीमिया की कमी करे दूर : कटहल में अच्छी खासी मात्रा में विटामिंस और मिनरल्स कॉपर, मैग्नीज, मैंग्नीशियम, विटामिन ए, सी और ई होते हैं। जो शरीर में खून बनने में मदद करते हैं। आयरन की कमी की वजह से एनीमिया हो जाता है। कटहल एनीमिया की समस्या को दूर करने में हेल्प करता है।

आंखों की सेहत रखे दुरुस्त : कई सारी स्टडीज में पता चला है कि आंखों की सेहत के लिए कटहल फायदेमंद है। इसमे मौजूद बीटा-कैरोटीन आंखों का ख्याल रखता है और कॉर्निया की फंक्शनिंग को सही रखने में मदद करता है।

हड्डियों के लिए है फायदेमंद : हड्डियों की मजबूती के लिए कैल्शियम के साथ ही पैटैशियम, फॉस्फोरस, कॉपर, जिंक की जरूरत होती है। कटहल में ये सारे न्यूट्रिशन होते हैं जो हेल्दी बोंस के लिए जरूरी हैं।

डाइजेशन सही करने में मदद : कटहल में काफी ज्यादा मात्रा में सॉल्यूबल और इनसॉल्यूबल फाइबर पाया जाता है। फाइबर कान्सटिपेशन को दूर करने के लिए जरूरी है। कटहल की 100 ग्राम मात्रा में फाइबर इतना होता है कि इंसान के डेली जरूरत को पूरा कर देता है। इसके साथ ही कटहल पानी को तेजी से अब्जार्ब करता है। जिससे डाइजेस्टिव सिस्टम में कोलेस्ट्रॉल और फैट की समस्या को खत्म करता है।

दिल की सेहत के लिए फायदेमंद : कार्डियोवस्कुलर डिजीज में कटहल फायदेमंद है। हाई फाइबर और एंटी ऑक्सीडेंट हार्ट हेल्थ को ठीक रखता है। साथ ही ब्लड प्रेशर को भी कंट्रोल करने में मदद करता है।

कैंसर की रोकथाम : कटहल में कैंसर को रोकने वाले तत्व फ्लेवेनाएड्स, सेपोनिन, टैनिन्स होते हैं। ये तीनों कंपाउड्स मिलकर फ्री रेडिक्लस को रिमूव करने ट्यूमर सेल्स को रोकने में हेल्प करते हैं। कई सारी रिसर्च में पता चला है कि कटहल के बीजों में ऐंटी कैंसर इफेक्ट्स होते हैं।

सुबह इन फूड्स से नहीं करनी चाहिए दिन की शुरुआत, सेहत को होते हैं कई नुकसान

अक्सर हम देखते हैं कि कुछ लोग पाचन से जुड़ी समस्याओं से आए दिन परेशान रहते हैं। उन्हें भोजन को पचाने में काफी दिक्कतें आती हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं, यह लंबे समय में कई गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकता है और क्रोनिक कंडीशन का कारण बन सकता है? हम लोगों के साथ ऐसा होने का एक बड़ा कारण गलत तरीके से अपने दिन की शुरुआत करना है। सुबह खाली पेट या सबसे पहले हम क्या खाते हैं, यह हमारे स्वास्थ्य में बहुत अहम भूमिका निभाता है। लोग सुबह खाली पेट कई ऐसी चीजों का सेवन करते हैं, आपके पाचन को गंभीर रूप से प्रभावित करते हैं। इससे पेट संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है और आपका पूरा दिन थकान के साथ गुजरता है। नियमित इस तरह की खानपान से जुड़ी आदतों के चलते भविष्य में गंभीर दुष्परिणाम देखने को मिल सकते हैं। सुबह के समय ऐसे फूड्स का सेवन करने की सलाह दी जाती है, जो प्रकृति में गर्म, पौष्टिक हों और शरीर में हाइड्रेशन को बढ़ावा दें। ऐसा इसलिए क्योंकि सुबह के समय

हमारी पाचन अग्नि मंद या कमजोर होती है, इसलिए अगर आप ठंडी प्रकृति वाले और भारी फूड्स का सेवन करते हैं, तो यह ठीक से पच नहीं पाते हैं। इससे पाचन प्रभावित होता है और पेट संबंधी समस्याएं पैदा होती हैं।

शेक और स्मूदी : बहुत से लोग शरीर को डिटॉक्स करने के लिए सुबह जूस, शेक और स्मूदी आदि जैसे ड्रिंक्स का सेवन करते हैं। लेकिन तासीर में ठंडे होने की वजह से यह हमारे पाचन लिहाज से ठीक नहीं हैं। यह पाचन अग्नि को अधिक मंद करने का काम करते हैं और मेटाबॉलिज्म रेट को भी प्रभावित करते हैं। साथ ही शरीर में कफ दोष को बढ़ाते हैं। इसके अलावा यह सर्दी-खांसी का कारण भी बन सकते हैं।

प्रोटीन रिच फूड्स : प्रोटीन शरीर के लिए बहुत जरूरी पोषक तत्व है, लेकिन इसे पचाने में हमारे पाचन तंत्र को काफी मेहनत करनी पड़ती है। यह पचने में काफी भारी होता है। ऐसे समय में प्रोटीन का सेवन करना, जिस समय पहले से आपकी क्रिया ठीक से काम नहीं करती है आपके लिए नुकसानदायक हो सकती है। इसके कारण आपको पेट में गैस, ब्लोटिंग, कब्ज आदि जैसी समस्याएं हो सकती हैं। हालांकि, आप ब्रेकफास्ट और लंच में अच्छे प्रोटीन रिच फूड्स का सेवन कर सकते है।

नींबू पानी : शरीर को डिटॉक्स करने के लिए यह सबसे अधिक पिए जाने वाले ड्रिंक्स में से एक है। लोग वजन घटाने के लिए इसका सेवन काफी अधिक करते हैं। लेकिन नींबू पानी की प्रकृति अम्लीय होती है। अगर आप सुबह खाली पेट इसका सेवन करते हैं, तो यह पाचन में गड़बड़ का कारण बन सकता है।

गर्म पानी और शहद : सुबह खाली पेट गर्म पानी में शहद मिलाकर इसका सेवन करना भी बहुत आम है। नींबू पानी की तरह ज्यादातर लोग इसका भी सेवन काफी करते हैं। लेकिन वे यह नहीं जानते हैं कि गर्म पानी में आप शहद मिलाते हैं यह एक जहर के समान काम करता है। क्योंकि गर्म पानी में शहद क्रिस्टलाइज हो जाता है और इसमें फ्री-रेडिकल्स बनाना शुरु हो जाते हैं। ऐसे में नियमित इसका सेवन कई गंभीर बीमारियों को न्यौता है।

झुर्रियों को कम करने के लिए इन तरीकों से चेहरे पर लगाएं आंवला जूस

आंवला शरीर के साथ स्किन की कई समस्याओं को आसानी से दूर करता हैं। आंवले के जूस में भरपूर मात्रा में कैल्शियम, आयरन, पोटेशियम और विटामिन सी आदि पाए जाते हैं। कई बार पोषक तत्वों मकी कमी, खराब लाइफस्टाइल, कम नींद और गलत प्रोडक्ट्स के इस्तेमाल से चेहरे पर झुर्रियों की समस्या होने लगती हैं। झुर्रियों के कारण उम्र ज्यादा दिखती है। कई लोग झुर्रियों और फाइन लाइन्स को कम करने के लिए कई तरह की क्रीम्स और सीरम आदि का इस्तेमाल करना शुरू कर देते हैं। लेकिन नियमित इनका इस्तेमाल चेहरे को नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में झुर्रियों की समस्या को कम करने के लिए आंवले के जूस का इस्तेमाल किया जा सकता है।

आंवला का जूस और शहद : जी हां, इन दोनों की मदद से चेहरे की झुर्रियां आसानी से कम होगी। इन दोनों को लगाने के लिए 4 चम्मच आंवले का जूस और 1 चम्मच शहद को मिलाकर मिश्रण तैयार करें। अब इस मिश्रण को चेहरे पर 10 से 15 मिनट के लिए लगा के रखें। उसके बाद चेहरे को नॉर्मल पानी से वॉश करें। इस तरह से आंवले का जूस लगाने से स्किन ग्लोइंग भी बनती है और झुर्रियां और फाइन लाइन्स की समस्या दूर होती है।

आंवला का जूस और ऑलिव ऑयल : आंवला का जूस और ऑलिव ऑयल की मदद से भी झुर्रियों की समस्या को दूर किया जा सकता है। इसके लिए 1 चम्मच ऑलिव ऑयल और 2 चम्मच आंवले का जूस मिलाकर मिश्रण तैयार करें। अब इस मिश्रण को चेहरे पर 10 मिनट के लिए लगा लें। उसके बाद चेहरे को नॉर्मल पानी से वॉश करें। जिन लोगों की ऑयली स्किन है

उनको ये लगाने से बचना चाहिए।

आंवला का जूस और नारियल तेल : आंवला का जूस और नारियल तेल को मिलाकर भी आसानी से चेहरे पर लगाया जा सकता है। इन दोनों का इस्तेमाल करने के लिए 1 चम्मच नारियल का तेल और 2 चम्मच आंवले का जूस मिलाकर मिश्रण तैयार करें। अब इस मिश्रण को चेहरे पर 10 मिनट के लिए लगा लें। उसके बाद पानी से वॉश करें। इस तरह से आंवले का जूस लगाने से स्किन ग्लोइंग बनती है।

आंवले का जूस और केले के पेस्ट : आंवले का जूस और केले के पेस्ट भी झुर्रियां और फाइन लाइन्स को आसानी से कम किया जा सकता है। 1 केले को मैश को लें फिर उसमें 2 चम्मच आंवले का जूस मिलाकर मिश्रण तैयार करें। इस तैयार से लगाने से पिंपल्स और झाइयों की समस्या दूर होती हैं।

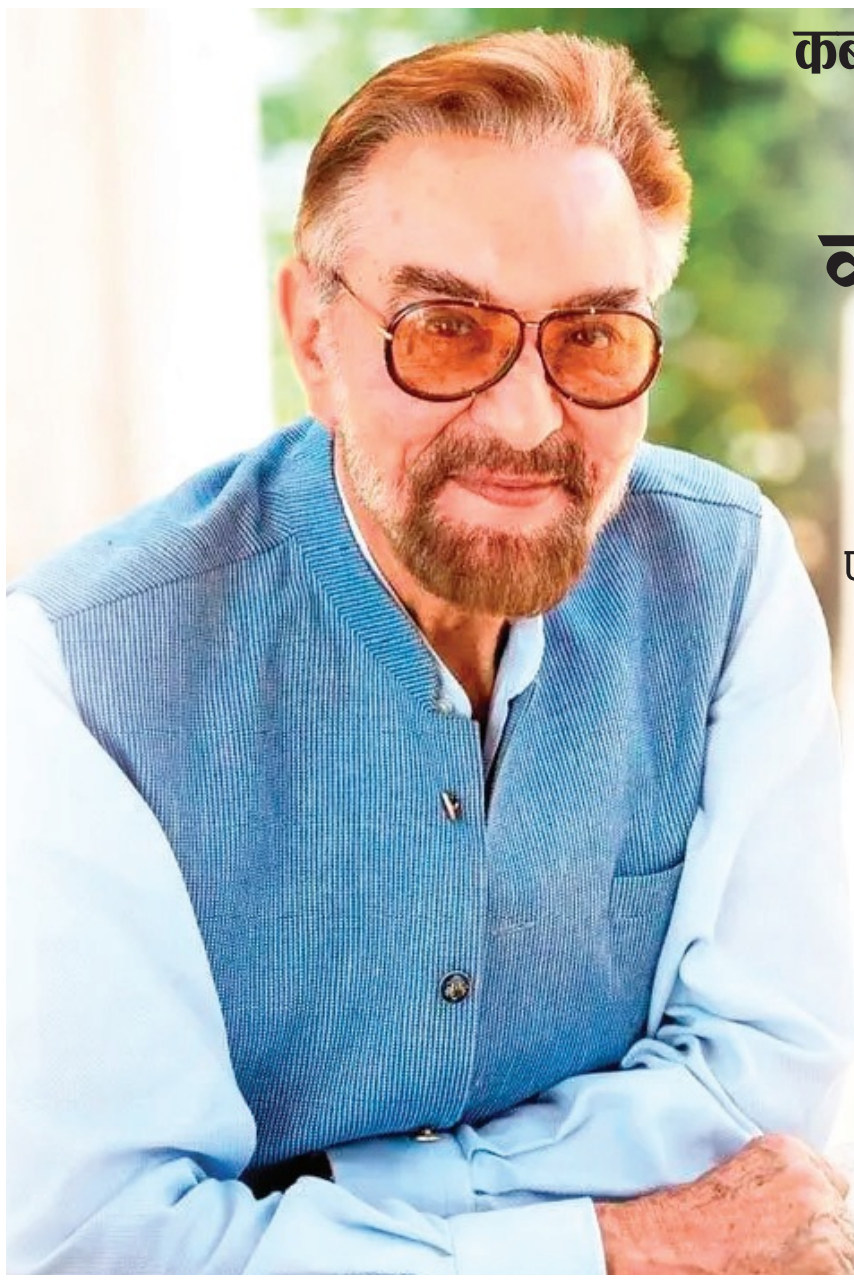

कबीर बेदी ने की चार शादियों पर खुलकर बात, बोले

'हर रिश्ता लंबा और गहरा था... कोई भी वन नाइट स्टैंड नहीं था'

बॉलीवुड और इंटरनेशनल फिल्मों में नाम कमाने वाले मशहूर एक्टर कबीर बेदी ने हाल ही में अपनी जिंदगी के मुश्किल दौर और शादियों को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि कैसे एक समय ऐसा भी आया जब उन्हें लगने लगा था कि अगर अब कंट्रोल नहीं किया, तो वो सड़क पर आ जाएंगे। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने अपनी चार शादियों और रिश्तों को लेकर खुलकर बात की। कबीर ने बताया कि भले ही उनकी कई शादियां हुईं, लेकिन हर रिश्ता लंबा और गहरा था, कोई भी वन नाइट स्टैंड नहीं था।

कबीर बेदी ने कहा कि हर रिश्ता खास था

कबीर बेदी से जब पूछा गया कि क्या उनकी कई शादियों और गंभीर रिश्तों ने एक पीढ़ी को रिश्ते बदलने का हौसला दिया, तो उन्होंने मुस्कराते हुए कहा, कौन होता हूं मैं किसी को एम्पावर करने वाला हालांकि, उन्होंने यह माना कि वो कई बार महिलाओं के चुनाव में इंडिस्क्रिमिनेट यानी बिना ज्यादा सोचे समझे फैसले लेते थे। कबीर ने बताया, मेरी पहली शादी सात साल चली, दूसरी शादी भी करीब 7-8 साल चली, तीसरी शादी 15 साल चली। अब मेरी चौथी शादी परवीन दोसांझ से है। हम 19 साल से साथ हैं, जिनमें से 9 साल से शादीशुदा हैं और 10 साल लिव-इन में रहे। कबीर बेदी ने कहा कि भले ही चार शादियों की बात सुनने में ज्यादा लगे, लेकिन हर रिश्ता एक मजबूत बंधन था। उन्होंने कहा, लोग भले ही एक बार शादी करते हों, लेकिन मेरे हर रिश्ते की अपनी अहमियत थी। सबसे बड़ी बात यह है कि आज भी मैं अपनी सभी एक्स वाइव्स से अच्छे रिश्ते में हूं,

क्रिसमस पर तीन पत्नियों के साथ एक ही फोटो

कबीर बेदी ने अपने जीवन पर लिखी किताब स्टोरीज आई मस्ट टेल: द इमोशनल लाइफ ऑफ एन एक्टर में एक तस्वीर का जिक्र किया, जिसमें उनकी पत्नी और दो एक्स वाइव्स साथ क्रिसमस सेलिब्रेट कर रही हैं। उन्होंने कहा, उस फोटो में तीन पत्नियां एक ही क्रिसमस ट्री के नीचे साथ हैं। कोई कड़वाहट नहीं, सिर्फ अच्छे रिश्ते।

कबीर बेदी की चार शादियां

बता दें कि कबीर बेदी की पहली शादी प्रोतिमा बेदी से 1969 में हुई थी। 1974 में दोनों अलग हो गए। दूसरी शादी ब्रिटिश फैशन डिजाइनर सुसैन हम्फ्रेस से 1980 में हुई, जो करीब 10 साल चली। तीसरी शादी निक्की बेदी से 1992 में हुई और 2005 में तलाक हुआ। चौथी और मौजूदा पत्नी परवीन दोसांझ हैं, जिनसे 2016 में शादी की।

गलत निवेश से कबीर को हुआ बड़ा नुकसान

इस इंटरव्यू में कबीर बेदी ने बताया कि वो किसी अमीर परिवार से नहीं आते थे। इसलिए जब उन्हें विदेश में काम मिला और पैसे मिलने लगे, तो उन्हें एक अलग सुकून मिला। उन्होंने कहा, जिसने कभी पैसे की तंगी देखी हो, वो हमेशा चाहता है कि उसकी फाइनेंशियल हालत मजबूत हो। जब मुझे यूरोप में सफलता मिली, तो थोड़े पैसे आए और लगा कि अब मुझे रेंट या खाने की चिंता नहीं करनी पड़ेगी। लेकिन कबीर मानते हैं कि जब इंसान को अचानक पैसे मिलते हैं, तो वो लापरवाह हो जाता है। उन्होंने कहा, जिसे कभी पैसा नहीं मिला और अचानक पैसे मिल जाएं, तो वो सोचता है कि अब यही जिंदगी है। फिर पैसे उड़ाने लगते हैं। मैं भी लापरवाह हो गया था। गलत निवेश किए और काफी पैसे गंवाए। कबीर बेदी ने बताया कि एक स्टार की तरह जिंदगी जीना भी महंगा होता है। उन्होंने कहा, आप सोचते हैं कि आप स्टार हैं, तो अच्छा घर, बड़ी गाड़ी, फर्स्ट क्लास ट्रैवल सब होना चाहिए और इसी में पैसे बहने लगते हैं, लेकिन ये सब ज्यादा दिन नहीं चला। एक समय ऐसा आया जब कबीर की फाइनेंशियल हालत बेहद खराब हो गई। उन्होंने कहा, मैं पूरी तरह टूट गया था। सिर्फ पैसों से नहीं, दिल से भी। इसी दौर में उनके बेटे सिद्धार्थ की मौत ने उन्हें अंदर तक हिला दिया था।

कबीर बेदी ने इंग्लैंड जाकर नए सिरे से की शुरुआत

कबीर ने बताया, 90 के दशक के आखिर में मेरी हालत ये हो गई थी कि मुझे समझ नहीं आ रहा था मैं क्या कर रहा हूं। ऑडिशन देने जाता था और अपनी लाइन भी नहीं समझ पाता था। काम छूट गया, मौके हाथ से निकलते गए और हालात और बिगड़ते गए। उस मुश्किल वक्त में कबीर बेदी ने खुद को संभालने का फैसला किया। उन्होंने तय किया कि अब हालात को अपने हाथ में लेना होगा। उन्होंने कहा, अगर मैंने कुछ नहीं किया, तो मैं तबाह हो जाऊंगा, सड़क पर आ जाऊंगा, इसके बाद कबीर ने इंग्लैंड का रुख किया और वहां एक-एक प्रोजेक्ट करके अपनी जिंदगी फिर से बसाई। आज कबीर बेदी अपने अनुभव से दूसरों को यही सलाह देते हैं, पैसों को हल्के में मत लो, कमाना मुश्किल है लेकिन खोना आसान।

मेरी कमजोरी है कि मैंने कभी अपने काम का ढिंढोरा नहीं पीटा : नील नितिन मुकेश

जाने-माने अभिनेता नील नितिन मुकेश को इंडस्ट्री में तकरीबन 20 साल हो गए, जॉनी गद्दार से अपने करियर का आगाज करने वाले नील का कहना है कि उन्हें इंडस्ट्री में काम करते हुए पूरे 30 बिता चुके हैं और आज भी एक सही मौके की तलाश में हैं। सात खून माफ़, न्यूयॉर्क, जेल, इंदू सरकार, प्रेम रतन धन पायो जैसी कई फिल्मों में काम कर चुके नील इस बातचीत में अपने संघर्ष और रिजेक्शन की वो दास्तान बयान कर रहे हैं, जिसमें वे कई बार टूटे, मगर उन्होंने हार नहीं मानी।

सबसे ज्यादा मुश्किल क्या था? रोज लोगों को कॉल कहके कहना कि मुझे काम दो?-मेरा शायद दर्द यही है, मगर मेरी कमजोरी है कि मैंने कभी अपने काम का ढिंढोरा नहीं पीटा कि मैं इस स्तर का अभिनेता हूं, इतने बड़े-बड़े अदाकारों और राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशकों के साथ काम कर चुका हूं। मैंने कभी इस रणनीति के साथ काम नहीं किया कि अच्छा ये बड़ी फिल्म है, ये बॉक्स ऑफिस पर धमाल करेगी, मैं इस फिल्म का हिस्सा बनने वाला हूं। वरना मैं तो जॉनी गद्दार, सात खून माफ, इंदु सरकार जैसी फिल्म ही नहीं करता, हां, न्यूयॉर्क बड़ी फिल्म बन गई, वो बड़े प्रोडक्शन हाउस की फिल्म थी। मैं तो अपने रोल को देखता हूं और साथ ही ये कि मैं निर्देशक से क्या सीखूंगा। मेरी मुश्किल और दर्द इस बात का है कि आज भी लोगों को याद दिलाना पड़ता है कि मैं हूं। मैं भी काम की तलाश में हूं। लोगों को ये भ्रम क्यों है कि मैं कंफर्टेबल हूं। भाई, मैं भी तो काम करना चाहता हूं, बस एक अच्छा मौका तो मिले, फिर देखिए, मैं क्या चमत्कार कर सकता हूं।

संघर्ष की ऐसी कोई घटना, जब आपको लगा हो, डेड एंड आ गया, मगर फिर एक उम्मीद की किरण दिखी हो?

बहुत बार। मेरी शुरुआत ही ऐसी थी, जहां लगा कि आगाज ही नहीं हो पाएगा। मेरी सीख ही वहीं से आई है। इसी वजह से मैं इतना मजबूत हूं। मेरे पास न कोई बैकिंग थी और न ही कोई पेडिंग। हमारे पास कोई फाइनैंशियल सपोर्ट भी नहीं था। 70 प्रतिशत पूरी होने के बाद आर्थिक कारणों से झामु जी (फाइनांसर) ने दुर्भाग्य से फिल्म बजट के कारण रोक दी थी।

लोगों ने कहा- अटकी हुई फिल्म कभी रिलीज नहीं होती-कई लोगों ने कहा जॉनी गद्दार फिल्म छोड़ दो, कुछ ने कहा फिल्म जला दो, क्योंकि अटकी हुई फिल्म कभी रिलीज नहीं होती। उस दिन मैं घर गया और रोने लगा। मुझे लगा, लोग कितनी आसानी से कह रहे हैं कि फिल्म जला दो। हालांकि 10 दिन की शूटिंग बाकी थी, मगर मैंने उस वक्त भी ये ठान लिया था कि अगर मेरा डेब्यू होगा तो इसी से होगा, वरना तू छोड़ देना ये इंडस्ट्री। मुझे पूरा यकीन था कि एक बार ये फिल्म आ जाए, तो मेरे बारे में सारी आवाजें बंद हो जाएंगी कि नील अभिनय कर सकता है या नहीं।

द कश्मीर फाइल्स के बाद बदल रहा करियर ग्राफ : दर्शन कुमार

अब मिल रहे हैं लीड रोल, सितंबर में बड़ी फिल्म रिलीज होगी

दर्शन कुमार ने 'मैरी कॉम' से लेकर 'द कश्मीर फाइल्स' और वेब सीरीज 'आश्रम' तक अपने हर किरदार से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है।

आपकी आने वाली फिल्में कौन सी हैं जिनमें आप लीड रोल में हैं?-कुछ बहुत अच्छे कॉन्सेप्ट पर काम चल रहा है और दो फिल्मों की शूटिंग तो लगभग पूरी हो चुकी है, जिनमें मैं लीड रोल में हूं। फिलहाल नाम नहीं रिवील करने की इजाजत है। अभी प्रोड्यूसर्स से बातचीत चल रही है। बड़े निर्देशकों के साथ काम करने में बजट थोड़ा ज्यादा होता है क्योंकि उनकी फीस और टॉप लेवल की टीम शामिल होती है। 'द कश्मीर फाइल्स' जैसी मेरी पिछली फिल्म ने अच्छा प्रदर्शन किया, जिससे मेकर्स को हिम्मत मिल रही है कि अगर कॉन्सेप्ट और फिल्म अच्छी हो तो कम बजट में भी अच्छा काम किया जा सकता है। निर्देशकों की तरफ से सकारात्मक संकेत हैं, बस उन्हें थोड़ा और आत्मविश्वास दिखाने की जरूरत है। मैं इस बात को लेकर श्योर हूं कि निर्देशक अब मुझे लीड रोल में लेने के लिए तैयार हैं।

क्या अब दर्शक आपको लीड रोल में ज्यादा देखेंगे?-'द कश्मीर फाइल्स' के बाद 'धोखा' आई जिसमें माधवन लीड रोल में थे, उनके साथ मेरा भी किरदार काफी मजबूत था। 'कागज 2', जिसमें अनुपम जी और मैं मुख्य भूमिकाओं में थे। तो हां, धीरे-धीरे चीजें बदल रही हैं। मेरी अगली फिल्म सितंबर में रिलीज होने वाली है, जिसमें मैं लीड में हूं। 'आर एम सी एस' नामक एक और प्रोजेक्ट पर बातचीत चल रही है और अगर सब ठीक रहा तो मैं उसे भी साइन कर लूंगा। इसके अलावा भी दो-तीन फिल्मों पर चर्चा चल रही है। इसलिए हां, अब मैं लीड रोल्स पर ज़्यादा ध्यान दे रहा हूं।

स्क्रिप्ट चुनते समय आपका क्या पैमाना होता है?-मेरा सीधा सा फंडा है कि जब मैं कोई स्क्रिप्ट पढ़ता हूं तो उसे एक बार में पढ़ता हूं, बिना किसी डिस्टरबेंस के, एक दर्शक की तरह। अगर वह कहानी और किरदार मेरे दिल को छूते हैं, तो मुझे लगता है कि यह दर्शकों के दिलों को भी छुएंगे। मैं देखता हूं कि मेरे किरदार में कितना दम

है, कितनी संभावना है। अगर मेरा दिल कहता है 'हां, तभी मैं उस प्रोजेक्ट को साइन करता हूं। 'मैरी कॉम के बाद मैंने बहुत सोच-समझकर फिल्में की हैं। मैं अच्छा काम करना चाहता हूं, भले ही वह कम हो।

वेब सीरीज आपके करियर के लिए कितनी फायदेमंद रही हैं?-मुझे लगता है कि फिल्में टी20 मैच की तरह होती हैं, जहां आपके पास सीमित समय होता है और आपको कई किरदारों को उस दायरे में ही समेटना होता है। वहीं, वेब सीरीज टेस्ट मैच की तरह होती है, जहां आप खुलकर खेल सकते हैं, अपने किरदार को गहराई से विकसित कर सकते हैं।

थिएटर की तरह, हर एपिसोड के बाद आपको अपने किरदार की नई परतें समझने को मिलती हैं। वेब सीरीज का एक और फायदा यह है कि लोग इसे अपने निजी समय और स्थान पर देखते हैं, जिससे एक जुड़ाव महसूस करते हैं। एक वेब सीरीज लगभग चार-पांच फिल्मों के बराबर होती है, इसलिए जब दर्शक आपको इतने लंबे समय तक देखते हैं, तो वे आपके किरदार और कहानी से जुड़ जाते हैं।

पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम पर बनेगी फिल्म

भारत के 11वें राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम को देशभर में मिसाइल मैन के नाम से जाना जाता है। वे एक प्रतिष्ठित एयरोस्पेस वैज्ञानिक थे और आम लोगों के साथ-साथ बच्चों के बीच भी बेहद लोकप्रिय रहे। उनकी प्रेरणादायक जीवन यात्रा ने कई युवाओं को वैज्ञानिक बनने का सपना दिखाया। अब उनका जीवन बड़े पर्दे पर दिखाया जाएगा। निर्देशक ओम राउत उनकी जिंदगी पर आधारित फिल्म कलाम लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म में दक्षिण भारतीय सिनेमा के एक मशहूर अभिनेता डॉ. कलाम की भूमिका में नजर आएंगे। निर्देशक ओम राउत की पिछली फिल्म आदिपुरुष ने जहां एक ओर जबरदस्त कमाई की, वहीं इसे तीखी आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा। अब ओम राउत एक बार फिर चर्चा में हैं, इस बार डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की बायोपिक को लेकर। हाल ही में कान्स फिल्म फेस्टिवल में हिस्सा लेने के दौरान उन्होंने इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा की। उन्होंने वहां फिल्म कलाम का टाइटल पोस्टर भी शेयर किया, जिससे यह साफ हो गया कि यह उनकी अगली महत्वाकांक्षी परियोजना है। इस बायोपिक में साउथ भारतीय सुपरस्टार धनुष मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण भूषण कुमार, अभिषेक अग्रवाल और अनिल सुंकारा मिलकर करेंगे। यह प्रोजेक्ट भारतीय सिनेमा के लिए एक और प्रेरणादायक मील का पत्थर साबित हो सकता है। निर्देशक ओम राउत ने फिल्म कलाम-भारत के मिसाइल मैन की घोषणा सोशल मीडिया पर करते हुए एक भावुक पोस्ट शेयर किया। उन्होंने लिखा, रामेश्वरम से राष्ट्रपति भवन तक... एक महान आत्मा की प्रेरणादायक यात्रा अब सिल्वर स्क्रीन पर दिखाई देगी। भारत के मिसाइल मैन की कहानी शुरू होती है। बड़े सपने देखो, ऊंची उड़ान भरो। कलाम - भारत के मिसाइल मैन जल्द आ रही है। उनकी यह पोस्ट ना केवल डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम को श्रद्धांजलि है, बल्कि इस फिल्म के लिए उत्सुकता भी बढ़ा रही है। ओम राउत की पिछली फिल्म आदिपुरुष का बजट करीब 700 करोड़ रुपये था, जो

इसे भारतीय सिनेमा की सबसे महंगी फिल्मों में से एक बनाता है। हालांकि, भारी भरकम लागत के बावजूद फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों से तीखी आलोचनाएं झेलनी पड़ीं। फिल्म की संवाद शैली को लेकर काफी विवाद हुआ और इसके वीएफएक्स की भी जमकर आलोचना हुई। इस कारण ओम राउत को अब तक ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है। अब सभी की निगाहें उनकी अगली फिल्म कलाम भारत के मिसाइल मैन पर टिकी हैं। देखना दिलचस्प होगा कि क्या यह प्रेरणादायक बायोपिक उनके हिंदी फिल्म करियर को एक नई दिशा दे पाएगी।

कांस में आलिया ने राजकुमारी जैसे अंदाज में किया डेब्यू : पीच गाउन में दिखीं एक्ट्रेस, कान के पीछे के काले टीके ने खींचा ध्यान

एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने फैंस का इंतजार खत्म करते हुए पहली बार कांस फिल्म फेस्टिवल में शिरकत की है। आलिया ने शानदार लुक से सबका ध्यान खींच लिया। उन्होंने रेड कार्पेट पर पीच रंग के खूबसूरत विंटेज अंदाज वाले आउटफिट में एंट्री ली, जिसमें वो किसी रॉयल प्रिंसेस से कम नहीं लग रही थीं।

आलिया ने स्कियापरेली ब्रांड का गाउन पहना था

आलिया ने मशहूर डिजाइनर ब्रांड स्कियापरेली का ऑफ-शोल्डर बॉडीकॉन गाउन पहना था। इस ड्रेस में चांटीली लेस, ऑर्गेंजा और एनामेल फ्लावर कढ़ाई थी। नीचे की तरफ मलमल, ऑर्गेंजा और ट्यूल की लेयर्स से खूबसूरत घेर बनाई गई थी। इस पूरे लुक को रिया कपूर ने स्टाइल किया था। आलिया ने अपने लुक को सिंपल और एलिगेंट रखा। उन्होंने मोती की क्लासिक स्टड इयररिंग्स पहने और बालों को सलीके से बांधा।

आलिया ने कान के पीछे लगाया काला टीका

खास बात यह थी कि आलिया भट्ट ने अपने बाएं कान के पीछे एक काला टीका लगाया हुआ था। बता दें कि यह पहली बार नहीं है जब आलिया ने ऐसा किया है। उन्होंने मेट गाला डेब्यू के दौरान भी टीका लगाया था। गौरतलब है कि काला टीका पारंपरिक रूप से बुरी नजर से बचाने के लिए लगाया जाता है।

आलिया ने ब्लैक ड्रेस में दिया दूसरा ग्लैमरस लुक

अपने दूसरे लुक में आलिया खूबसूरत ब्लैक ड्रेस में नजर आईं। यह ड्रेस अरमानी प्रिवे ब्रांड की थी। इस ड्रेस में नीले रंग के रत्न जड़े हुए थे। इसे रिया कपूर ने स्टाइल किया था। ड्रेस का स्लिम लुक आलिया पर खूब जंच रहा था। ड्रेस के ऊपर नीले रंग के रत्न जड़े हुए थे और नीचे चमकदार स्टोन्स से सजावट की गई थी। बता दें कि कुछ दिनों पहले अफवाहें थीं कि आलिया कांस नहीं जाएंगी, लेकिन उन्होंने अपनी उपस्थिति से इन अटकलों को विराम दे दिया। गौरतलब है कि इस बार कांस में बॉलीवुड की जबरदस्त मौजूदगी देखने को मिली। कांस में ऐश्वर्या राय बच्चन, जान्हवी कपूर, करण जौहर, ईशान खट्टर, शर्मिला टैगोर, सिमी ग्रेवाल और उर्वशी रौतेला जैसे सितारे भी नजर आए।

पत्नी पत्रलेखा से तमीज से बात नहीं करता था कुक : राजकुमार राव ने नौकरी से निकला, कहा था- आप बैग पैक करो और जाओ

एक्टर राजकुमार राव ने बताया कि उनका एक कुक उनकी पत्नी से ठीक से बात नहीं करता था। इसलिए उन्होंने उसे नौकरी से निकाल दिया था। हाल ही में राजकुमार राव कॉमेडियन रौनक राजानी के यूट्यूब शो में नजर आए। इस शो में उनके साथ कॉमेडियन अबीश मैथ्यू और उरूज अशफाक भी मौजूद थे। दरअसल, बातचीत के दौरान रौनक ने बताया कि उनका पांच साल पुराना कुक उनकी पत्नी की इज्जत नहीं करता, लेकिन वो उसे निकाल नहीं पा रहे। इस पर राजकुमार ने भी अपना निजा किस्सा शेयर किया।

राजकुमार ने कुक से कहा था कि अपना बैग पैक करो और जाओ -राजकुमार राव ने कहा, हमारे पास एक कुक था, उम्र रही होगी करीब 48 साल। खाना गजब का बनाता था। पहली बार मैंने वेज मैक्सिकन डिश खाई थी और बहुत पसंद आई थी। राजकुमार राव ने आगे बताया, दो दिन बाद पत्रलेखा (राजकुमार राव की पत्नी) ने कहा कि ये इंसान मुझसे ठीक से बात नहीं करता। मुझे कुछ गड़बड़ लगी। तीसरे दिन जब पत्रलेखा ने उससे कुछ पूछा, तो उसने अजीब सा मुंह बनाया। मुझसे तो बड़े अदब से बात करता थ, लेकिन मैंने उसे बुलाया और कहा, 'आप अपना बैग पैक कीजिए और चले जाइए।' शो में मौजूद लोगों ने राजकुमार की इस बात पर तालियां बजाईं। रौनक ने मजाक में कहा, अगर मेरा कुक सेक्सिस्ट है, तो मैं उसे सुधार नहीं सकता। बस इतना है कि खाना अच्छा बनाता है, इसलिए रख लिया है। इस पर राजकुमार ने रौनक की पत्नी के लिए हमदर्दी जताई और कहा कि काश वो उनसे बात कर पाते। फिलहाल राजकुमार अपनी नई फिल्म 'भूल चूक माफ' के प्रमोशन में व्यस्त हैं, जिसमें वमिका गाबी भी नजर आएंगी। फिल्म थिएटर्स में दो हफ्ते चलेगी, इसके बाद प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

रिश्तों की कदर भी पैसों की तरह ही करनी चाहिए
क्योंकि दोनों को कमाना मुश्किल है पर गँवाना आसान।
-हर्षित विजयवर्गीय, बढ़ता राजस्थान

लिव-इन पार्टनर की हत्या कर शव दफनाया : 5 महीने से साथ रह रहे थे

बढ़ता राजस्थान

बांसवाड़ा। प्रेमी के साथ लिव-इन रिलेशन में रह रही लड़की 2-3 दिन गांव में नजर नहीं आई तो ग्रामीणों ने लड़की के पिता को सूचना दी। पिता थाने पहुंचा और पुलिस के सामने शक जाहिर किया कि प्रेमी ने बेटी का मर्डर कर दफना दिया है। पुलिस ने प्रेमी को डिटेन किया तो शक सच साबित हुआ। 19 साल की लड़की का शव खेत में दफ्न था, जिसे बरामद कर लिया गया। घटना बांसवाड़ा जिले के घाटोल थाना इलाके के गर्णावट गांव की है। शव को शनिवार दोपहर 12 बजे बरामद किया गया है।

सीआई प्रवीण सिंह ने बताया- शनिवार सुबह 9 बजे थना इलाके के झरकनिया गांव निवासी लालशंकर निनामा थाने पहुंचा और बताया कि उसकी बेटी बिपाशा (19) पांच महीने से गायब है। जानकारी की तो पता चला कि वह नजदीकी गांव गर्णावट के युवक प्रदीप (22) के साथ लिव-इन में रह रही थी।

झारखंड में टाटा स्टील के मैनेजर का परिवार सहित सुसाइड : कमरे में लटके मिले 4 शव

बढ़ता राजस्थान

जमशेदपुर (पूर्वी सिंहभूम)। झारखंड के जमशेदपुर में टाटा स्टील के सीनियर मैनेजर कृष्ण कुमार ने पत्नी और दो बेटियों समेत सुसाइड कर लिया। चारों के शव एक कमरे में फंदे से लटके मिले। बताया जा रहा है कि 16 दिन पहले ही कृष्ण कुमार के कैंसर से पीड़ित होने का पता चला था। कृष्ण कुमार के पिता सुविंदा तिवारी ने बताया, शुक्रवार सुबह देर तक बेटे-बहू का गेट नहीं खुला। वे लोग देर से उठते थे, इसलिए ध्यान नहीं दिया। हम अपनी दवा लेने ञरू॥ चले गए। लौटने पर शाम तक घर में कोई नहीं दिखा तो अनहोनी की आशंका हुई। दरवाजा अंदर से बंद था। पुलिस को सूचना दी। उन्होंने दरवाजा खोला तो चारों फंदे पर लटके मिले। पुलिस ने कृष्ण कुमार के कमरे से एक सुसाइड नोट भी बरामद किया है। बताया जा रहा है कि इसमें पैसे के लेनदेन का जिक्र है। हालांकि, पुलिस ने इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। घटना जमशेदपुर के गम्हरिया के चित्रगुप्त नगर की है। मैनेजर के अलावा शवों की पहचान उनकी पत्नी डॉली देवी (35), बड़ी बेटी कृति कुमारी (13) और छोटी बेटी मइया (7) के रूप के रूप में हुई।

10 लाख का इनामी जेजेएमपी सुप्रीमो पुलिस मुठभेड़ में ढेर

बढ़ता राजस्थान

लातेहार (एजेंसी)। लातेहार जिले के लिए आतंक का पर्याय बने जेजेएमपी के सुप्रीमो पप्पू लोहरा समेत दो नक्सलियों को पुलिस मुठभेड़ में मार गिराया है। बताया जाता है कि लातेहार थाना क्षेत्र के ईचाबार जंगल में शनिवार सुबह पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में झारखंड जनसंघर्ष मुक्ति मोर्चा का सुप्रीमो पप्पू लोहरा और पांच लाख का इनामी नक्सली सबजोनल कमांडर प्रभात गंझू मारा गया है जबकि एक नक्सली घायल है। जिसे सदर अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया गया है। वहीं सेट वन का जवान घायल हुआ है। उसका नाम अवध सिंह है। घायल जवान को एयर लिफ्ट कर रांची के राज अस्पताल में इलाज के लिए लाया गया है। जहां इलाज जारी है। घायल जवान से रक्षा राज्यमंत्री और रांची के सांसद संजय सेठ ने मुलाकात की। वहीं डॉक्टरों ने बताया कि घायल जवान अवध सिंह की स्थिति खतरे से बाहर है।

एक्टर मुकुल देव का निधन

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक्टर मुकुल देव का 54 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। उनका पार्थिव शरीर दिल्ली के दयानंद मुक्ति धाम लाया गया है, जहां उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। दिवंगत अभिनेता के बड़े भाई राहुल देव उनका अंतिम संस्कार करेंगे। वहीं, मुकुल देव के अंतिम दर्शन के लिए उनके करीबी दोस्त भी पहुंचे हैं। पिछले कुछ समय से मुकुल बीमार चल रहे थे और हाल ही में उन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया था। हालांकि अस्पताल और परिवार की तरफ से निधन की वजह नहीं बताई गई है। मुकुल देव हिंदी, पंजाबी और साउथ फिल्मों के साथ-साथ टेलीविजन इंडस्ट्री में भी सक्रिय थे।

'सन ऑफ सरदार' से मिली अलग पहचान-मुकुल देव ने कई बॉलीवुड फिल्मों में भी काम किया। फिल्म 'सन ऑफ सरदार' में उन्होंने टोनी सिंह संधू का किरदार निभाया था। इस रोल से उन्हें खास पहचान मिली।

राजस्थान में 3 बच्चों समेत 7 कोरोना पॉजिटिव मरीज मिले

जोधपुर में 4 और जयपुर में 3 केस आए वैरिएंट जानने के लिए सैंपल लिए

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। भारत में कोरोना के केस अचानक बढ़ने लगे हैं। राजस्थान में भी पिछले 48 घंटे में 7 नए केस मिले हैं। इन 4 केस जोधपुर एम्स में डिटेक्ट हुए हैं। वहीं, 3 केस जयपुर के एसएमएस मेडिकल कॉलेज में आए हैं। एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल ने इन तीनों केसों की जीनोम सिक्वेंसिंग करवाने के लिए कहा है, ताकि इनके वैरिएंट पता चल सके। दरअसल, अभी कोविड का नया सब वैरिएंट छ्वह्र.1 फैल रहा है। इसके चलते एशियाई देशों में कोरोना के केस फिर से बढ़ने लगे हैं। जोधपुर एम्स में मिले चार मरीजों में 3 बच्चे हैं। इनकी उम्र 5 महीने, 11 साल और 12 साल है। वहीं, एक 38 साल का युवक है।

कोई पैनिक नहीं, ये वैरिएंट घातक नहीं

जयपुर एसएमएस मेडिकल कॉलेज में शनिवार को मीडिया से बातचीत में स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने बताया- अभी तक हमें हेल्थ मिनिस्ट्री ने कोई एडवाइजर जारी नहीं की है, जिसमें इसे घातक बताया हो।

पैनिक जैसा कोई मामला नहीं

हेल्थ डिपार्टमेंट की प्रिंसिपल सेक्रेटरी गायत्री राठौड़ ने बताया- नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (एनसीडीसी) में सभी स्पेशलिस्ट की एक मीटिंग हुई है। इसमें इस नए वैरिएंट को ओमिक्रॉन का सब वैरिएंट बताया है। इससे मौत और पैनिक जैसा कोई मामला नहीं है। अगर किसी के लक्षण आते हैं। मरीज डॉक्टर को दिखाकर रूटिन दवाइयां लेकर ठीक हो सकता है।

पाक गोलीबारी के पीड़ित परिवारों से मिले राहुल

राष्ट्रीय स्तर पर उठाऊंगा मुद्दा : राहुल

बच्चों से कहा- आई लव यू, खूब पढ़ो और दोस्त बनाओ

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी जम्मू-कश्मीर के पुंछ पहुंचे हैं। उन्होंने यहां पाकिस्तानी गोलाबारी में मारे गए लोगों के परिवारों से मुलाकात की। वे स्कूली बच्चों से भी मिले, उनका हौसला बढ़ाया और कहा कि मैं आपसे बहुत प्यार करता हूं।राहुल ने कहा कि सब जल्दी ठीक हो जाएगा। आप इन हालात से बाहर आने के लिए खूब पढ़ाई करें, खूब खेलें और स्कूल में बहुत सारे दोस्त बनाएं। पाकिस्तानी गोलाबारी से प्रभावित परिवारों से मुलाकात के बाद राहुल ने कहा कि ये बड़ी त्रासदी है। बहुत से

लोगों की जान गई है और उन्हें काफी नुकसान हुआ है। मैंने उनसे बात की, उनकी परेशानियों को समझने की कोशिश की। उन्होंने मुझसे कहा कि वे कुछ मुद्दे राष्ट्रीय स्तर पर उठाना चाहते हैं, और मैं उन्हें जरूर उठाऊंगा।

भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान ने क्रॉस-बॉर्डर शेलिंग की थी

पहलगाम की बायसरन घाटी में 22 अप्रैल की दोपहर आतंकवादियों ने पर्यटकों पर फायरिंग की थी। हमले में 26 टूरिस्ट मारे गए थे। 10 से ज्यादा घायल हुए थे। इसके बाद भारतीय वायु सेना ने 6-7 मई 2025 की रात को कार्रवाई की थी। इसमें पाकिस्तान और क्क्रय में 9 आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की गई थी, जिसमें जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े 100 आतंकी मारे गए थे।

इस हमले के बाद पाकिस्तान ने क्रॉस-बॉर्डर शेलिंग की थी। पाकिस्तान की गोलाबारी, मिसाइलों और ड्रोन हमलों में 27 लोगों की मौत हो गई थी और 70 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे।

रिश्वत प्रकरण में आरोपी विधायक जयकृष्ण पटेल की जमानत खारिज

कोर्ट ने कहा- जमानत दी तो समाज पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। विधानसभा में लगाए गए प्रश्नों को डिलीट करने की एवज में मांगी गई रिश्वत प्रकरण में गिरफ्तार बीएपी विधायक जय कृष्ण पटेल की जमानत याचिका को आज एसीबी मामलों की विशेष अदालत ने खारिज कर दिया। विधायक की जमानत याचिका को खारिज करते हुए अदालत ने कहा कि आरोपी निर्वाचित विधायक हैं। उस पर आम नागरिकों की समस्याओं को विधानसभा में उठाने, उनके हितों की सुरक्षा करने की जिम्मेदारी हैं। लेकिन उस पर इस तरह के आरोप लगे हैं। ऐसे में अगर विधायक को जमानत दी जाती है तो इसका समाज पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता हैं। वहीं वर्तमान विधायक होने के कारण वह अनुसंधान को प्रभावित भी कर सकता हैं।

रिश्वत की शेष राशि भी नहीं हुई बरामद : विधायक के अधिवक्ता आशु सिंह शेखावत ने बहस करते हुए कहा कि परिवाद में ढ़ाई लाख रुपए रिश्वत की राशि मांगना बताया गया हैं। लेकिन विधायक पर ढ़ाई करोड़ रुपए का आरोप लगाया गया हैं। परिवाद के बाद सत्यापन वर्ताओं में किसी भी तरह की रिश्वत की राशि मांगने की बात सामने नहीं आई हैं। विधायक को केवल राजनीतिक द्वेषता के चलते फंसाया जा रहा है। परिवादी के अलावा सभी गवाह लोकसेवक हैं। जिन्हें प्रभावित नहीं किया जा सकता हैं। ऐसे में जमानता का लाभ दिया जाए। जिसका विरोध करते हुए विशिष्ठ लोक अभियोजक शालिनी गौत्तम ने कहा कि विधायक पर गंभीर आरोप हैं। इनके पीए रोहिताश्व उर्फ रोहित मीणा की तलाश अभी भी जारी हैं। प्रकरण में अभी रिश्वत की राशि में से 83 हजार रुपए की बरामदगी नहीं हुई हैं। ऐसे में आरोपी को जमानत नहीं दी जानी चाहिए।

रिश्वत लेते पहली बार विधायक हुआ गिरफ्तार

करीब 19 दिन पहले 3 मई को एंटी करप्शन ब्यूरो राजस्थान ने बागीदौरा (बांसवाड़ा) से विधायक जयकृष्ण पटेल को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। राजस्थान में यह पहली बार है, जब किसी विधायक को रिश्वत लेते अरेस्ट किया गया। विधानसभा में लगाए खनन विभाग से जुड़े सवालों को वापस लेने के लिए भारत आदिवासी पार्टी के विधायक जयकृष्ण ने 10 करोड़ की डिमांड की थी। बाद में 2 .5 करोड़ रुपए में सौदा हुआ था।

हमारे कृषि संस्थानों में वो ताकत है, जिसका लोहा पूरी दुनिया मानेगी : शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली (पीआईबी)।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अगुवाई में 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' की तैयारियां अब अपने अंतिम चरण में है। 29 मई को श्री जगन्नाथ की पावन धरती पुरी, ओडिशा से इस व्यापक अभियान का शुभारंभ होगा। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय का पूरा अमला राज्यों के सहयोग से इसकी तैयारियों में जुटा हुआ है। आज इसी कड़ी में श्री शिवराज

सिंह चौहान ने पूसा कैंपस स्थित सुब्रहमण्यम हॉल में देशभर के कृषि वैज्ञानिकों से संवाद किया। इस अवसर पर कृषि सचिव श्री देवेश चतुर्वेदी, आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. एम.एल. जाट, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सभी 113 संस्थानों, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के साथ ही देशभर के 731 कृषि विज्ञान केंद्रों व केंद्र-राज्यों के कृषि विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों-प्राध्यापकों ने बड़ी संख्या में सभागार में उपस्थित रहकर और वर्चुअल माध्यम से जुड़कर इस संवाद कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

गुजरात बॉर्डर पर पाकिस्तानी घुसपैठिया मारा गया

कच्छ से जासूस भी अरेस्ट; इलाके की संवेदनशील तस्वीरें पाक भेजी थीं

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली/श्रीनगर। भारतीय सीमा में घुस रहे पाकिस्तानी घुसपैठिए को बीएसएफ ने मार गिराया है। घटना 23 मई की रात की है। शनिवार सुबह सिक्योरिटी फोर्स ने इसकी जानकारी दी। बीएसएफ ने बताया, गुजरात के बनासकांठा जिले में जवानों ने एक संदिग्ध व्यक्ति को इंटरनेशनल बॉर्डर पार करते देखा। उसे रुकने के लिए कहा गया, जब वह नहीं रुका तो गोली चलानी पड़ी। उधर गुजरात एटीएस ने कच्छ से एक पाकिस्तानी जासूस सहदेव सिंह गोहिल को भी अरेस्ट किया है। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति ने कच्छ सीमा के संवेदनशील इलाकों की तस्वीरें पाकिस्तान भेजी थीं। ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी देने और पाकिस्तान की सच्चाई

बताने के लिए भारत से अब तक 5 डेलीगेशन दुनिया के कई देशों के लिए रवाना हो चुके हैं। कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व वाला डेलीगेशन शनिवार सुबह दिल्ली से रवाना हुआ। ये डेलीगेशन संयुक्त राज्य अमेरिका, पनामा, गुयाना, ब्राजील और कोलंबिया सहित पांच देशों का दौरा करेगा।

बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस

दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक समाचार पत्र मुद्रण के लिए संपर्क करें।

उच्च क्वालिटी का कागज एवं स्याही

कलर एवं ब्लैक मुद्रण | किफायती मुद्रण लागत

Printing Press
- Hameedpura Road Khandwa, Newai, Tonk, Rajasthan - 304021

Office
- Badhata Rajasthan, Near Rajkiya Mahavidhyalaya, NH-12, Bypass Newai, Tonk, Rajasthan - 304021
(M) +91-9214048888, Phone No. - 01438-223201, 02, 03
- 185/116, "Pratiksha", Sector-18, Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur - 302033
(M) +91-9414242258, Phone No. - 0141-2796795

Email: badhatarajasthanprintingpress@gmail.com

मृतक बेटे की संपत्ति में मां भी बराबर की हिस्सेदार

हाईकोर्ट का फैसला, 1.07 करोड़ बीमा राशि में से 35.92 लाख रुपए मिलेंगे

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। हाईकोर्ट ने मृतक बेटे की संपत्ति और क्लेम के पैसों में पत्नी-बेटे के साथ मां को भी बराबर का हकदार माना है। मां को हिस्सा देने के आदेश दिए हैं। जस्टिस गणेशराम मीणा की एकलपीठ ने यह आदेश हेमलता शर्मा की याचिका पर दिए हैं।

हाईकोर्ट ने मृतक बेटे की बीमा राशि 1.07 करोड़ में से मां को 35.92 लाख देने के आदेश दिए हैं। अदालत ने कहा- मृतक के बेटे और पत्नी के समान मां भी एक-तिहाई हिस्सा प्राप्त करने की अधिकारी है।

सेशन कोर्ट के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी

याचिकाकर्ता के वकील संपत्ति शर्मा ने बताया- सेशन कोर्ट ने याचिकाकर्ता की ओर से साल 2021 में पेश प्रार्थना-पत्र को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए बिना नॉमिनी घोषित संपत्तियों में ही मां को समान राशि प्राप्त करने का हकदार माना था। इस आदेश को हेमलता शर्मा ने हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि उसके बेटे आनंद दाधीच की 1.07 करोड़ की राशि में से उसका एक-तिहाई हिस्सा 35,92,412 रुपए दिलाए जाने के आदेश दिए जाए।

बेटे की संपति में मां का भी समान हक और अधिकार

याचिका में कहा गया कि भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम के तहत बेटे की संपत्ति में मां का भी समान हक और अधिकार है। इसके अलावा नॉमिनेशन एक कानूनी व्यवस्था है, जो किसी व्यक्ति को मालिक की मौत के बाद कानूनी उत्तराधिकारियों के लिए संपत्ति का प्रबंधन करने और उसे ट्रस्ट में रखने के लिए नामित करती है। संपत्ति का स्वामित्व नॉमिनेशन के जरिए नॉमिनी व्यक्ति को हस्तांतरित नहीं किया होता है। इसके साथ ही कोर्ट ने एलआईसी और निजी बीमा कंपनियों को आदेश दिए हैं कि मृतक की जिन पॉलिसी का क्लेम पेंडिंग है। उनमें मां को एक तिहाई पैसा दिया जाए।

वसीयत लिखे बिना मौत तो मां, पत्नी और बेटों में बराबर बंटेगी संपत्ति

हाईकोर्ट ने आदेश में कहा कि यदि बेटा इंश्योरेंस पॉलिसी में अपनी पत्नी को नॉमिनी बनाता है और बिना वसीयत लिखे उसका ?निधन हो जाता है तो मां प्रथम श्रेणी उत्तराधिकारी होने के नाते उसमें हिस्से की हकदार है। हिंदू उत्तराधिकार कानून 1956 के मुताबिक वसीयत लिखे बिना मरने वाले मामले में व्यक्ति की प्रॉपर्टी उसके क्लास वन कानूनी उत्तराधिकारियों को देने का प्रावधान है।

क्लास वन कानूनी उत्तराधिकारियों में मां उसकी पत्नी और बेटे-बेटी आते हैं। इसलिए यदि किसी आदमी का वसीयत लिखे बिना निधन हो जाता है और उसके पीछे उसकी पत्नी और मां है, तो उसकी संपत्ति में दोनों का बराबर अधिकार होता है। इनमें बैंक अकाउंट, इंश्योरेंस पॉलिसी, प्रोविडेंट फंड और दूसरी संपत्ति भी शामिल होता है।